RNI No.: MPHIN/2022/82783

हमारा देश हमारा अभिमान

|| हर हर महादेव ||

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए अगस्त 2025 वर्ष 04, अंक 8 , मासिक पत्रिका

ISO 9001:2015 CERTIFIED

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विधेयकों को किया पेश

- संघ राज्य क्षेत्र सरकार (संशोधन) विधेयक 2025
- संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025
- जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025

क्या जेल में बंद पीएम-सीएम को हटाने का कानून आ रहा है? जानिए पूरी डिटेल!

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए ऐसा कानून लाने की तैयारी की है, जिससे अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री किसी गंभीर आपराधिक मामले में जेल जाते हैं और 30 दिन से ज्यादा हिरासत में रहते हैं, तो उन्हें उनके पद से हटाया जा सकेगा। इसके लिए गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए हैं। इनमें शामिल हैं – संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्रशासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025, और जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025। इन विधेयकों के मुताबिक, अगर कोई मंत्री, सीएम या पीएम भ्रष्टाचार या गंभीर अपराध के आरोप में जेल में हैं और 30 दिनों तक रिहा नहीं होते, तो उन्हें अपने पद से बर्खास्त कर दिया जाएगा। लेकिन अगर वे बाद में बरी हो जाते हैं, तो दोबारा पद संभाल सकते हैं। सरकार का कहना है कि इस कदम से "नैतिक जिम्मेदारी और राजनीतिक पारदर्शिता"को बढ़ावा मिलेगा। गृहमंत्री ने यह भी कहा कि वे खुद गुजरात में मंत्री रहते जेल गए थे और तुरंत इस्तीफा दे दिया था। जब तक सभी आरोपों से मुक्त नहीं हुए, उन्होंने कोई संवैधानिक पद स्वीकार नहीं किया। हालांकि विपक्ष ने इसका जोरदार विरोध किया। एआईएमआईएम के असदुदीन ओवैसी, कांग्रेस के मनीष तिवारी और अन्य नेताओं ने इसे संविधान के मूल ढांचे और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ बताया। इस दौरान सदन में भारी हंगामा हुआ और कार्यवाही भी एक घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। बाद में गृहमंत्री ने इन विधेयकों को आगे की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने मंजूरी दे दी। जेपीसी में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे की जेल हो जाती है, तो उसकी नौकरी अपने आप चली जाती है, चाहे वह ड्राइवर हो, क्लर्क हो या चपरासी। लेकिन एक मुख्यमंत्री, एक मंत्री या यहाँ तक कि एक प्रधानमंत्री जेल से भी सरकार में बने रहने का आनंद ले सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले, हमने देखा कि कैसे जेल से फाइलों पर हस्ताक्षर किए जा रहे थे और कैसे जेल से सरकारी आदेश दिए जा रहे थे। अगर नेताओं का ऐसा रवैया है, तो हम भ्रष्टाचार से कैसे लड़ सकते हैं। एनडीए सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून लेकर आई है, और प्रधानमंत्री भी इसके दायरे में आते हैं।

मोदी ने कहा कि राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल इस कानून का विरोध कर रहे हैं। वे बहुत गुस्से में हैं। कौन नहीं जानता कि वे किससे डरते हैं?... उन्हें लगता है कि अगर वे जेल गए, तो उनके सारे सपने चकनाचूर हो जाएंगे। वे इतने घबराए हुए हैं कि वे एक ऐसे कानून का विरोध कर रहे हैं जो जनहित में है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ एक ऐसा कानून लाई है, जिसके दायरे में देश का प्रधानमंत्री भी आता है। इस कानून में मुख्यमंत्री और मंत्री भी शामिल किए गए हैं। इस कानून के बनने के बाद, अगर कोई मुख्यमंत्री, मंत्री या प्रधानमंत्री गिरफ्तार होता है, तो उसे 30 दिन के भीतर जमानत लेनी होगी, और अगर जमानत नहीं मिली तो 31वें दिन उसे कुर्सी छोड़नी पड़ेगी।

विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे देश में चाहे कांग्रेस हो या आरजेडी, इनकी सरकारों ने कभी जनता के पैसों का मोल नहीं समझा इनके लिए जनता के पैसों का मतलब सिर्फ अपनी तिजोरी भरना रहा है। इसी वजह से इनकी सरकारों में सालों-साल तक परियोजनाएँ पूरी नहीं होती थीं। कोई योजना जितनी लटकती थी, ये उतना ही पैसा उसमें कमा लेते थे। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं लगा, जबकि आज़ादी के बाद कांग्रेस की सरकारें जो 60–65 साल तक सत्ता में रहीं, उनके भ्रष्टाचारों की एक लंबी सूची है। आरजेडी का भ्रष्टाचार तो बिहार का बच्चा-बच्चा जानता है। मेरा साफ मानना है कि अगर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाना है, तो कोई भी कार्रवाई से बाहर नहीं होना चाहिए। विवादित विधेयक गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए, जिनमें से एक संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 भी शामिल है. इस विधेयक में प्रावधान है कि अगर प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री किसी भ्रष्टाचार या गंभीर अपराध के आरोप में 30 दिन तक निरंतर हिरासत में रहते हैं तो उन्हें पद से हटाया जा सकता है. इसके साथ ही शाह ने संघ शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 भी संसद में पेश किए।

केंद्र के इन तीनों बिलों के खिलाफ़ लोकसभा में विपक्ष ने किया ज़बरदस्त हंगामा, समझिए

लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किए गए तीन विधेयक -संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2025, और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025—के खिलाफ विपक्षी दलों ने जोरदार हंगामा किया। इन विधेयकों का मुख्य प्रावधान यह है कि यदि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री या केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री किसी गंभीर आपराधिक मामले में 30 दिनों तक लगातार हिरासत में रहते हैं, तो उन्हें 31वें दिन स्वतः अपने पद से हटा दिया जाएगा। यह नियम उन मामलों पर लागू होगा, जिनमें कम से कम पांच साल की सजा का प्रावधान हो।

हमारा देश
हमाराअभिमान

अगस्त 2025

सुविचार

"सफलता कभी स्थायी नहीं होती और असफलता कभी अंतिम नहीं होती।"

संपादकीय	04-05
राष्ट्रीय न्यूज	06-07
ग्वालियर	08-11
इंदौर	12-17
मध्य प्रदेश	18-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
ट्रेडिंग जॉब	51

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन • केशव पांडे जी
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- राजेश कुमार त्रिपाठी
- मुकुल गुप्ता जी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोलिजिस्ट और बोन नेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भटौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री कुंज मिहारी शर्मा
- श्री अतेन्द्र सिंह रावत
- श्री विजय महाजन

सह सलाहकार

श्री विजय महाजन
श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (जोधपुर मिष्ठान भंडार),
श्री आर एन नार्वे (सीनियर ऑडिटर),
श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
श्री अतेंद्र रावत
श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स)
मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार),
रुचि चतुर्वेदी,कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
• सुनील • हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी । (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

AI में करियर बनाने के लिए आवश्यक कदम

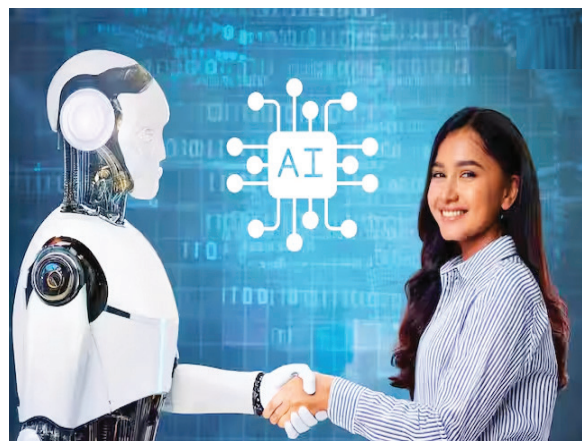

हमारा देश हमारा अभिमान
मासिक पत्रिका के लिए म.प्र. एवं राजस्थान में संवाददाता नियुक्त करना है। इच्छुक व्यक्ति निम्न नम्बर पर सम्पर्क - **हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक**
98266 36922

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

जेल में बंद क्लर्क को सस्पेंड किया जा सकता है तो PM और CM को क्यों नहीं..

देश में प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जेल भेजने वाले बिल पर घमासान है. पक्ष-विपक्ष के बीच तकरार है. इसी पीएम-सीएम को जेल भेजने वाले बिल पर PM मोदी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है. बिहार के गयाजी में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने साफ कर दिया कि अब भ्रष्टाचारी जेल भी जाएगा और उसकी कुर्सी भी जाएगी. उन्होंने पहली बार बोलते हुए कहा कि जिसने भ्रष्टाचार किया है और जेल गया है, उसे कुर्सी छोड़नी ही होगी.

दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों लोकसभा में 130वां संविधान संशोधन बिल, 2025 पेश किया है. इस बिल में केंद्र और राज्य के उन मंत्रियों को हटाने का प्रावधान है, जो भ्रष्टाचार या गंभीर अपराध के मामले में कम से कम 30 दिनों के लिए हिरासत में या गिरफ़्तार किए गए हैं. इस संविधान संशोधन का विपक्षी सांसदों ने भारी विरोध किया. ...तो क्या मंत्री जेल में रहकर सत्ता का सुख भोग सकता है?

ऐसा शायद पहली बार देखने को मिला है, जब प्रधानमंत्री मोदी किसी संविधान संशोधन बिल पर एक तरह से 'जनमत संग्रह' कर रहे हैं. गयाजी की रैली में पीएम मोदी ने कहा, 'इतने सालों में हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक दाग नहीं लगा है. 60-65 साल सरकार में रही कांग्रेस के भ्रष्टाचार की लिस्ट लंबी है. आरजेडी का भ्रष्टाचार तो बिहार का बच्चा-बच्चा जानता है. मेरा साफ मानना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को अगर अंजाम तक पहुंचाना है, तो कोई भी कार्रवाई के दायरे से बाहर नहीं होना चाहिए. आज कानून है कि अगर किसी छोटे सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे तक हिरासत में रख दिया, तो अपने आप वह सस्पेंड हो जाता है. ड्राइवर, छोटा क्लर्क हो उसकी जिंदगी हमेशा के लिए तबाह हो जाती है. अगर कोई मुख्यमंत्री है, मंत्री, कोई मुख्यमंत्री है, तो वह जेल में रहकर भी सत्ता का सुख भोग सकता है. यह कैसे हो सकता है?

'जेल से ही सरकारी आदेश निकाले जा रहे थे'

पीएम मोदी ने कहा, 'हमने कुछ समय पहले ही देखा कि कैसे जेल से ही फाइलों पर साइन किए जा रहे थे. जेल से ही सरकारी आदेश निकाले जा रहे थे. नेताओं का अगर यही रवैया रहेगा, तो ऐसे भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई कैसे लड़ी जाएगी. संविधान हर जन प्रतिनिधि से ईमानदारी और पारदर्शिता की उम्मीद करता है. हम संविधान की मर्यादा को तार तार होते नहीं देश सकते है. इसलिए एनडीए सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐसा कानून लाई है, जिसके दायरे में देश का प्रधानमंत्री भी है. इस कानून में मुख्यमंत्री और मंत्रियों को भी शामिल किया गया है. जब यह कानून बन जाएगा, तो प्रधानमंत्री हो या मुख्यमंत्री या फिर कोई भी मुख्यमंत्री, उसे गिरफ्तारी के 30 दिन के अंदर जमानत लेनी होगी. अगर जमानत नहीं मिली,

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

रूस से तेल ख़रीदने को लेकर अमेरिकी प्रशासन का भारत पर आरोपों का सिलसिला जारी

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस में हैं और उन्होंने द्विपक्षीय संबंध और मज़बूत करने की बात कही है. इस साल के अंत तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के दौरे पर आने वाले हैं. दूसरी तरफ़ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और अब व्हाइट हाउस के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो ने भारत को निशाने पर लिया है. नवारो ने यूक्रेन युद्ध में भारत की कथित भूमिका की आलोचना करते हुए कहा कि भारत को रूसी तेल की ज़रूरत की बात बकवास है. भारत रूस से तेल ख़रीदकर कर मुनाफ़ा कमा रहा है और रूसी तेल का "लॉन्ड्रोमैट" (सेल्फ सर्विस लॉन्ड्री सर्विस) बन गया है. नवारो का बयान ऐसे समय में आया है, जब रूस पहुंचे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका ने ही भारत से इंटरनेशनल मार्केट में तेल की आपूर्ति और इसके दामों को स्थिर करने के लिए रूस से तेल ख़रीदने को कहा था. नवारो ने पत्रकारों से कहा कि ये बार-बार कहा जा रहा है कि भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूसी तेल की ज़रूरत है. लेकिन वास्तव में भारत को इसकी कोई ज़रूरत नहीं है. उन्होंने कहा, "दरअसल यूक्रेन में शांति का रास्ता नई दिल्ली से होकर जाता है. लेकिन भारत रूसी तेल की रिफाइनिंग का लॉन्ड्रोमैट बन गया है. इसके ज़रिये वह ख़ुद तो मुनाफ़ा कमा ही रहा है, साथ ही परोक्ष तौर पर यूक्रेन युद्ध में रूस की फंडिंग भी कर रहा है." उन्होंने चेतावनी दी कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगाए जाने वाले टैरिफ़ को दोगुना करने की डेडलाइन 27 अगस्त से आगे नहीं बढ़ाएंगे. नवारो ने कहा, "भारत हमसे सामान बेचकर जो पैसा कमाता है, उसी से रूसी तेल ख़रीदता है. फिर रिफ़ाइनरी में प्रोसेस कर ढेर सारा मुनाफ़ा कमाता है. लेकिन रूस उस पैसे से और हथियार बनाता है और यूक्रेनियों को मारता है. नतीजतन अमेरिकी टैक्सपेयर्स को यूक्रेन को और ज़्यादा सैन्य मदद देनी पड़ती है. यह तो पागलपन है."

नवारो ने कहा, "भारत यूक्रेन में हो रहे खून-ख़राबे में अपनी भूमिका को मानने को तैयार नहीं है. इसके बजाय वह शी जिनपिंग के क़रीब जा रहा है. मुझे भारत से आ रहे उस प्रोपेगेंडा का जवाब देना पड़ा, जो लोगों को भारत के लिए सहानुभूति दिलाने की कोशिश कर रहा था." हालांकि उन्होंने भारत की नेतृत्व क्षमता की तारीफ़ भी की लेकिन ये भी कहा कि वो रास्ता बदले. नवारो ने कहा "मैं भारत से प्यार करता हूं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महान नेता हैं. लेकिन भारत जो कर रहा है उससे यूक्रेन में शांति नहीं आने वाली. भारत देखे कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसकी भूमिका क्या है. अभी आप (भारत) शांति कायम करने के बजाय युद्ध को और लंबा खींच रहे हैं. " नवारो का ये बयान ऐसे समय में आया है, जब रूस यात्रा पर पहुँचे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत न तो रूसी तेल का सबसे बड़ा ख़रीदार है और न ही 2022 के बाद रूस के साथ सबसे बड़ी व्यापारिक बढ़त वाला देश है. उन्होंने कहा कि भारत तो वो देश है, जिसे अमेरिका ने ही रूस से तेल ख़रीदने के लिए कहा था ताकि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में दाम और आपूर्ति स्थिर रहे.

जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सेर्गेई लावरोफ़ के साथ एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हम रूसी तेल के सबसे बड़े ख़रीदार नहीं हैं. सबसे बड़ा ख़रीदार चीन है.

निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची के चल रहे 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के दौरान बिहार के मतदाताओं की ओर से प्रस्तुत किए जा सकने वाले 11 दस्तावेजों में से एक के रूप में आधार को स्वीकार करना होगा

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार दोपहर कहा कि निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची के चल रहे 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के दौरान बिहार के मतदाताओं की ओर से प्रस्तुत किए जा सकने वाले 11 दस्तावेजों में से एक के रूप में आधार को स्वीकार करना होगा। बता दें आधार को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से बाहर रखा गया है। कोर्ट ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 15 सितंबर 2025 की रखी है। इसके अलावा चुनाव आयोग ने कांग्रेस-आरजेडी की सच्चाई भी सामने ला दी है और कहा कि राजनीतिक दलों को आगे आना चाहिए।

पार्टियों की निष्क्रियता पर चुनाव आयोग हैरान

चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग ने हटाए गए मतदाताओं के नामों को सही करने के मामले में राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी जाहिर की है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में यह भी कहा कि बिहार एसआईआर में 85,000 नए मतदाता सामने आए हैं, हालांकि, राजनीतिक दलों के बूथ स्तर के एजेंटों की ओर से केवल दो आपत्तियां दर्ज की गई हैं।

आपत्तियों पर पावती रसीद दी जाएः सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को ऑनलाइन और फिजिकल दोनों तरीकों से दावा दाखिल करने की अनुमति होगी। इसके लिए आधार कार्ड या 11 अन्य स्वीकार्य दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा, "हम बिहार एसआईआर के लिए आधार कार्ड या किसी अन्य स्वीकार्य दस्तावेज के साथ हटाए गए मतदाताओं के दावों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अनुमति देंगे।" सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया को मतदाता-अनुकूल बनाने पर जोर देते हुए राजनीतिक दलों से आगे आने और हटाए गए वोटरों की मदद करने को कहा। कोर्ट ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) को निर्देश दिया कि वे राजनीतिक दलों को कोर्ट की कार्यवाही में शामिल करें और दावा दाखिल करने की स्थिति पर स्टेटस रिपोर्ट पेश करें। कोर्ट ने निर्वाचन आयोग (ECI) को यह भी निर्देश दिया कि राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स द्वारा जमा किए गए दावों के लिए पावती रसीद दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी वोटर को सूची से बाहर न किया जाए। कोर्ट ने भरोसा जताया कि इस प्रक्रिया से मतदाताओं का विश्वास बहाल होगा और कोई भी वोटर छूटेगा नहीं।

'राजनीतिक दल नहीं कर रहे अपना काम'

अदालत ने बिहार के राजनीतिक दलों पर भी कड़ी टिप्पणी की और यह जानना चाहा कि उन्होंने 65 लाख से अधिक हटाए गए मतदाताओं की सहायता क्यों नहीं की। दरअसल, आरजेडी और कांग्रेस जैसे कई राजनीतिक दलों ने इस आधार पर संशोधन का विरोध किया है कि यह उन समुदायों को मताधिकार से वंचित करने के लिए बनाया गया है जो परंपरागत रूप से उन्हें वोट देते हैं।

'करनी चाहिए थी मतदाताओं की मदद'

अदालत ने कहा, "राजनीतिक दल अपना काम नहीं कर रहे हैं। आपके बीएलए (बूथ-स्तरीय एजेंट) क्या कर रहे हैं? राजनीतिक दलों को मतदाताओं की मदद करनी चाहिए।" अदालत ने चुनाव आयोग की इस टिप्पणी को दोहराते हुए कहा कि आपत्तियां व्यक्तिगत राजनेताओं, यानी सांसदों और विधायकों की ओर से दर्ज की गई थीं,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन किया जो केंद्र सरकार को जेल में बंद मंत्रियों को बर्खास्त करने की शक्ति देता है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को संसद में पेश किए गए संविधान संशोधन विधेयक का बचाव किया, जो केंद्र को जेल में बंद किसी भी मंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार देता है। बिहार के गयाजी में एक रैली में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे की जेल होती है तो उसे नौकरी से निलंबित कर दिया जाता है। उन्होंने पूछा कि ऐसा ही नियम प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्रियों पर क्यों नहीं लागू होना चाहिए। बिहार के गयाजी में एक रैली में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे की जेल होती है तो उसे नौकरी से निलंबित कर दिया जाता है। उन्होंने पूछा कि ऐसा ही नियम प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्रियों पर क्यों नहीं लागू होना चाहिए।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

मोदी ने रैली में कहा, "अगर किसी सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे की जेल होती है तो वह खुद ही निलंबित हो जाता है, चाहे वह ड्राइवर हो, क्लर्क हो या चपरासी। लेकिन एक मुख्यमंत्री, एक मंत्री या यहां तक कि एक प्रधानमंत्री जेल से भी सरकार में बने रहने का आनंद ले सकते हैं।"

सीएम हैल्पलाइन का कोई भी आवेदन नॉन अटेंड नहीं रहना चाहिए – संभागीय आयुक्त श्री खत्री

सीएम हैल्पलाइन के तहत दर्ज शिकायतों के निराकरण को अधिकारी सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कोई भी शिकायत नॉन अटेंडेंट नहीं रहना चाहिए। शिकायतों का निराकरण संतुष्टिपूर्वक हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने मंगलवार को संभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में सीएम हैल्पलाइन के साथ-साथ विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सभी विभागों के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री ने संभागीय अधिकारियों से कहा है कि सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें। एल-1 स्तर पर कोई भी शिकायत नॉन अटेंड नहीं होना चाहिए। विभागीय अधिकारी संभाग के अन्य जिलों की भी नियमित समीक्षा कर प्रकरणों का निराकरण संतुष्टिपूर्वक कराएं। 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों का निराकरण विशेष प्रयास कर किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने बैठक में कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की भी विस्तार से समीक्षा की। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने निर्देश दिए हैं कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण राजस्व अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिये प्रति सप्ताह गूगल मीट के माध्यम से समीक्षा भी की जायेगी। मुख्यमंत्री समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 जुलाई को शाम 4 बजे समीक्षा करेंगे। सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभाग की विस्तृत जानकारी के साथ कार्यक्रम में शामिल हों। अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि जो विषय समाधान ऑनलाइन के तहत शामिल किए गए हैं, उनकी विस्तृत जानकारी उनके पास हो।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 111 लोगों की हुई सुनवाई

मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में 111 लोगों की समस्यायें सुनी गईं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक – एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की।

जन-सुनवाई में प्राप्त हुए 111 आवेदनों में से 45 दर्ज किए गए। शेष 66 आवेदन संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को सीधे ही निराकरण के लिये दिए गए। सभी अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जन-सुनवाई में स्कूलों में प्रवेश, राजस्व, नगर निगम, जल भराव, बिजली इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए। जन-सुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया गया।

संयुक्त कलेक्टर श्री डी एन सिंह, श्री सुरेश कुमार बरहादिया व श्री विनोद सिंह ने भी जन सामान्य से आवेदन प्राप्त कर उनके निराकरण की कार्यवाही की।

जिले में संचालित नशा मुक्ति केन्द्रों के निरीक्षण के लिये जाँच दल गठित

संबंधित एसडीएम के नेतृत्व में गठित किए गए हैं दल

ग्वालियर जिले में संचालित नशा मुक्ति केन्द्रों की बारीकी से जाँच करने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जाँच दल गठित किए गए हैं। संबंधित एसडीएम के नेतृत्व में गठित किए गए इन जाँच दलों को राज्य मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार नशा मुक्ति केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी एसडीएम से सात दिवस के भीतर जाँच प्रतिवेदन मांगे हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निरीक्षण के दौरान मेंटल हैल्थ केयर एक्ट के तहत नशा मुक्ति केन्द्रों का पंजीयन एवं राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के मापदण्डों का पालन, मनोचिकित्सकों की व्यवस्था इत्यादि खासतौर पर देखने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए हैं। एसडीएम के नेतृत्व में गठित किए गए जाँच दलों में संबंधित एसडीओपी, बीएमओ, नगरीय निकायों के सीएमओ व जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को शामिल किया गया है।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बैठक लेकर राजस्व अधिकारियों को दिए निर्देश

सख्ती से करें रेरा की वसूली

ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले में लंबित रेरा की वसूली के आरआरसी प्रकरणों को गंभीरता से लिया है। उन्होंने इस सिलसिले में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर सख्ती से वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित राजस्व देने में आनाकानी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि रेरा की वसूली शासन की प्राथमिकता है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक तहसीलवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समयबद्ध लक्ष्य तय करने और उसकी रिपोर्ट प्रतिदिन उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार मौजूद रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बकाया वसूली के लिए संपत्ति कुर्की, राजस्व वसूली प्रमाण पत्र (आरआरसी) के अंतर्गत अन्य कानूनी कार्यवाही तत्काल प्रारंभ

की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा में वसूली नहीं हुई तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।बैठक के दौरान अधिकारियों को प्रकरणवार जानकारी दी गई तथा रेरा वसूली की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर कार्रवाई करें ताकि जिले में लंबित वसूली के मामलों का शीघ्र निराकरण हो सके।

ग्रीन अर्थात पर्यावरण हितैषी पण्डाल लगाने वाली समितियाँ होंगीं सम्मानित

ग्वालियर भगवान श्रीगणेश उत्सव एवं दुर्गा महोत्सव के दौरान ग्रीन (पर्यावरण हितैषी) पण्डाल लगाने वाली समितियों को सम्मानित व पुरस्कृत किया जायेगा। ग्वालियर शहर के ऐसे 10 पण्डालों जिनमें मिट्टी की प्रतिमाएं स्थापित होंगीं और पण्डाल को पूर्णतः पॉलीथिन व प्लास्टिक फ्री रखने के साथ-साथ पर्यावरण फ्रेंडली सभी मानकों का पालन होगा, उन्हें जिला प्रशासन द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। यह बात कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में कही। उन्होंने आह्वान किया कि पर्यावरण फ्रेंडली पण्डाल स्थापित कर ग्वालियरवासी प्रदेश व देश के लिये उदाहरण प्रस्तुत करें। साथ ही शहरवासियों से आग्रह किया है कि वे ज्यादा बड़ी प्रतिमायें स्थापित न करें, जिससे प्रतिमाएँ विसर्जन के लिये सुरक्षित ढंग से जलाशय तक पहुँच सकें और उनका सम्मानपूर्वक विसर्जन किया जा सके। गणेश उत्सव, मिलाद-उन-नबी, माता बेलांगनी जन्मोत्सव, नवदुर्गा महोत्सव, झूलेलाल उत्सव एवं दशहरा सहित अन्य त्यौहार जिले में शांति और सदभाव के साथ मनाने की अपील जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक के माध्यम से जिलेवासियों से की गई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह की मौजूदगी में गुरुवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई शांति समिति की बैठक में समिति ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि सभी त्यौहारों के दौरान सिंगल यूज पॉलीथिन का उपयोग न करें तथा साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए चिन्हित किए गए स्थलों की जानकारी भी शांति समिति की बैठक में दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने शांति समिति की बैठक में आश्वस्त किया कि सभी त्यौहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। सभी धर्मावलम्बी शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोगी बनें और उत्साह, उमंग एवं आपसी भाईचारे के साथ सभी त्यौहार मनाएँ। उन्होंने इस अवसर पर यह भी स्पष्ट किया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार डीजे का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसलिये ध्वनि की फ्रिक्वेंसी के लिये निर्धारित मानकों का पालन करते हुए साउण्ड बॉक्स व ध्वनि विस्तारक यंत्रों का त्यौहारों के दौरान उपयोग करें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि त्यौहारों को लेकर थाना स्तर पर भी शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि बड़े-बड़े पण्डालों में सीसीटीव्ही कैमरे भी लगवाएं। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने कहा कि त्यौहारों को ध्यान में रखकर नगर निगम द्वारा सभ प्रमुख मार्गों सहित शहर की अन्य सड़कों की अभियान बतौर मरम्मत कराई जायेगी। यह काम शुरू कर दिया गया है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुमन गुर्जर तथा शांति समिति के सदस्यगणों समेत जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्राकृतिक सामग्री एवं परंपरागत मिट्टी से ही बनानी होंगीं प्रतिमाएं

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने जारी किया आदेश

ग्वालियर त्यौहारों के दौरान मूर्तियों एवं प्रतिमाओं के संबंध में राष्ट्रीय हरित अधिकरण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित गाइडलाइन का दृढ़तापूर्वक पालन कराने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा अहम आदेश पारित किया गया है। उन्होंने आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रतिमाओं के निर्माण में केवल उन्हीं प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया जाए, जो पवित्र ग्रन्थों में उल्लेखित हैं। उन्होंने आदेश में स्पष्ट किया है कि जिले में केवल परंपरागत मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं का ही उत्पादन व विक्रय किया जाए। परंपरागत मिट्टी को छोड़कर अन्य पदार्थ जैसे पकी हुई मिट्टी, पीओपी (प्लास्टर ऑफ पेरिस) व अन्य रासायनिक पदार्थों से बनाई जाने वाली प्रतिमाओं का निर्माण एवं विकय नहीं किया जाए। साथ ही ऐसी मूर्तियों को किसी अन्य जिले से लाना-लेजाना (परिवहन) तथा विकय नहीं किया जाए। जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने आदेश में उल्लेख किया है कि धार्मिक आयोजन स्थलों पर मूर्तियों की स्थापना एवं विसर्जन के लिये लाने-ले-जाने के दौरान बड़े आकार की मूर्तियों के क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी रहती है, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने तथा कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होती है। इसलिए मूर्तियों का आकार छोटा रखा जाए । मूर्तियों व प्रतिमाओं पर कलर एवं सजावट के लिये केवल प्राकृतिक रंगों व गैर विषाक्त रंगों का इस्तेमाल किया जाए। किसी प्रकार के हानिकारक व विषाक्त रंगों का इस्तेमाल नहीं किया जाए। परंपरागत मिट्टी को छोड़कर अन्य पदार्थ जैसे पीओपी व अन्य रासयनिक पदार्थों से प्रतिमाओं के निर्माण का मामला प्रकाश में आता है, तो तत्काल स्थानीय निकाय द्वारा इन निर्मित प्रतिमाओं का निपटान नगरीय ठोस अपशिष्ठ नियम-2000 के प्रावधानों के अनुरूप किया जाए। पूजन सामग्री जैसे फल-फूल, नारियल, वस्त्र-आभूषण, सजावट के सामान जिनमें कागज, प्लास्टिक से निर्मित वस्तुएं शामिल हैं, तो इन्हें प्रतिमाओं विर्सजन के पूर्व निकाल कर अलग-अलग एकत्रित किया जाए। साथ ही उक्त एकत्रित सामग्री का निपटान नगरीय अपशिष्ट नियम 2000 के प्रावधानों के परिपेक्ष्य में स्थानीय निकायों द्वारा किया जाए। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि संबंधित निकाय अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत सी.पी.सी.बी. की गाइड लाइन अनुसार मूर्तियों के विसर्जन हेतु पृथक से स्थान चयनित करें। साथ ही आयोजकों को सूचित करें, जिससे पेयजल आपूर्ति क्षेत्र या अन्य महत्वपूर्ण स्थलों में बने जलाशय आदि में मूर्तियों का विसर्जन न हो। प्रतिमाओं के विर्सजन के 24 घंटे के भीतर विसर्जित मूर्ति व प्रतिमाओं से उत्पन्न ठोस अवशेष जैसे बांस, रस्सी, मिट्टी, पी.ओ.पी प्रतिमा के हिस्से आदि को एकत्रित कर उनका निपटान ठोस अपशिष्ठ नियम 2000 के प्रावधानों के परिपेक्ष्य में स्थानीय निकायों द्वारा किया जाए। प्रतिबंधों के होते हुए भी विशेष परिस्थितियों में जिला प्रशासन द्वारा उपरोक्त के संबंध में छूट व शिथिलता संबंधी निर्णय प्रकरण विशेष में लिया जा सकेगा। जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी इस आदेश के उल्लंघन पर संबंधित के खिलाफ विधि अनुसार वैधानिक कार्यवाही की जा सकेगी।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने रिकॉर्ड रूम का किया औचक निरीक्षण

ग्वालियर रिकॉर्ड रूम में रैक लगवाकर सभी दस्तावेज सुव्यवस्थित ढंग से रखें। पुराने दस्तावेजों पर टेप इत्यादि लगाकर सुरक्षित करें। जो-जो दस्तावेज नहीं मिल रहे हैं, उन्हें सूचीबद्ध करें और संबंधित राजस्व कार्यालयों से संपर्क कर उन दस्तावेजों को हासिल करें। साथ ही ग्रामवार सभी दस्तावेज रैक में सुरक्षित ढंग से रखें, जिससे आवेदकों को जल्द से जल्द दस्तावेजों की प्रमाणित नकल उपलब्ध कराई जा सके। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कलेक्ट्रेट के द्वितीय तल पर तहसीलवार बने रिकॉर्ड रूम के औचक निरीक्षण के दौरान दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने व्यवस्थित ढंग से रिकॉर्ड रखा न मिलने पर नाराजगी जताई। साथ ही रिकॉर्ड रूम के सीसीटीव्ही कैमरे देखे और इनका एक्सेस उनके मोबाइल फोन में देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीसीटीव्ही कैमरे 24 घंटे सक्रिय रहना चाहिए। मौके पर मौजूद रिकॉर्ड रूम प्रभारी एवं तहसीलदार को उन्होंने निर्देश दिए कि पटवारियों की ड्यूटी लगाकर खसरा-खतौनी, नामांतरण पंजी व अन्य राजस्व दस्तावेज वर्षवार व ग्रामवार रैकों में रखवाएं। यह काम जल्द से जल्द हो जाना चाहिए। साथ ही स्पष्ट किया कि आवेदकों को दस्तावेजों की नकल के लिये अनावश्यक चक्कर लगाने पड़े तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती चौहान ने आवेदन के आधार पर दस्तावेजों को ढूँढने की प्रक्रिया को रिकॉर्ड रूम में पदस्थ कर्मचारियों से व्यवहारिक रूप से समझा। इस अवसर पर रिकॉर्ड रूम प्रभारी संयुक्त कलेक्टर श्रीमती जूही गर्ग व एसडीएम लश्कर श्री नरेन्द्र बाबू यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। रिकॉर्ड रूम में कोई भी कैमरा वाले मोबाइल फोन लेकर न जाए

कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे नए-नए अनुसंधानों से किसानों को अवगत कराएं

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे नए-नए अनुसंधानों की जानकारी किसान भाईयों को मिले, इसके लिये फसलों से संबंधित वैज्ञानिक एडवायजरी समय-समय पर जारी की जाए। समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों को कृषि की आधुनिक तकनीक की जानकारी मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने गुरुवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में ग्वालियर-चंबल संभाग के कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। ग्वालियर-चंबल संभाग में रबी वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं खरीफ 2025 की तैयारियों के लिये कृषि उत्पादन आयुक्त की बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन के संबंध में आयोजित बैठक में ग्वालियर-चंबल संभाग के संयुक्त संचालक कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, मंडी, संभागीय कृषि यंत्री, जोनल मैनेजर मार्फेट, संभागीय बीज प्रमाणीकरण अधिकारी एवं दुग्ध संघ के साथ ही विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने संबंधित अधिकारियों से ग्वालियर-चंबल संभाग में पराली प्रबंधन के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि पराली के संबंध में नई तकनीक और प्रबंधनों के संबंध में किसानों को जानकारी दी जाए। इसके साथ ही हैप्पी सीडर व सुपर सीडर का किसानों के बीच प्रदर्शन किया जाए। ग्वालियर-चंबल संभाग में जे फॉर्म एप पर अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। ग्वालियर-चंबल संभाग में सरसों उत्पादक जिलों में ऑयल मील लगाने हेतु लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने यह भी निर्देशित किया है कि उर्वरक वितरण केन्द्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिये डबल लॉक केन्द्रों के आधुनिकीकरण का कार्य भी सभी जिलों में किया जाए। उर्वरक की कालाबाजारी, उर्वरक न मिलने संबंधी एवं गुणवत्ता के संबंध में प्राप्त शिकायतों का प्रभावी निराकरण हो यह भी सुनिश्चित किया जाए।

अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत राहत प्रकरणों का निराकरण समय पर हो

ग्वालियर अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। प्रकरणों के निराकरण में जो भी दस्तावेज कम हैं उनकी पूर्ति भी तत्परता से की जाए। प्रदेश के अन्य जिलों से संबंधित राहत प्रकरणों के निराकरण के संबंध में संबंधित जिला कलेक्टरों को पत्र लिखकर प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करने का आग्रह भी किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने गुरुवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में ग्वालियर एवं चंबल संभाग में अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में पुलिस विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा है कि ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रकरणों की नियमित समीक्षा कलेक्टर के माध्यम से कराई जाए। इसके साथ ही जिलों में

लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाई जाए ताकि पीड़ित परिवारों को शासन के नियमानुसार राहत राशि का वितरण किया जा सके। जाति प्रमाण-पत्र के साथ-साथ प्रकरण में अन्य जो भी दस्तावेज की आवश्यकता है उनकी पूर्ति भी समय रहते की जाए ताकि प्रकरणों के निराकरण में विलंब न हो। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि आवंटन के अभाव में प्रकरण अगर लंबित है तो शासन स्तर पर आवंटन हेतु भी विभाग प्रमुख को पत्र लिखवाया जाए। ग्वालियर-चंबल संभाग के अतिरिक्त अन्य जिलों से संबंधित राहत के जो भी प्रकरण हैं उनके निराकरण के लिये संबंधित जिला कलेक्टरों को भी पत्र लिखवाकर आग्रह किया जाए कि प्रकरणों का निराकरण तत्परता से हो। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने सीएम हैल्पलाइन के तहत प्रकरणों के निराकरण की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन प्रकरणों का निराकरण 50 दिन से अधिक समय से लंबित है, उनके निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। छात्रवृत्ति के प्रकरणों का निराकरण भी समय रहते हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही कर्मचारियों के स्वत्व एवं अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण भी दोनों संभागों में समय रहते हो, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विभागीय निर्माण कार्यों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ABVT-CDS का दौरा किया तथा आधुनिक जिम्नेज़ियम का उद्घाटन किया

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने आज अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केंद्र (ABVT-CDS) का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने अत्याधुनिक फिटनेस उपकरणों से सुसज्जित नए जिम्नेज़ियम (व्यायामशाला) का उद्घाटन किया, जो दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण की सुविधाओं को और बेहतर बनाएगा। इस दौरान मंत्री महोदय के साथ प्रो पंजा लीग से जुड़े अभिनेता श्री प्रवीण डबास, अभिनेत्री सुश्री प्रीति झिंजियानी तथा भाजपा जिला उपाध्यक्ष ग्वालियर श्री दीपक शर्मा, श्री मानवेन्द्र सिंह एरिया डायरेक्टर MP , SOB उपस्थित थे। साथ ही देश के कई राज्यों से आए दिव्यांग खिलाड़ी, सीडीएस एवं सीपीडब्ल्यूडी के स्टाफ उपस्थित रहे। इस दौरे के दौरान आगामी प्रो-पंजा लीग सीजन-२ की तैयारियों की समीक्षा भी की गई, जो 5 अगस्त से 21 अगस्त 2025 तक ABVT-CDS में आयोजित की जाएगी। डॉ. वीरेंद्र कुमार ने प्रो पंजा लीग के खिलाड़ियों से संवाद किया और स्पेशल ओलंपिक भारत (SOB) के बौद्धिक रूप से दिव्यांग (ID) खिलाड़ियों से भी मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने SOB द्वारा आयोजित रोलर स्केटिंग इवेंट को भी देखा और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने केंद्र में चल रही तैयारियों और समावेशी खेल वातावरण पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि देशभर में दिव्यांगजनों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ऐसे ही विशेष खेल सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि उन्हें समान अवसर और अनुकूल वातावरण मिल सके। केन्द्रीय मंत्री का दौरा भारत में दिव्यांग खेलों के क्षेत्र को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और समावेशी खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

बीएसएफ अकादमी टेकनपुर में तकनीकी अधिकारी बुनियादी कोर्स की शपथ परेड का आयोजन

सीमा सुरक्षा बल अकादमी, टेकनपुर में शनिवार को तकनीकी अधिकारी बुनियादी कोर्स क्रमांक-48 का भव्य शपथ परेड समारोह अकादमी टेकनपुर के वीरांगना लक्ष्मी बाई परेड स्थल पर आयोजित किया गया। तकनीकी अधिकारियों (चिकित्सा अधिकारियों) ने शानदार परेड का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री ब्रजेश कुमार ने शहीद स्मारक अजेय प्रहरी पर शहीदों को पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की, तदोपरान्त परेड स्थल पहुंचे। प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रीय ध्वज और बीएसएफ ध्वज के तले देश के संविधान के प्रति एकता, अखंडता व संप्रभुता को बनाये रखने के लिये अपने आपको समर्पित करने की शपथ ली ताकि हर प्रकार की परिस्थितियों में सीमा प्रहरियों को भारत की प्रथम रक्षापंक्ति में शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ व सुदृढ़ बनाए रख सके। खुली स्पर्धा के माध्यम से चुने गए ये सभी चिकित्सा अधिकारी देश के अलग-अलग राज्यों से संबंध रखते है। इनके प्रशिक्षण के दौरान सीमा सुरक्षा बल अकादमी की प्रशिक्षण टीम ने इन्हें शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, युद्ध कौशल, निशानेबाजी, बिना हथियार लड़ने की कला, आपदा प्रबंधन, मैप रीडिंग आदि का भी ज्ञान दिया है। साथ ही संवेदनशीलता के साथ सेवा भाव हेतु भी प्रेरित किया गया। इसी तरह बल के चिकित्सीय प्रबन्धन, व्यक्तित्व निखार, बौद्धिक चरित्र निर्माण तथा नेतृत्व क्षमता पर भी विशेष ध्यान दिया है। मुख्य अतिथि श्री ब्रजेश कुमार ने प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिन प्रशिक्षु अधिकारियों को ट्राफियां प्रदान कीं, उनमें डॉ. चंद्रेश कँवर ऑल राउण्ड सर्वोत्तम, डॉ. लेखनी आंतरिक प्रशिक्षण में सर्वोत्तम एवं डॉ. चंद्रेश कँवर बाहरी प्रशिक्षण में प्रथम शामिल हैं। उन्होंने युवा प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आपकी जोश भरी परेड अकादमी में प्राप्त आपके उच्च दर्जे के प्रशिक्षण एवं आत्मविश्वास को दर्शाती है। मुख्य अतिथि ने अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र की प्रशिक्षण टीम को इन्हे एक सामान्य व्यक्ति से योग्य डॉक्टर तथा संपूर्ण योद्धा के रुप में निखारने हेतू बधाई दी। साथ ही टेकनपुर स्थित कम्पोजिट हॉस्पिटल के अनुभवी चिकित्सकों को उनके समय-समय पर सहयोग हेतु धन्यवाद एवं बधाई देते हुए सभी प्रशिक्षु अधिकारियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उनके माता-पिता को अपने बच्चों को देश सेवा हेतु भेजने के लिए धन्यवाद दिया। परेड के उपरान्त श्री ब्रजेश कुमार पिपिंग सेरेमनी में प्रशिक्षु अधिकारियों और उनके अभिभावकों से मिले। इस अवसर पर अकादमी टेकनपुर में पदस्थ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, अन्य कार्मिक व प्रशिक्षु अधिकारियों के परिवारजन उपस्थित थे। परेड के समाप्त होने के पश्चात् उपस्थित अभिभावकों तथा दर्शकों के मनोरंजन के लिये सीमा सुरक्षा बल बैंड द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गयी और श्वान प्रर्दशन किया गया, जिसका सभी दर्शकों ने बहुत आनन्द और लुत्फ उठाया।

हाथों के बल चलने वाले दिव्यांग ने मोबाइल से मनरेगा के कार्यों में दक्षता हासिल कर ग्राम विकास में निभाई भूमिका

जन्म से दिव्यांग रामचंद्र के सामने चुनोतियाँ भी बोनी साबित हुई

इन्दौर हाथों के बल चलने वाले शख्स के जीवन में कितनी चुनौतियाँ होगी ? इसका अनुमान लगाना भी हमारे लिए मुश्किल है, लेकिन जन्म से दिव्यांग रामचंद्र पाटीदार के लिए ये कोई बड़ी बात नही है। वो एक सामान्य व्यक्ति की भांति न सिर्फ अपने काम कर रहा है, बल्कि ग्राम विकास में अपनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ये शख्स इंदौर संभाग में खरगोन के घोटया ग्राम पंचायत के मेट रामचंद्र पाटीदार है। उन्होंने महज 8 वीं तक पढ़ाई की है लेकिन जब मनोरंजन का साधन मोबाइल हाथों में आया तो इसको उन्होंने अपने लिए रोजगार का माध्यम माना और इसी के सहारे अपने साथ ही परिवार के लिए आर्थिक रूप से उपयोगी बनाया। अब वे ग्राम पंचायत घोटया में मेट का कार्य पंचायत से जुड़ कर कार्य करते हुए किसी भी तरह की तकनीकी समस्या होने पर आसपास की पंचायतों के लिए भी मार्गदर्शक बन गया है। मनरेगा के कार्यो से उसे 9 से 10 हजार रुपये का मानदेय मिल जाता है।

पंचायत में रोजगार सहायक की कमी को पूरा किया

45 वर्षीय रामचंद्र बताते है कि जब वे 20 साल के थे। तब उन्होंने मोबाइल शॉप पर काम करने की ठानी। यही से कई तरह से मोबाइल के उपयोग आदि के बारे में जाना। इस समय उन्हें तीन हजार रुपये मिल पाते थे। इसके बाद वे मेट के रूप में घोटया पंचायत से जुड़े और तकनीकी ज्ञान के सहारे वे रोजगार सहायक की भूमिका के समान कार्य करने लगे। मेट के रूप में मानदेय अनुसार उन्हें 9 से 10 हजार रुपये मिल पाते है। रामचंद्र गांव के कई परेशान नागरिको की इकेवायसी करने में अपनी बड़ी भूमिका निभाते है। अब जब वे पंचायत से जुड़ गए है तो अनेकों काम ऐसे होते है, जो उनके बगैर सम्भव नही है।

पीएम आवास व श्रमिको की जियोटेगिंग सहित पचासों कार्यों में दक्ष

पंचायत सचिव श्री हुकुमचंद पाटीदार ने बताया कि रामचंद्र जब से पंचायत में काम करने लगें है। तब से पंचायत के कार्यो में प्रगति होने लगी है। वे न सिर्फ लगन के साथ करते है बल्कि पूरी दक्षता के साथ समय पर कार्य कर देते है। उन्होंने गांव में 200 से अधिक पीएम आवासों की टैगिंग के साथ ही श्रमिकों की टैगिंग और मस्टर रोल जनरेट करना, डिमांड करना, जॉब कार्ड बनाना,पेंशन से जुड़े सभी कार्य सहित विवाह पंजीयन आदि कई कार्य करते है। इसके अलावा निर्माण कार्यो में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

इंदौर बनेगा सतत विकास का ग्लोबल मॉडल

इंदौर। नगर निगम इंदौर और यूनिटी ऑफ़ नेशंस एक्सन फॉर क्लाइमेंट चेंज कांउसिल (युएनएसीसीसी) के बीच सस्टेनेबल हाउसिंग प्रोग्राम हेतु महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं सह अध्यक्ष युएनएसीसीसी , इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ सस्टेनेबल डेवलपमेंट के डायरेक्टर जनरल डॉ. श्रीकांत के. पाणिग्राही के मध्य ऐतिहासिक एमओयु साईन किया गया। इस पहल से बीपीएल एवं निम्न आय वर्ग परिवारों को नेट जीरो हाउसिंग उपलब्ध कराने, जिससे की ऊर्जा और ईंधन खर्च में 30 प्रतिशत तक की बचत संभव होगी। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश प्रभु ऑनलाईन जुडे एवं म.प्र. राज्य सफाई कर्मचारी आयोग अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया, युएनएसीसीसी के फाउंडर चेयरमेन डॉ. रजत शर्मा, केआरसी हेड डॉ. लता सुरेश, रिटायर्ड डीजीपी श्री अनिल प्रथम, पूर्व आयएएस श्री अजय मिश्रा, आयुक्त श्री शिवम वर्मा, महापौर परिषद सदस्य श्री राजेश उदावत, श्री निरंजनसिंह चौहान, श्री प्रताप नायर, श्री ऋषभ बागोरा व अन्य उपस्थित थे। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में भविष्य के इंदौर के लिये, क्लाइमेंट एक्शन प्लान के लिये, नेट जीरो के लिये और सस्टेनेबल इंदौर बनाने के लिये आज युएनएसीसीसी के मध्य एमओयु के संबंध में कान्फ्रेंस ऑन सस्टेनेंबल इंदौर - ए मॉडल फॉर सिटीस अराउण्ड दी वर्ल्ड आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि इंदौर के

भविष्य के लिये रोडमेप को तैयार कैसे किया जाये, किस प्रकार से काम किया जाये, इस पर समुंद्र मंथन की तरह ही मंथन करने के सस्टेनेबल रोडमेप पर आज चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि इंदौर के स्वच्छता मॉडल पर देश के अन्य शहर कार्य कर रहे है, इंदौर अब स्वच्छता के अगले लेबल पर कार्य कर रहा है। वर्तमान में इंदौर डिजिटल इंदौर, क्लीन इंदौर, ग्रीन इंदौर के साथ ही सोलर सीटी के लिये काम कर रहा है, इंदौर को वर्ष 2045 के लिये नेट जीरो बनाने के लिये जनभागीदारी से साथ काम किया जायेगा। यूनिटी ऑफ़ नेशंस एक्सन फॉर क्लाइमेंट चेंज कांउसिल (युएनएसीसीसी) इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ सस्टेनेबल डेवलपमेंट के डायरेक्टर जनरल डॉ. श्रीकांत के. पाणिग्राही ने कहा कि इंदौर ने शुरू से ही शत प्रतिशत स्वच्छता प्राप्त के लिए उपयुक्त संकेतकों को लक्षित करने हेतु एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाया है, स्वच्छता और अपशिष्ट संग्रहण प्रणाली में बदलाव के साथ साथ नागरिको में स्वच्छता के प्रति बेहतर आदतें विकसित करने हेतु इन प्रथाओं को लोकप्रिय बनाने के कई उपाय किए है। इंदौर शहर और इसके लोगों ने स्वच्छता को अपनी संस्कृति और अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है, इंदौर अब स्वच्छता के मामले में दुनिया के लिए एक आदर्श बन गया है, इंदौर ने राष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्य के गौरव को बढाया है, यह इंदौर की जनता ही है जिसने सामूहिक रूप से यह कार्य किया है।

युएनएसीसीसी के महानिदेशक डॉ. पाणग्राही ने कहा कि हमारी संस्था युनाईटेड नेशन एक्सन फॉर क्लाइमेंट चेंज कांउसिल (युएनएसीसीसी) संयुक्त राष्ट्र यूएन के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है, यूएनएसीसी के लिये यह वैश्विक सहयोग, विकास और निवेश का एक आदर्श मॉडल है, यूएनएसीसी का लक्ष्य कार्यक्रम को यूरोप, अफ्रीका और खाडी देशों तक पहुंचाना है, जिससे सतत और सशक्त समुदायों का एक वैश्विक नेटवर्क तैयार हो सके। यूएनएनसीसी ने विश्व के विभिन्न देशो में कहा किया है, जिनमें मुख्य रूप से डेनमार्क का कोपेनहेगन, नीदरलेंडस का एम्स्टर्डम, स्वीडन का स्टॉकहोम, नॉवें का ओस्लो, कनाडा का वैंकूवर शामिल हैं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश प्रभु जी कान्फ्रेंस में वर्चुअल जुडकर कहा कि किसी भी प्रदेश का शहर उसके वातावरण , वायु सुधार, परिवहन, स्वच्छता के अपने महत्व से जाना जाता है, युएनएसीसीसी निगम के साथ मिलकर देश की बेहतर सीटी का निर्माण करेगी, इंदौर ने सस्टेनेबल सिटी के लिये अच्छा काम किया है, इंदौर देश में स्वच्छता में नंबर वन शहर है, मैं इंदौर के जेलरोड, 56 दुकान को मिस करता हूँ, इंदौर में रेगपिकर्स के लिये किये गये कार्यों की भी सराहना की। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने कहा कि इंदौर ने नवाचार में अच्छे काम किये हैं, इंदौर का हमेशा से प्रयास रहता है कि इंदौर अपने शहर के साथ ही अन्य शहरों के लिये भी स्वच्छता के लिये काम करें, इंदौर वेस्ट मेनेजमेंट की स्टेजी पर लगातार नये नवाचारों पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इंदौर के शहरवासी इंदौर को साफ करते है, नागरिकों की सहभागिता व सहयोग से इंदौर इस स्थान पर पहुंचा है, इंदौर में अवरनेस क्षमता सभी में है, इंदौर ने तेजी के साथ एयर क्वालिटी सुधार के लिये काम किया है,

इंदौर में स्कूल वैन से टकराई पिता की बाइक, पीछे बैठे 14 साल के बेटे की मौत

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 14 साल के यश पांचाल की मौत हो गई। बाइक यश के पिता शंकर चला रहे थे। तेज रफ्तार में बाइक स्कूल वैन से टकरा गई और यश उछल कर टकरा गया। कनाड़िया पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

आखिर कैसे हुआ हादसा?

टीआइ सहर्ष यादव के मुताबिक घटना आंबामूलिया के समीप हुआ है। 14 वर्षीय यश पांचाल बीच में बैठा था। पीछे उसका एक दोस्त वंश बैठा हुआ था। बाइक शंकर पांचाल लगा चला रहे थे। अचानक स्कूल वैन सामने आ गई। शंकर लाल बाइक पर नियंत्रण नहीं कर पाए और वैन से टकरा गए। पीछे बैठा यश हवा में उछल कर वैन से टकरा गया। उसके सिर में गहरी चोट लगी थी। राहगीरों की मदद से वैन चालक खुद घायलों को अस्पताल ले गया लेकिन यश की मौत हो गई। टीआइ के मुताबिक तीनों जिम से लौट रहे थे।

बाइक सवारों को पिकअप ने टक्कर मारी, एक युवक की मौत

कनाड़िया थाना क्षेत्र में पिकअप वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक हादसा घटना ब्लू लीफ होटल के समीप की है। नानू कट साथी नहारसिंह, जगदीश के साथ जा रहा था। पीछे से तेज रफ्तार में आई पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में जगदीश की मौत हो गई।

अहिल्याश्रम क्रमांक-2 की सैकड़ों छात्राओं ने मिट्टी के मंगलमूर्ति का किया निर्माण

इंदौर। जल, पर्यावरण एवं प्रकृति के संरक्षण के लिये मिट्टी के गणेश निर्माण की कार्यशाला का आयोजन शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 में किया गया।प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने बताया कि इस कार्यशाला में सैकड़ों की संख्या में छात्राओं ने उत्साह से भाग लेकर मंगलमूर्ति का निर्माण किया । छात्राएं स्वनिर्मित मूर्तियों की स्थापना अपने-अपने घरों में पूजा स्थल पर कर आगामी दस दिवसीय उत्सव के दौरान सर्वकल्याण की प्रार्थना सुबह-शाम करेंगी। सुनीता उपाध्याय ने छात्राओं को संकल्प दिलवाया कि वे सभी पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिये अनंत चतुर्दशी पर इन बनाई गई मूर्तियों का विसर्जन भी अपने घर पर शुद्ध जलपात्रों में कर उस जल को कुंडों में या बाग-बगीचों की क्यारियों में पूर्ण श्रद्धा के साथ करें। कार्यक्रम संयोजिका सुषमा राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि मंगलमूर्ति के शरीर के सभी अंग हमें जिंदगी जीने की सीख देते है। यथा भगवान का बड़ा सिर बड़ी सोच ,बड़े कान सभी की बातों को सुनना और अच्छी बातों को ग्रहण करना जैसे संदेश देते है।

एक हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बेशकीमती जमीन का लिया कब्जा

इंदौर में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में शासकीय भूमि को संरक्षित करने के लिए बड़ी कार्रवाई की गई है। होप टेक्सटाईल को लीज पर दी गई भूमि की लीज कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा गत 20 अगस्त 2025 को जारी एक आदेश के अनुसार निरस्त की गई। इस आदेश के परिपालन में आज ग्राम कस्बा इंदौर के सर्वे क्रमांक 282/2 रकबा 22.24 एकड़ का कब्जा आज लिया गया। उक्त भूमि शासकीय है, इसमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप या अतिक्रमण करना दण्डनीय अपराध है, संबंधी सूचना पटल भी लगाया गया है। तहसीलदार श्री कमलेश कुशवाह ने बताया कि उक्त भूमि का आज विधिवत रूप से कब्जा ले लिया गया है।

नशे में स्कूटर सवार दो बदमाशों सिविल इंजिनियर को चाकू घोंपकर मार डाला

इंदौर कीमती गार्डन के पास द्वारकापुरी निवासी अतुल जैन अपने मित्र धीरेंद्र पांचाल के साथ MR10 की ओर गए थे.लौटते वक्त कार धीरेंद्र चला रहे थे और अतुल उनके बगल वाली सीट पर बैठे हुए थे. जैसे ही कार शराब की दुकान के पास पहुंची. एक तेज रफ्तार स्कूटर चालक कार के सामने आ गया. दोनों की टक्कर तो नहीं हुई लेकिन दोनों बेहद नजदीक आकर रुक गए. इसके बाद फॉर्च्यूनर में सवार अतुल नीचे उतरे और स्कूटर सवार को ठीक से गाड़ी चलाने की हिदायत दी.अतुल का इतना कहना ही हुआ था कि नशे में चूर बदमाशों ने अतुल के पेट में चाकू घोंप दिया. यह पूरा घटनाक्रम केवल 30 सेकंड में घटा. इसके बाद अतुल तुरंत कार में बैठे और दोस्त से कहा कि मुझे चाकू मार दिया है.धीरेंद्र उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल लेकर गए.लेकिन डॉक्टर ने उन्हें देखकर चोइथराम अस्पताल रेफर कर दिया.बताया जा रहा है कि खून ज्यादा बह जाने के कारण अतुल की मौत हो गई. इस मामले की खबर पाकर एडीसीपी जोन-4 अभिनव विश्वकर्मा और एसीपी भी मौके पर पहुंचे.पुलिस का दावा है कि दोनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है. दोनों नगीन नगर में रहते हैं.बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी गांजा और नाइट्रेट का नशा करते हैं. एक आरोपी का नाम रोहित बताया जा रहा है.अतुल सिविल इंजीनियर और आर्किटेक्ट थे. बीते 2 मई को ही उनकी शादी हुई थी. उनकी पत्नी सुरभि जैन चोइथराम स्कूल में टीचर हैं. इंदौर में बीते 72 घंटे में हत्या की यह दूसरी वारदात है.

कुत्ता टहलाने की मामुली बात पर विवाद के बाद दो लोगों की गोली मारकर हत्या, चार लोग हुए घायल

इंदौर के कृष्णबाग कॉलोनी में वहां कुत्ते को टहलाने के विवाद में एक शख्स ने पड़ोसियों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं. आरोपी एक बैंक का सुरक्षाकर्मी है. इंदौर में गुरुवार रात कुत्ता टहलाने की बात पर दो पक्षों में विवाद हो गया.इस विवाद के बीच दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई. गोली चलने की घटना में एक महिला की आंखें भी खराब हो गई.बताया जा रहा है कि खूनी संघर्ष में महिला के साथ करीब पांच लोग घायल भी हुए हैं. इनमें चार महिलाएं और एक युवक शामिल है.अपराध नगरी बन चुके इंदौर में सिविल इंजीनियर की हत्या को 24 घंटे भी नही बीते थे कि हत्या की दूसरी वारदात हो गई. हत्या की यह ताजा वारदात कृष्णबाग क्षेत्र की है. वहां एक युवक द्वारा कुत्ते को टहलाने के विवाद में दो लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई. आरोपी युवक ने हवा में गोलियां भी चलाईं. इस गोलीबारी में चार महिलाएं और एक युवक गंभीर घायल हुए हैं. पूरे मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं उसकी लाइसेंसी बंदूक को भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है. अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन 2 अमरेंद्र सिंह ने मीडिया को बताया कि घटना गुरुवार रात करीब साढ़े दस बजे की है. यहां कृष्णबाग कॉलोनी के सेक्टर बी में एक सुरक्षा गार्ड राजपाल सिंह राजावत और उसका परिवार निवासरत है. राजावत इंदौर में ही बैंक ऑफ बड़ौदा में सुरक्षा गार्ड के तौर पर तैनात हैं. उसके पास लाइसेंसी बारह बोर की बंदूक भी है. राजावत के पास एक पालतू कुत्ता भी है. गुरुवार रात राजपाल अपने कुत्ते को टहलाने निकला था.राजावत के घर के समीप ही एक अन्य युवक विमल आमेचा भी रहता है. कुत्ता काट न ले इस डर से विमल ने राजावत के कुत्ते को पत्थर मारकर भगाना चाहा. पत्थर मारने पर राजावत नाराज हो गया. वह डराने के मकसद से अपने घर से लाइसेंसी बंदूक ले आया. राजावत ने पहले तो हवाई फायर किए लेकिन इस बीच उसने सीधे सीधे गोलियां दागनी शुरू कर दीं. इस हमले में विमल आमेचा सहित राहुल वर्मा, प्रमोद आमेचा, सीमा, ज्योति, ललित, कमला और मोहित घायल हो गए.इस विवाद में विमल और राहुल गंभीर घायल हुए थे. दोनों की इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. वहीं बाकी लोग बंदूक के छर्रे लगने से घायल हुए हैं.

मध्य प्रदेश के इन 5 जिलों में भारी बारिश के अलर्ट, ग्वालियर-जबलपुर में भी जमकर बरस सकते हैं बादल

इंदौर। कम दबाव का क्षेत्र कमजोर पड़कर वर्तमान में दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। मानसून द्रोणिका भी बैतूल, मंडला से होकर गुजर रही है। इस मौसम प्रणालियों के असर से अलग-अलग स्थानों पर वर्षा (MP Rain Alert) हो रही है। इसी क्रम में बुधवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक रतलाम में 74, दमोह में 64, नरसिंहपुर में 13, टीकमगढ़ में 12, सागर एवं बैतूल में 11, उज्जैन में 10, खरगोन में आठ, जबलपुर में सात, छिंदवाड़ा में छह, नर्मदापुरम में पांच गुना में चार, पचमढ़ी एवं सीधी में तीन, उमरिया में दो, भोपाल एवं मलाजखंड में एक मिलीमीटर वर्षा हुई।

एमपी पर हवा के ऊपरी भाग में बना हुआ है चक्रवात

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, गुरुवार को ग्वालियर, चंबल, सागर, जबलपुर, शहडोल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी वीएस यादव ने बताया कि वर्तमान में दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। मानसून द्रोणिका नलिया, वल्लभ विद्यानगर, बैतूल, मंडला, संबलपुर, चांदबाली से होकर बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। पूर्वोत्तर अरब सागर और उससे लगे गुजरात पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है।

"स्वच्छता, पर्यावरण और खेल – इंदौर का बोहरा समाज दे रहा है नई पहचान"

इंदौर। बोहरा समाज द्वारा प्रोजेक्ट राइज़ एवं बुरहानी फाउंडेशन इंटरनेशनल (BFI) के तत्वावधान में माणिक बाग रोड स्थित एम.एस.बी. स्कूल परिसर में निर्मित आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने अवलोकन किया। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्ध जनों ने हाल ही में इंदौर में आयोजित बोहरा समाज के सफल "जीरो वेस्ट" कार्यक्रम में नगर निगम द्वारा किए गए अभूतपूर्व योगदान के लिए आयुक्त श्री वर्मा का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के दौरान आयुक्त श्री वर्मा ने स्कूल परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस पौधारोपण कार्यक्रम में श्री सादिक खान, श्री मज़हर हुसैनी सेठजी वाला, श्री हुसैन भाई पेटीवाला, श्री अम्मार वकील, श्री शब्बीर भाई आमिल, डॉ. फ़ज़ल हुसैन तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिकगण उपस्थित रहे। इसी क्रम में आमिल साहब शब्बीर भाई साहब हुसामी, एम.एस.बी. कमेटी के सदस्य – शेख खुज़ैमा भाई पेटीवाल, अम्मार फहीम, सादिक खान, मज़हर सेठजीवाला, एम.एस.बी. स्कूल के प्रिंसिपल तथा पर्यावरण देखभाल समिति के सदस्य डॉ. फ़ज़ल हुसैन बरवानीवाला, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, उद्यान अधिकारी श्री नागेंद्र सिंह भदोरिया एवं अन्य अधिकारी एवं गणमान्यजन भी मौजूद रहे।आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि "इंदौर शहर की स्वच्छता संस्कृति में बोहरा समाज का योगदान अनुकरणीय है। जीरो वेस्ट जैसे आयोजन न केवल स्वच्छता की दिशा में प्रेरणा देते हैं, बल्कि पर्यावरण और जनभागीदारी की मिसाल भी प्रस्तुत करते हैं।बोहरा समाज द्वारा प्रोजेक्ट राइज़ एवं बुरहानी फाउंडेशन इंटरनेशनल (BFI) के तत्वावधान में माणिक बाग रोड स्थित एम.एस.बी. स्कूल परिसर में निर्मित आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने अवलोकन किया।इस अवसर पर समाज के प्रबुद्ध जनों ने हाल ही में इंदौर में आयोजित बोहरा समाज के सफल "जीरो वेस्ट" कार्यक्रम में नगर निगम द्वारा किए गए अभूतपूर्व योगदान के लिए आयुक्त श्री वर्मा का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के दौरान आयुक्त श्री वर्मा ने स्कूल परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस पौधारोपण कार्यक्रम में श्री सादिक खान, श्री मज़हर हुसैनी सेठजी वाला, श्री हुसैन भाई पेटीवाला, श्री अम्मार वकील, श्री शब्बीर भाई आमिल, डॉ. फ़ज़ल हुसैन तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिकगण उपस्थित रहे।इसी क्रम में आमिल साहब शब्बीर भाई साहब हुसामी, एम.एस.बी. कमेटी के सदस्य – शेख खुज़ैमा भाई पेटीवाल, अम्मार फहीम, सादिक खान, मज़हर सेठजीवाला, एम.एस.बी. स्कूल के प्रिंसिपल तथा पर्यावरण देखभाल समिति के सदस्य डॉ. फ़ज़ल हुसैन बरवानीवाला, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, उद्यान अधिकारी श्री नागेंद्र सिंह भदोरिया एवं अन्य अधिकारी एवं गणमान्यजन भी मौजूद रहे।आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि "इंदौर शहर की स्वच्छता संस्कृति में बोहरा समाज का योगदान अनुकरणीय है। जीरो वेस्ट जैसे आयोजन न केवल स्वच्छता की दिशा में प्रेरणा देते हैं, बल्कि पर्यावरण और जनभागीदारी की मिसाल भी प्रस्तुत करते हैं।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ MD ड्रग्स के दो तस्कर गिरफ्तार

आरोपीयो के कब्जे से 11.52 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एवं बलेनो कार जप्त

इंदौर। आरोपियों का, सस्ते दामों पर ड्रग्स शहर में लाकर, ड्रग्स का नशा करने वाले लोगों को अधिक दामों पर MD ड्रग्स बेचना का था इरादा । आरोपियों ने अब तक की पूछताछ में शहर में बायपास एवं ए.बी. रोड के चुनिंदा स्थानों पर अवैध मादक पदार्थ सप्लाई करने के बारे में बताया है जिसके संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है।

अपराध क्रमांक- 153/2025 धारा- 8/22

घटना स्थल-भंडारी ब्रिज के नीचे, MR 4 इन्दौर

आरोपियों का नाम :(1) पीयूष चौहान उम्र 20 वर्ष निवासी पटाया स्पा सेंटर इंडस्ट्री हाउस इंदौर (2)सत्यम जैन उम्र 26 वर्ष निवासी 628 नैरीमल पॉइंट इंदौर

जब्त माल का विवरण : 11.52 ग्राम "MD ड्रग्स"।

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध

प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है ।

क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते भण्डारी ब्रिज के नीचे MR4 रोड एक कार रात में संदेहास्पद हालत में खड़ी दिखी जिसे चेक करते 02 व्यक्ति कार में बैठे मिले, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1) पीयूष चौहान उम्र 20 वर्ष निवासी पटाया स्पा सेंटर इंडस्ट्री हाउस इंदौर (2)सत्यम जैन उम्र 26 वर्ष निवासी नैरीमल पॉइंट इंदौर बताया आरोपियों ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया जल्द रुपये कमाने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 11.52 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD" जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 153/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर के साथ हिस्ट्रीसीटर आरोपीया सीमा नाथ गिरफ्तार

इंदौर। आरोपीया के कब्जे से लगभग करीब 516 ग्राम (लगभग आधा किलो) अवैध मादक पदार्थ "ब्राउन शुगर" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 1 करोड़ रुपए) एवं 48 लाख 50 हजार नगद ,इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटा जप्त । *आरोपीया से मिले रुपये को गिनने के लिए पुलिस को लाना पड़ा नोट गिनने की मशीन kul noto ki sankhya-18100 jisme 100,200 aur 500 ke note hain kul rupae 48,50,000 /- आरोपीय घर से ही मादक पदार्थ के टोकन इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटा से तोलकर टोकन बनाकर बेचना स्वीकार किया है। आरोपी ने पूछताछ में सस्ते दामों पर ड्रग्स खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदि लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला।आरोपीय नशा करने एवं बेचने की है आदी आरोपी पूर्व में लगभग एक दर्जन अपराध में बंद हो चुकी है। **अपराध क्रमांक**- 138/2025 धारा- 8/21, 8/29 NDPS एक्ट **जप्ती स्थल**-*नाथ मोहल्ला,अहीरखेड़ी इंदौर **आरोपी का नाम** : (1). सीमा नाथ उम्र 32 वर्ष निवासी नाथ मोहल्ला,अहीरखेड़ी इंदौर **पूर्व में गिरफ्तार आरोपी** – रवि उर्फ काला रघुवंशी उम्र 52 वर्ष निवासी - पंडरीनाथ इंदौर जब्त माल का विवरण : -516 ग्राम (लगभग आधा किलो) "ब्राउन शुगर" एवं 48 लाख 50 हजार नगद ,इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटा जप्त ।

विवरण :- श्रीमान पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा इंदौर कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं।। उक्त निर्देशों के तारतम्य में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा क्राइम ब्रांच इंदौर को कर आवश्यक दिशा निर्देश अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया । इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच द्वारा दिनांक 29.07.2025 को आरोपी रवि कला निवासी पांड़ीनाथ को 11.78 ग्राम ब्राउन सुगर के साथ गिरफ़्तार किया गया था जिसने उक्त अवैध मादक पदार्थ सीमा नाथ निवासी द्वारकापुरी से लेना बताया था जो कल दिनांक 24.08.2025 को सूचना मिली कि ब्राउन सुगर के प्रकरण में फ़रार आरोपीया ड्रग तस्कर सीमा नाथ अपने नाथ मोहल्ला अहीरखेड़ी स्थित घर पर है जो थाना क्राइम द्वारा 3 अलग अलग टीम बनाकर महिला बाल के साथ आरोपीय सीमा नाथ के घर पर सूझबूझ के साथ दबिश दी जो आरोपीय सीमा नाथ घर पर मिली । जिससे महिला बल के समक्ष पूछताछ करते इंदौर शहर रवि काला के साथ मिलकर ब्राउन शुगर अवैध मादक पदार्थ बेचना स्वीकार किया । अवैध मादक पदार्थ के संबंध में आरोपीया से सख्ती से पूछताछ करते पिछले कई वर्षो से अवैध मादक पदार्थ की खरीदी बिक्री करना एवं अवैध मादक पदार्थ अपने घर में रखा होना बताने पर क्राइम ब्रांच पुलिस द्वारा घर की विधिवत तलाशी ली गई जो आरोपीया के घर से करीब 516 ग्राम (लगभग आधा किलो) अवैध मादक पदार्थ "ब्राउन शुगर" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 1 करोड़ रुपए) एवं 48 लाख 50 हजार नगद मिले जो उक्त रुपये अवैध मादक पदार्थों की खरीदी बिक्री से प्राप्त करना बताया जिसे विधिवत जप्त किया गया । क्राइम ब्रांच इंदौर द्वारा इस वर्ष अब तक 72 प्रकरणों में 130 आरोपियों को गिरफ्तार कर ब्राउन सुगर 1.150 ग्राम, एमडी ड्रग्स- 1.60 किलो ग्राम, गांजा - 66 किलो ग्राम,चरस- 1.049 किलो ग्राम, कोडिन सिरप- 5640 नग बोटल , अल्फ़ाज़ोलम टेबलेट 933315 टेबलेट, डोडाचूरा- 10 किलो ग्राम कुल कीमती करीबन 5 करोड़ का अवैध मादक पदार्थ जप्त किया गया। *सराहनीय कार्य करने वाली टीम - निरीक्षक जितेन्द्र चौहान, उपनिरीक्षक राजेश रघुवंशी, उपनिरीक्षक अमित कटियार सहायक उपनिरीक्षक मंगलेश्वर सिंह,सहायक उपनिरीक्षक अविनाश दिवाकर, प्रधान आरक्षक राकेश, प्रधान आरक्षक नीरज सिंह, प्रधान आरक्षक संतोष, प्रधान आरक्षक सुधीर प्रधान आरक्षक तनमय, प्रधान आरक्षक शैलेंद्र , आरक्षक संजय बारोड, आरक्षक मोहन भदौरिया , आरक्षक इंदर सिहं, आरक्षक अमृतलाल, आरक्षक अजय ,आरक्षक अमित,आरक्षक विपिन,महिला आरक्षक रेणुका ।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। आरोपी के कब्जे से लगभग करीब 13.89 gram अवैध मादक पदार्थ "ब्राउन शुगर" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 1 लाख रुपए) जप्त । आरोपी ने पूछताछ में सस्ते दामों पर ड्रग्स खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदि लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला। आरोपी पूर्व में एक दर्जन अपराधों में हो चुका है बंद आरोपी नशा करने का है आदि

अपराध क्रमांक- 148/2025 धारा- 8/21

घटना स्थल-*हनुमान मन्दिर के पास, राजकुमार सब्जी मंडी रोड, इंदौर

आरोपी का नाम : (1). सुमित उर्फ सरदार धनुक उम्र 25 वर्ष निवासी कुलकर्नी भट्टा ,परदेशीपुरा इंदौर

जब्त माल का विवरण : -13.89 ग्राम"ब्राउन शुगर"

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की हनुमान मन्दिर के पास, राजकुमार सब्जी मंडी रोड, इंदौर सुनसान रोड पर एक व्यक्ति संदिग्ध दिखा जिसे रोकने पर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1) सुमित उर्फ सरदार धनुक उम्र 25 वर्ष निवासी कुलकर्नी भट्टा ,परदेशीपुरा इंदौर होना बताया।

आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है नशे की लत पूरी करने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 13.89 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "ब्राउन शुगर" जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 148/25 धारा 8/21 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

सुमित उर्फ़ सरदार धानुक उम्र 25 निवासी कुलकर्णी भट्टा परदेशीपुरा इंदौर

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। आरोपी के कब्जे से करीब 2.8 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ "गाँजा" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 1 लाख रुपए), एवं एक मोटरसाइकिल जप्त ।

आरोपी ने पूछताछ में सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदि लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला। आरोपी ने सस्ते दामो पर खरीदकर महंगे दामो पर बेचकर जल्द रुपये कमाने कि फिराक में थे ।

अपराध क्रमांक- 151/2025 धारा- 8/20

घटना स्थल- शिवाजी नगर बूधवारिया हैट रोड इंदौर

आरोपी का नाम : (1). नाम - अजय

अजय

पवार उम्र 24 साल निवासी मकान नंबर 4 साकेत नगर इंदौर मूल निवासी धर्मपुरी धार 9 वी तक पढ़ाई की है ।काम- सिक्योरिटी गार्ड का काम करता है ।

जब्त माल का विवरण : - 2.8 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ "गाँजा" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 1 लाख रुपए), एक मोटरसाइकिल जप्त

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है ।

क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते शिवाजी नगर बूधवारिया हाट रोड इंदौर के पास 01 व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बरसते पानी मे खड़ा दिखा एवं अपनी मोटरसाइल चालू कर भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा , जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1).अजय पवार उम्र 24 साल निवासी मकान नंबर 4 साकेत नगर इंदौर मूल निवासी धर्मपुरी धार का होना बताया।

आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया जल्द रुपये कमाने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 2.8 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ "गाँजा" एवं 01 मोटरसाइकिल जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 151/25 धारा 8/20 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अहमदाबाद के सोने के व्यापारी (अंकित गोल्ड ज्वेलर्स) के साथ लगभग 4 किलो 800 ग्राम सोना जिनकी किमत 4 करोड़ 79 लाख 64 हजार 3 सौ रूपये/- की चोरी करने वाले अन्तराज्यीय गैंग के 2 फरार अरोपी राजस्थान से धराये

इंदौर। अपराध करने के बाद से राजस्थान एवं गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्र में छुपकर काट रहे थे अपनी फरारी। आरोपियों में से एक कुछ माह पूर्व अहमदाबाद के व्यापारी की दुकान पर काम करने के लिये लगा था। क्राईम ब्रांच की त्वरित कार्यवाही से व्यापारी का पुरा सोना (लगभग 4 किलो 800 ग्राम) अरोपियों से जप्त किया गया। आरोपियों द्वारा सोने को कार की सीट के अन्दर छुपाकर रखा गया था।

अपराध क्रमांकः- 135/25 धाराः- 316/2 बीएनएस घटना दिनांकः- 09/07/2025 घटना स्थलः- शिवानी होटल, गंगवाल बस स्टैड़ धार रोड़, इंदौर आरोपी का नामः-1. मसरू रबारी पिता थाना भाई रबारी उम्र 25 वर्ष नि. गांगुवाडा बनासकाण्ठा, गुजरात। 2. प्रेमपाल सिंह पिता नरपतसिंह देवडा उम्र 28 वर्ष नि. जालौर, राजस्थान। **घटना का विवरण** - आवेदक धर्मेन्द्र भाई जयंतीलाल

निवासी अहमदाबाद, गुजरात के द्वारा थाना अपराध शाखा में उपस्थित होकर बताया की वह सोने का व्यापारी है एवं सोने को बेचने के लिये भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से सोने के आभूषणों के सेम्पल लेकर जाता है। दिनांक 09.07.2025 को आवेदक का ड्राईवर मसरू राबरी पिता थाना भाई रबारी के भरोसे से सुरक्षित कार में रखे हुए सोने के आभूषण से भरे दो बैग जिनका वनज लगभग 4 किलो 800 ग्राम जिनकी किमत 4 करोड़ 79 लाख 64 हजार 3 सौ रूपये/- थी। कम्पनी के नोकर के द्वारा बैईमानी से होटल शिवानी के सामने खड़ी कार में से रखा सोना लेकर फरार हो गया। जिस पर थाना अपराध शाखा जिला इन्दौर में अपराध क्रमांक 135/25 धाराः- 316/2 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। अपराध पंजीबद्ध होने के पश्चात् पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, अति. पुलिस आयुक्त अपराध श्री मनोज श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त अपराध श्री राजेश कुमार त्रिपाठी, अति.पुलिस उपायुक्त अपराध श्री राजेश दण्डोतिया, सहा. पुलिस आयुक्त अपराध श्री देवेन्द्र धुर्वे के निर्देशन में एक एसआईटी घटित कर आरोपियों को पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में आरोपियो द्वारा घटना दिनांक के पश्चात् फरारी राजस्थान एवं गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों में काटी जा रही थी। तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश हेतु अपराध शाखा की टीम राजस्थान के जिला जालोर में अपराधियों तक पहुंची जहां पर आरोपी मसरू रबारी एवं प्रेमपाल सिंह किराये के मकान में रह रहे थे। आरोपियों के पास एक कार प्राप्त हुई जिसमें सोने के आभूषणों को कार की सीट के अन्दर छुपाकर रखा गया था। क्राईम ब्रांच इंदौर की त्वरित कार्यवाही से व्यापारी का पूरा सोना जप्त कर लिया गया है। दोनों आरोपियो को गिरफ्तार कर पुलिस रिमाड़ सहित प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त घटना में मुख्यरूप से निरीक्षक जितेन्द्र चैहान, निरीक्षक विजय कुमार सिसोदिया, उपनिरीक्षक राजेश रघुवंशी, सउनि देवेन्द्र पंवार, प्रआर. सुधिर भदौरिया, प्रआर. शेलेन्द्र पंवार, आर. अभय तोमर, आर. अमित जाट, आर. इंदरसिंह, तकनीकी सहायक आर. रितेश सोलंकी एवं आर. अंकित गुप्ताका योगदान रहा।

क्राइम ब्रांच इंदौर द्वारा ब्राउन शुगर के साथ पकड़ी गई सीमा नाथ के पेडलर को भी किया गिरफ्तार

इंदौर। मामले में आरोपीया के कब्जे से लगभग करीब 516 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "ब्राउन शुगर" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 1 करोड़ रुपए) एवं 48 लाख 50 हजार नगद हुए थे जप्त । आरोपी नशा करने एवं बेचने की है आदी। आरोपी पूर्व में लगभग आधा दर्जन अपराध में बंद हो चुका है। अपराध क्रमांक- 138/2025 धारा- 8/21, 8/29 NDPS एक्ट **आरोपी का नाम** :*आकाश पिता जवान सिंह गोखले उम्र 21 साल निवासी धार रोड नागदा पथ इंदौर **घटना का विवरण** :- श्रीमान पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा इंदौर कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं।। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री मनोज श्रीवास्तव के द्वारा पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) श्री

राजेश कुमार त्रिपाठी एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) श्री राजेश दंडोतिया को इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थ की खरीदी बिक्री करने वालो की पतारसी कर अंकुश लगाने एवं ऐसे फरार आरोपियों की

आपराधिक रिकार्ड थाना चंदननगर इन्दौर

नाम - आकाश उर्फ गांधी पिता जवान सिंह नि. नावदा पंथ इन्दौर थाना - चन्दन नगर, जिला - इंदौर

1	1206/2019	29/12/2019	भा दं सं 1860 : 294, 323, 34, 506	आकाश उर्फ गांधी	पिता	जवान सिंह
2	162/2020	02/03/2020	भा दं सं 1860 : 294, 323, 34, 506	आकाश	पिता	जवान सिंह
3	881/2020	01/12/2020	आयुध अधिनियम,1959 (संशोधन 2019) : 25, भा दं सं 1860 : 294, 307, 323, 324, 34, 506	आकाश गोखले गांधी	पिता	जवान सिंह गोखले
4	657/2021	05/09/2021	आयुध अधिनियम,1959 (संशोधन 2019) : 25, 27, भा दं सं 1860 : 399, 402	आकाश उर्फ गांधी	पिता	जवान सिंह गोखले
5	34/2023	11/01/2023	भा दं सं 1860 : 380, 454	आकाश	पिता	जवान सिंह
6	36/2023	12/01/2023	भा दं सं 1860 : 380, 454	आकाश	पिता	जवान सिंह
7	282/2024	19/03/2024	आयुध अधिनियम,1959 (संशोधन 2019) : 25 (2)	आकाश	पिता	जवान सिंह जाति भीलाला
8	575/2025	04/06/2025	स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 : 27, 8	आकाश गोखले	पिता	जवान सिंह गोखले

धरपकड़ करने हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देशों के तारतम्य में इन अपराधों में संलिप्त आरोपियों पर कार्यवाही हेतु सहायक पुलिस आयुक्त अपराध शाखा श्री देवेन्द्र सिंह धुर्वे की नेतृत्व में गठित टीम गठित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच की उक्त टीम द्वारा ब्राउन सुगर के प्रकरण में फ़रार आरोपीया ड्रग तस्कर सीमा नाथ को नाथ मोहल्ला अहीरखेड़ी स्थित घर से गिरफ्तार किया जिसके पास 516 ग्राम ब्राउन सुगर और 48,50,000 कैश जप्त किया। आरोपिया को माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड में लिया गया और सख्ती से पूछताछ करे पर अपने एक पेडलर आकाश पिता जवान सिंह गोखले उम्र 21 साल निवासी धार रोड नागदा पथ इंदौर के बारे में बताया जिसे क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा गिरफ्तार किया जाकर पूछताछ किया जा रहा है और नशे के सौदागरों के संबंध में लगातार कार्यवाही की जा रही है

भाई और बहन के बीच अटूट प्रेम और स्नेह का पर्व है रक्षाबंधन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ग्राम तालोद और उज्जैन में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को उज्जैन जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत तालोद में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे रक्षाबंधन पर्व पर बहनों से मिले प्रेम और स्नेह से अभिभूत हैं। यह पर्व भाई और बहन के बीच अटूट प्रेम और स्नेह का पर्व है। आज बहनों ने मुझे जो राखियाँ बांधी हैं वह सभी बहनों का प्रेम, विश्वास और सम्मान दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों के आशीर्वाद से प्रदेश में सरकार निरंतर विकास के कार्य कर रही है। गाँवों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए निरंतर सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। शासन ने द्वारा 'एक पेड-माँ के नाम" अभियान से प्रेरित होकर 'एक बगिया-माँ के नाम' योजना बनाई है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश को हरा भरा बनाने के साथ महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह से जुडी महिलाओं को उनकी निजी भूमि पर फलदार पौधों के बगीचे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। सरकार द्वारा बगिया में फलदार पौधे, खाद, गड्ढे खोदने का खर्च, फेंन्सिग, सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर के जल कुंड बनाने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध भी कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को पूरे देश में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रतिमाह प्रदाय की जाने वाली राशि में भी वृध्दि की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बहनों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन कर फल और मिठाई की टोकरी भेंट स्वरुप दी। मुख्यमंत्री ने बहनों से राखी बंधवाई और उन्हें परंपरा अनुसार सावन का झूला भी झुलाया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर, उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, सदस्य श्री शोभाराम मालवीय, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री राजेश धाकड, श्री संजय अग्रवाल,

श्री रवि वर्मा, श्री अमृत लाल कुमावत, श्री लाल सिंह भाटी, श्री दिनेश पटेल, श्री अनिल मालवीय, श्री गोपाल आंजना एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के अथर्व होटल में आयोजित लाडली बहना रक्षाबंधन उत्सव कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सभी बहनों का स्नेह उन्हें बीते कई वर्षों से प्राप्त हो रहा है। वर्ष में भाई-बहन के दो उत्सव आते हैं एक रक्षाबंधन और दूसरा भाई दूज। इस वर्ष दिवाली के बाद आने वाली भाई दूज से लाडली बहनों को 1250 रूपए के स्थान पर 1500 रूपए प्रति माह प्रदान किए जाएंगे। आने वाले वर्षों में बहनों को प्रदाय की जाने वाली राशि में और वृद्धि की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर, उज्जैन, देवास और धार शहर को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाई जाएगी। आने वाले दिनों में शहर में सदावल, पुलिस डीआरपी लाइन और दताना मताना में हेलीपैड होंगे। दताना मताना को हवाई अड्डे के रुप में भी विकसित किया जाएगा। श्रीमहाकालेश्वर और श्रीओमकारेश्वर ज्योर्तिलिंग को हवाई मार्ग से जोडा जाएगा। चिंतामण, पंवासा और विक्रम नगर रेलवे स्टेशन को भी विकसित किया जाएगा। लाल पुल से रामघाट, मंगलनाथ से सिद्धवट और शनि मंदिर से गउघाट तक नाव का संचालन किया जाएगा। वर्तमान में उज्जैन में औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से लगभग 20 हजार नागरिकों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। आने वाले दिनों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए नए उद्योगो की स्थापना भी सतत की जा रही है। कार्यक्रम में विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, सभापति श्रीमती कलावती यादव और बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें एवं नागरिक उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन रही है मोहिनी वर्मा थाना प्रभारी हुजरात कोतवाली

ग्वालियर मै महिला सहायता पिंक बूथ केन्द्र बना महिलाओं के लिए पहली पसंद

सुनीता कुशवाह और चंचल शर्मा की रिपोर्ट ग्वालियर

ग्वालियर – ग्वालियर इस समय महिला स शक्तिकरण की मिसाल बनके उभर रही है , मोहिनी वर्मा ,थाना प्रभारी हुजरात कोतवाली। साथ ही महिला सहायता पिंक बूथ महिलाओं के लिए सुरक्षा की बन रहा है गारंटी और यही कारण की इनकी कार्य शैली से महिलाएं बहुत प्रभावित होती है, चाहे महिलाओं की अपने पर्स हो, मोबाइल हो या कोई भी कीमती सामान हो उसकी मार्केट में जाते हुए कैसे चौकन्ना रहते हुए सतर्कता के साथ सुरक्षा करनी है या किसी असामाजिक तत्वों से कैसे सतर्कता के साथ रहना है और पुलिस को तुरंत सूचना देनी है ऐसे अपराधियों की यह मोहिनी वर्मा थाना प्रभारी एक अभियान चला रही है जो सभी को पसंद आ रहा है ।यही नहीं यह एक अलग संदेश का रूप ले रहा है। जहां यह आम जनता को प्रभावित कर रहा है और जनता इनके कार्य की सराहना कर रही है वहीं कुछ ऐसे लोग भी है जिनको यह अच्छा कार्य पसंद नहीं आ रहा है क्योंकि उनका प्रेम सामाजिक तत्त्वों के प्रति अलग ही झलक जाता है। और वो लोग निज स्वार्थ के कारण असामाजिक तत्वों के प्रति स्नेह के कारण इनकी अच्छी मुहिम को रोकने की नाकाम कोशिश करने मै लगे है। परन्तु मोहिनी वर्मा अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से महिला सशक्ति करण की मुहिम मै लगी हुई है।

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किसान भाई, व्यापारी, हम्माल तुलावटी भाइयों एवं नगर वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अपील

- मण्डी प्रांगण में प्रवेश करते समय कृषि उपज की जानकारी प्रवेश द्वार पर आवश्यक रूप से दर्ज करावें एवं प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
- किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही करें।
- नीलामी के समय किसान भाई अपनी ट्रॉली पर उपस्थित रहें।
- फसल बेचते समय दलालों से एवं बिचौलियों से सावधान रहें।
- कृषि उपज मंडी में फसल विक्रय होने पर कर्मचारियों से अनुबंध पर्ची अवश्य प्राप्त करें।

दिव्यांशु चौधरी
एसडीएम डबरा
जिला ग्वालियर

पर्वतलाल मालवीय
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति, डबरा

शुभेच्छुः-कृषि उपज मंडी समिति डबरा

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व की सभी नगर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

- निकाय द्वारा जारी कम्प्यूटरीकृत संपत्ति कर,जल कर का समय पर भुगतान करें।
- जल ही जीवन है,जल का दुरुपयोग न करें।
- नगर परिषद की भूमि एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें।
- नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए नगर परिषद का सहयोग करें।
- जन्म-मृत्यु का पंजीयन समय पर कराएं तथा निकाय से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करें।
- नगर परिषद से अनुमति प्राप्त कर भवन निर्माण करें।
- नगर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हरे-भरे पौधे को अपने घरों में लगाएं।

श्रीमती रामजानकी राजेश पंडा
अध्यक्ष
नगर परिषद पिछोर
जिला ग्वालियर

पीयूष श्रीवास्तव
सीएमओ
नगर परिषद पिछोर
जिला ग्वालियर

इरफान खान
उपाध्यक्ष
नगर परिषद पिछोर
जिला ग्वालियर

शुभेच्छुः-नगर परिषद पिछोर जिला ग्वालियर

सभी नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

: अपील :

- निकाय द्वारा जारी कम्प्यूटरीकृत संपत्ति कर,जल कर का समय पर भुगतान करें।
- जल ही जीवन है,जल का दुरुपयोग न करें।
- नगर पालिका की भूमि एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें।
- नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए नगर पालिका परिषद का सहयोग करें।
- जन्म-मृत्यु का पंजीयन समय पर कराएं तथा निकाय से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करें।
- नगर पालिका परिषद से अनुमति प्राप्त कर भवन निर्माण करें।
- नगर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हरे-भरे पौधे को अपने घरों में लगाएं।

श्रीमती लक्ष्मी देवी
अध्यक्ष
नगर पालिका डबरा

सुश्री साक्षी बाजपेयी
सीएमओ
नगर पालिका परिषद, डबरा

सतेन्द्र दुबे
उपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, डबरा

शुभेच्छुः-नगर पालिका परिषद डबरा जिला ग्वालियर

15 अगस्त
भारत
स्वतंत्रता दिवस
की आप सभी देशवासियों
को हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
अभिषेक दीक्षित
एफ .एन.बी मैनेजर लैंडमार्क. एन .एक्स

भारत
माता की जय
Hindustan
Meri
Jaan
समस्त ग्वालियर एवं प्रदेश
वासियों एवं देश वासियों
स्वतंत्रता दिवस की
शुभकामनाएं
अमित सांघी,
डी आई जी ग्वालियर संभाग

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
मयंक अग्रवाल
सचिव भोपाल

स्वतंत्रता
दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
विधायक पारस जैन

हार्दिक शुभकामनाएँ

हम अपनी पुत्री

आस्था शुक्ला

को दिल से बधाई देते हैं,
जो डॉ. अजय शुक्ला एवं श्रीमती प्रीति शुक्ला की सुपुत्री हैं, जिन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) परीक्षा शानदार अंकों के साथ उत्तीर्ण कर इंदौर शहर का नाम रोशन किया है। यह उत्कृष्ट उपलब्धि आपकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और अटूट समर्पण का परिणाम है। चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना केवल एक उपाधि नहीं, बल्कि एक उज्ज्वल और प्रेरणादायक विष्य की ओर पहला कदम है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि आप जीवन में यूँ ही निरंतर प्रगति करें और सफलता की ऊँचाइयों को छुएं।

डॉ. अजय शुक्ला, श्रीमती प्रीति शुक्ला एवं परिवार इंदौर

समस्त देशवासियों को
राष्ट्रीय महापर्व

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं।

शुभकामनाएं करता
शिवदयाल धाकड़ एसडीएम शिवपुरी

तिरंगा देश की शान है,
हर भारतीय का स्वाभिमान है..
यहीं है गंगा, यहीं है हिमालय,
यही हिन्द की जान है..
तीन रंगो मे रंगा हुआ,
ये अपना हिन्दुस्तान है...

15 August

आर डी नार्वे
सीनियर ऑडिटर

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक
शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जयराज कुबेर,एस पीआजाक ग्वालियर

स्वतंत्रता दिवस

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, डबरा

सभी देशवासियों को
साहस और शौर्य के प्रतीक राष्ट्रीय पर्व
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
आइये देश के लिये अपना सर्वस्व
अर्पण कर देने वाले आजादी के महान
नायकों को मिलकर नमन करें।
विनीत गोयल तहसीलदार
तहसील शहर ग्वालियर

तिरंगा देश की शान है,
हर भारतीय का स्वाभिमान है..
यहीं है गंगा, यहीं है हिमालय,
यही हिन्द की जान है..
तीन रंगो मे रंगा हुआ,
ये अपना हिन्दुस्तान है...
15 August
शुभकामनाएं करता
प्रदीप शर्मा
एस डी एम, सिटी ग्वालियर
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं

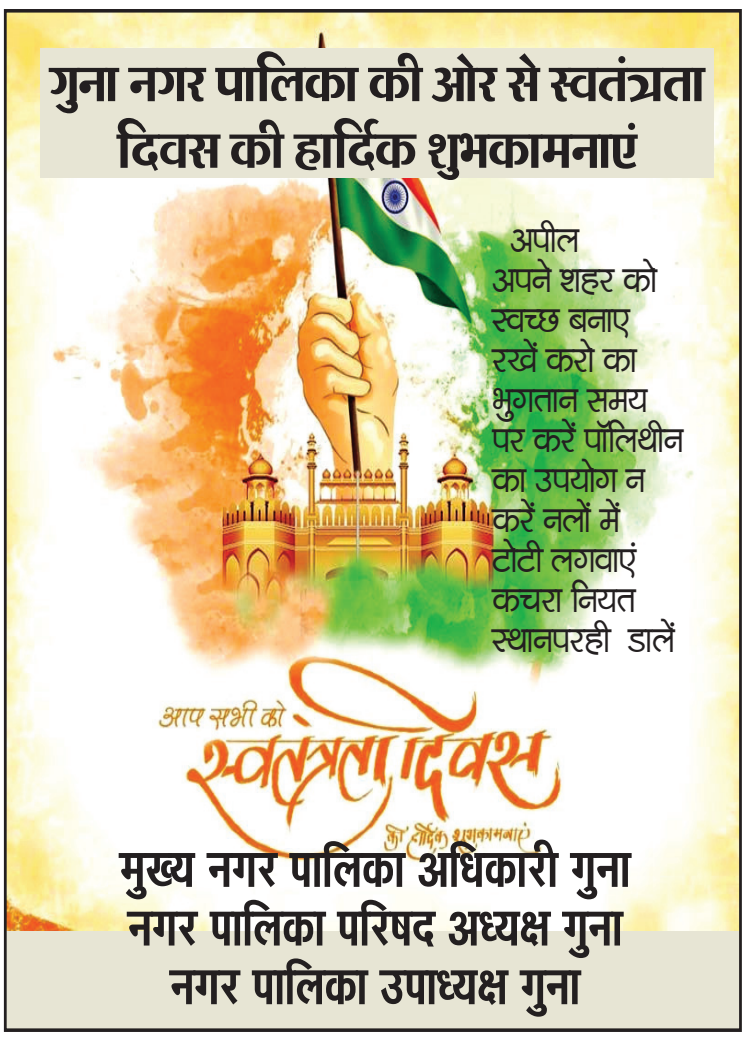
गुना नगर पालिका की ओर से स्वतंत्रता
दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अपील
अपने शहर को
स्वच्छ बनाए
रखें करो का
भुगतान समय
पर करें पॉलिथीन
का उपयोग न
करें नलों में
टोटी लगवाएं
कचरा नियत
स्थानपरही डालें
आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
मुख्य नगर पालिका अधिकारी गुना
नगर पालिका परिषद अध्यक्ष गुना
नगर पालिका उपाध्यक्ष गुना

Indane
SAFE.RELIABLE.CONVENIENT
GOYAL GAS AGENCY, DABRA
Kidz Imagination Pub
Admission Open
गोयल
गैस एजेन्सी
इंडेन
INDANE
स्वतंत्रता दिवस
की समस्त देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
गोयल
गैस एजेंसी
डबरा
संचालक श्री द्वारका प्रसाद गोयल

सारे जहाँ से अच्छा
हिन्दुस्तान हमारा
79 साल हुए आजादी को चलो,
आज फिर एकता दिखाते हैं।
मिलकर आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हैं...
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
अभिनव पल्लव
DFO बालाघाट

15TH AUGUST
HAPPY INDIA
INDEPENDENCE
DAY
15 AUGUST
बृजेंद्र श्रीवास्तव
DFO छतरपुर

स्वतंत्रता
दिवस
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
दीपक शुक्ला तहसीलदार, अशोकनगर

स्वतंत्रता दिवस
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
मंगला चतुर्वेदी
ग्वालियर

स्वतंत्रता दिवस
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
यशपाल भदौरिया
लैब टेक्नीशियन
सिविल अस्पताल
डबरा

स्वतंत्रता दिवस
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं?
महेन्द्र सिंह कौरव सहायकर रजिस्टार, डबरा

मोहम्मद शरीफ खान जिला कम्युनिटी मोबाइलाइजर जिला ग्वालियर

विजय शर्मा
तहसीलदार घाटीगांव

राजीव समाधियां,एस. डी.एम. भीतरवार

मनीष पांडे, इंदौर जिला अध्यक्ष
अखिल भारती हिंदू सेवादल

विनीत त्रिपाठी जी. एम.
(होटल लैंड मार्क .एन. एक्स) ग्वालियर एवं सलाहकार
(हमारा देश हमारा अभिमान) मासिक पत्रिका

मोहन सिंह राठौर विधायक
भीतरवार विधानसभा

मैसर्स पलिया कंस्ट्रक्शन कम्पनी

की ओर से सभी प्रदेश और देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनांए

शुभकामनाएं कर्ता

मैसर्स पलिया कंस्ट्रक्शन कंपनी के संरक्षण श्री द्वारिका प्रसाद एवं उनके पुत्र मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर अनुप शर्मा तथा पोत्र इंजिनियर शिवम शर्मा, सत्य शर्मा एवं समस्त पलिया कंस्ट्रक्शन परिवार

गुना मै मना बड़े हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस गुना कलेक्टर किशोर कान्याल ने किया ध्वजारोहण

प्रदेश के प्रमुख बांधों में पानी की आवक जारी

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रदेश में बारिश की स्थिति अच्छी है. इस मानसून में मध्यप्रदेश में आज दिनांक तक 645.20 मि.मी. वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है, जो प्रदेश की औसत वर्षा से 54% अधिक है। राज्य के पूर्वी हिस्से में औसत से 66% अधिक एवं पश्चिमी हिस्से में औसत से 44% अधिक वर्षा दर्ज की गई है। विगत वर्ष आज की स्थिति में मध्यप्रदेश में वास्तविक वर्षा 447.40 मिलीमीटर दर्ज हुई थी, जो कि प्रदेश की औसत वर्षा से 7% अधिक थी। प्रदेश के प्रमुख बांधों में जल भराव की स्थिति भी अच्छी है। विगत वर्ष आज दिनांक की स्थिति में प्रदेश के प्रमुख बांधों में लगभग 43.67% औसत जल भराव था, जबकि इस वर्षाकाल में अच्छी बारिश के चलते प्रदेश के प्रमुख बांधों में 69.45% जलभराव हो चुका है। प्रदेश के 22 बांधों के जल द्वार खोले जा चुके हैं। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने सोमवार को मुख्य अभियंता बोधी कार्यालय स्थित राज्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्रदेश में वर्षा और जलाशयों में जलभराव की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य अभियंता सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। पूर्ण सजगता और सक्रियता से कार्य करें बैठक में मंत्री श्री सिलावट में निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी बांधों एवं जलाशयों की निरंतर निगरानी की जाए और सभी सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं। विभाग के अधिकारी, जिला प्रशासन एवं सभी संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करें। सभी जिलों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष प्रभावी रूप से कार्य करें और अतिवृष्टि एवं बाढ़ की जानकारी राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष को भेजते रहें। बांधों से जल छोड़ने की जानकारी सभी संबंधियों को दी जाए और विशेष रूप से ढिंढोरी पिटवाकर व अन्य साधनों से आमजन को समय से पूर्व उपलब्ध कराई जाए। मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि मानसून के इस चुनौती पूर्ण समय में पूर्ण सजगता और सक्रियता के साथ कार्य करें, जिससे प्रदेश में कोई भी अप्रत्याशित घटना ना हो और ना ही किसी प्रकार से जान-माल का नुकसान हो मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश के सभी प्रमुख बेसिन में बांधों के जल ग्रहण क्षेत्र में मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी वर्षा के पूर्वानुमान, पानी की आवक और बांधों के गवर्निंग लेवल के दृष्टिगत गेटों का संचालन किया जा रहा है, जिससे बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में है। रिजर्वायर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम में चिन्हित प्रदेश के 286 प्रमुख बांधों में से 86 बांधों में 90% से अधिक, 31 बांधों में 75% से 90% तक तथा 40 बांधों में 50% से 75% तक जल भराव हो चुका है. इसी प्रकार 59 बांधों में 25 प्रतिशत से 50% तक, 35 बांधों में 10% से 25% तक तथा 35 बांधों में 10% से कम जल भरा हुआ है।

दु:खद-सूचना

मेरे बड़े भाई अनिल शुक्ला पूर्व शासकीय अधिवक्ता म.प्र,. उच्च न्यायालय ग्वालियर एवं हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के कानूनी सलाहकार की माता जी का हृदय गति रुक जाने से आज दिनांक 03/09/2025 को दुखद निधन हो गया परमात्मा उनको अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को इस दु:ख की घड़ी में साहस प्रदान करें।

ॐ शांति सादर नमन

निरंजन शर्मा लोकायुक्त एस पी ग्वालियर एवं मनोज चतुर्वेदी संपादक हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका

अतिवर्षा की स्थिति पर नजर रखें और जान-माल के बचाव को दें प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी जिलों में अतिवर्षा की स्थिति पर नजर रखी जाए। कलेक्टर एवं प्रशासनिक तथा पुलिस अमला अधिक वर्षा की स्थिति में आपदा की हालत उत्पन्न होने के पूर्व नागरिकों के बचाव के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें। संवेदनशील और सजग होकर प्रभावित नागरिकों की सहायता की जाए। पशु हानि और मकानों की क्षति पर भी प्रावधानुसार अविलम्ब मदद पहुंचाएं। इन कार्यों को सभी कलेक्टर्स प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास, भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को निर्देशित कर रहे थे। इस बैठक में इंदौर संभागायुक्त कार्यालय से संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, आईजी श्री अनुराग, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शॉजी जोसेफ, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री एस.के.सिन्हा, संयुक्त संचालक उद्योग श्री एस.एस. मण्डलोई, संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री बृजेश पाण्डे, प्रभारी संयुक्त संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. विलसन डाबर, कृषि कॉलेज की अधिकारी श्रीमती नम्रता गुरनानी वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा शामिल हुए। बैठक में इंदौर कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, डीआईजी ग्रामीण श्री निमिष अग्रवाल, एसपी ग्रामीण सुश्री यांगचेन डोलकर भूटिया, जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए। *श्रावण मास और त्यौहारों पर करें अग्रिम व्यवस्थाएं* मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रावण मास में मंदिर परिसर भी सुविधायुक्त बनाएं, जिससे श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। आगामी 9 अगस्त को रक्षाबंधन, 14 अगस्त को बलराम जयंती, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 16 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी पर होने वाले महत्वपूर्ण पर्वों के लिये आवश्यक व्यवस्थाएं अग्रिम रूप से की जाएं। *दुर्घटनाग्रस्त लोगों के उपचार और सहायता के प्रति रहें सजग* मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, एयर एम्बुलेंस सेवा के समुचित उपयोग और आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को उपचार उपलब्ध करवाने के लिए पंजीकृत अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटनाओं की स्थिति में गंभीर घायल व्यक्ति के गोल्डनअवर में उपचार को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर अस्पतालों के निर्धारण से जुड़ी प्रक्रिया भी पूरी की जाए। राहवीर योजना में सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को तत्परता से अस्पताल ले जाने वाले सहयोगी नागरिक को 25 हजार रुपए की राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि योजना क्रियान्वयन के प्रति भी जिला कलेक्टर सजग रहें। *जनप्रतिनिधियों से संवाद* मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि जिला स्तर पर विकास समितियां बनाने के संबंध में प्रभारी मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद कर कार्यवाही पूर्ण की जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में यह भी निर्देश दिए

अपनी आजादी को हम हरगिज मिटा सकते नहीं
सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं।
समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
15th AUGUST
की हार्दिक शुभकामनाएं
जयराज कुबेर
एसपी अजाक, ग्वालियर

सदा ही लहराता रहे ये तिरंगा हमारा
सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा..
सभी देशवासियों को आजादी के महापर्व
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
15 AUGUST
INDIA
INDEPENDENCE DAY
निरंजन शर्मा
लोकायुक्त एस पी
ग्वालियर

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
तिरंगा देश की शान है, हर भारतीय का स्वाभिमान है
यही है गंगा, यही है हिमालय, यही हिन्द की जान है
तीन रंगो में रंगा हुआ ये अपना हिन्दुस्तान है
जय हिन्द। जय भारत।
राजेश त्रिपाठी
डीसीपी क्राइम, इंदौर

स्वतंत्रता दिवस की
सभी प्रदेश वासियों एवं
देशवासियों को...
हार्दिक शुभकामनाएं
सुरेश राजे डबरा विधायक (कांग्रेस)

सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
शुभकामनाएं कर्ता
दिव्य दर्शन शर्मा, डबरा तहसीलदार

15 अगस्त
भारत
स्वतंत्रता दिवस
की आप सभी देशवासियों
को हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
सुमन गुर्जर
एडिशन एस.पी.,ग्वालियर

इन 10 हैंडलूम साड़ियों को पहनकर आप भी दिखेंगी रॉयल

हर साल 7 अगस्त को नेशनल हैंडलूम डे मनाया जाता है. इस दिन को मनाने का उद्देश्य हमारे देश की बुनकरी परंपरा और कारीगरों को सम्मान देना है. हैंडलूम यानी हाथ से बनी हुई कपड़े की कला. ये हमारी संस्कृति, इतिहास और पहचान है. ऐसे में यहां हम आपको 10 ऐसी हैंडलूम साड़ियों के बारे में बता रहे हैं, जो हर महिला के वॉर्डरोब में जरूर होनी चाहिए.

कांजीवरम (तमिलनाडु)

कांजीवरम को 'साड़ियों की रानी' कहा जाता है. इसे शुद्ध रेशम और चांदी से बनी जरी से तैयार किया जाता है. कांजीवरम साड़ी पहनना हर दक्षिण भारतीय दुल्हन का सपना होता है. ये साड़ी पारंपरिक और रॉयल लुक के लिए परफेक्ट है.

जामदानी (पश्चिम बंगाल)

जामदानी साड़ियां हल्की, मुलायम और बेहद नाजुक डिजाइनों वाली होती हैं. इसमें हर मोटिफ हाथ से बुना जाता है और एक-एक धागा साड़ी को खूबसूरत बनाता है.

चंदेरी (मध्य प्रदेश)

चंदेरी साड़ी सिल्क और कॉटन के मिश्रण से बनती हैं, साथ ही ये साड़ी इतनी हल्की होती है कि पहनने वाले को इससे आरामदायक शायद ही कुछ लगे.

पैठाणी (महाराष्ट्र)

पैठाणी साड़ी में खास होते हैं मोर, कमल और फूलों के मोटिफ्स. इसकी बनावट रेशमी धागों और डिजाइन गोल्डन जरी से किया जाता है. वहीं, सबसे खास बात यह है कि असली पैठाणी कभी पुरानी नहीं लगती, बल्कि समय के साथ और भी सुंदर दिखती है. यानी ये एक पीढ़ी से दूसरी तक चलने वाली विरासत है.

पोचमपल्ली इकत (तेलंगाना)

पोचमपल्ली की साड़ियों की पहचान है इसके ज्योमेट्रिक पैटर्न्स और चमकीले रंग. इसमें डाई करने से पहले धागों को डिजाइन किया जाता है. अगर आपको थोड़ा हटकर स्टाइल चाहिए, तो पोचमपल्ली की बोल्ड डिजाइन वाली साड़ी जरूर ट्राय करें. ये स्मार्ट और यूनिक लुक देती है.

बनारसी (उत्तर प्रदेश)

शादी हो या त्योहार, बनारसी साड़ी हर जगह फिट बैठती है. इसकी बारीक जरी कढ़ाई और मुगल डिजाइन इसे खास बनाते हैं. वहीं, अब बनारसी साड़ी पेस्टल, मिनिमल और मॉडर्न अवतार में भी आ रही हैं.

कसावु (केरल)

केरल की कसावु साड़ी सादगी की मिसाल है. सादा सफेद रंग और सुनहरी बॉर्डर वाली ये साड़ी बेहद सुंदर लगती है. ये कपास और सिल्क दोनों में मिलती है और खासतौर पर ओणम जैसे त्यौहारों में इसे पहना जाता है.

AI में करियर बनाने के लिए आवश्यक कदम

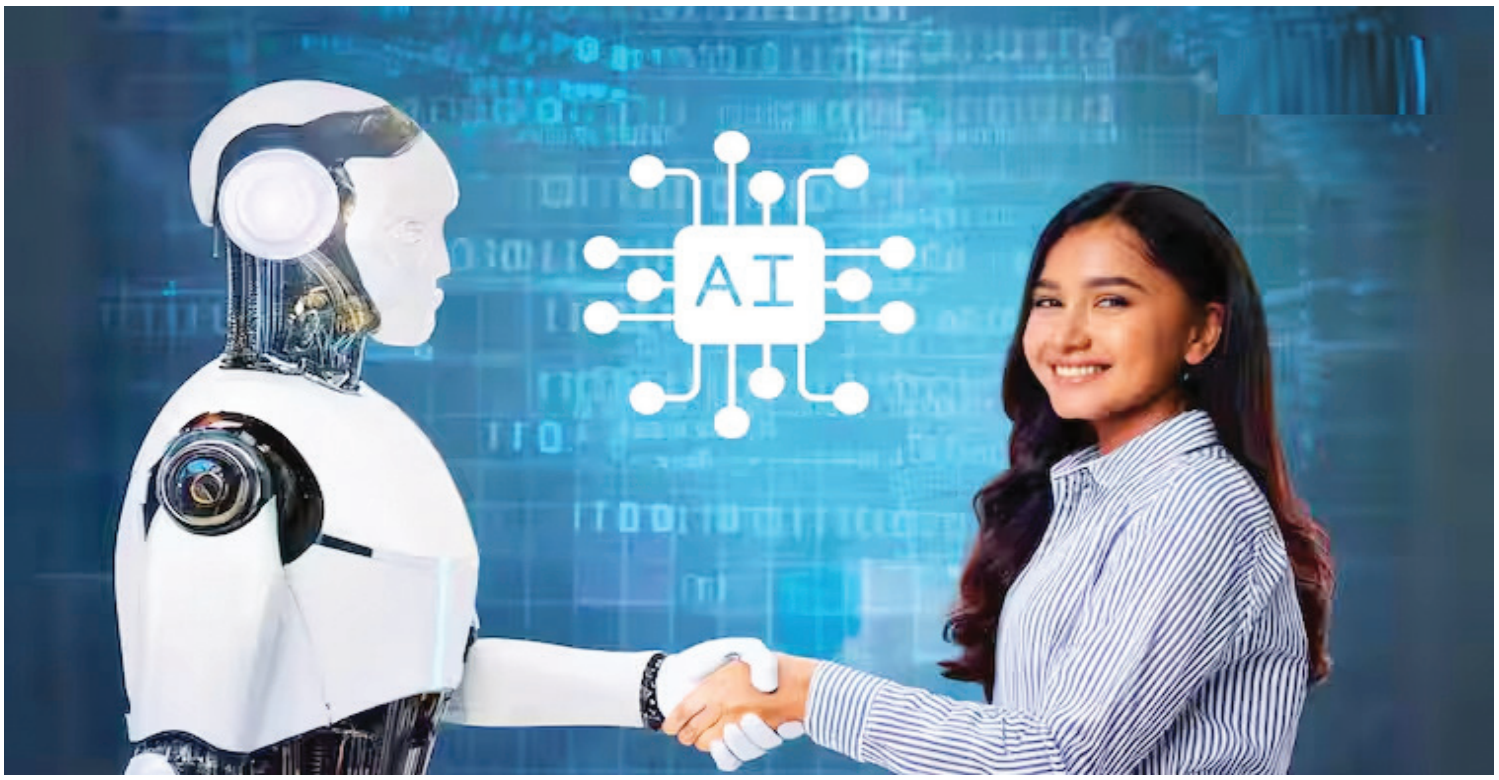

1. पहले जानते है कि AI क्या है. दरअसल, AI को विज्ञान कहा जा सकता है, जो कंप्यूटर सिस्टम को मानव के दिमाग की तरह काम करने में सक्षम बनाता है. इसमें मशीनों को सीखने, समझने औक समस्या हल करने की क्षमता देने की कोशिश की जाती है.

2. आप AI में ऑनलाइन कोर्स, डिग्री , डिप्लोमा या फिर सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं. AI में डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करके आप AI साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट, एल्गोरिदमिक ट्रेनर, रोबोट पर्सनाल्टी डिजाइनर, AI प्रोडक्ट मैनेजर, मशीन लर्निंग इंजीनियर आदि जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं.

3. शॉर्ट टर्म कोर्स की बात करें तो आप सर्टिफिकेट इन एआई, मशीन लर्गिंन, डीप लर्निंग आदि कोर्स कर सकते हैं. जो लगभग 6 महीने से 1 साल तक के लिए होते हैं. वहीं, आप डिप्लोमा इन एआई एंड मशीन लर्निंग में कर सकते हैं. ये 1 साल का होता है.

4. एआई में डिग्री कोर्स की बात करें तो स्टूडेंट्स बी.ई इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (4 साल), बीसीए इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीबीए इन इंटरनेशनल बिजनेज विथ एआई, बी.एससी इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि कर सकते हैं. ये सभी 3 साल के डिग्री कोर्स हैं.

5. टॉप कॉलेज की बात करें तो आप आईआईटी हैदराबाद, एनआईटी सुरथकल, एसआरएम यूनिवर्सिटी चेन्नई, अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, कोयंबटूर आदि से इन कोर्स की पढ़ाई कर सकते हैं.

6. नौकरी की बात करें, तो इसमें आपको कई जगहों पर नौकरी मिल सकती है. जैसे ही फाइनेंस, बैंकिंग,एजुकेशन, ऑटोमोबाइल, एविएशन, लॉजिस्टिक्स, मेडिकल आदि. ऐसा इसलिए भी क्योंकि आज के समय में AI की डिमांड काफी ज्यादा है. अधिकतर लोग इसमें नौकरी करके अच्छी सैलरी पा सकते हैं.

1. शैक्षणिक योग्यता:

12वीं कक्षा में गणित, भौतिकी, और रसायन विज्ञान या कंप्यूटर विज्ञान विषय होना चाहिए।

स्नातक स्तर पर, कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग, या सूचना प्रौद्योगिकी में डिग्री प्राप्त करें.

कुछ विश्वविद्यालय AI में विशिष्ट डिग्री प्रोग्राम भी प्रदान करते हैं.

2. AI-विशिष्ट कौशल:

मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, और डेटा साइंस में विशेषज्ञता हासिल करें.

Python, R, Java, या C++ जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं में दक्षता प्राप्त करें.

MATLAB, C/C++, और Python का ठोस ज्ञान होना चाहिए, कुछ ऑनलाइन स्रोतों के अनुसार.

स्किल्स बूटकैंप में भाग लें, जो AI/ML में कौशल विकसित करने के लिए उपयोगी हो सकते हैं, राष्ट्रीय करियर सेवा के अनुसार.

3. अनुभव प्राप्त करना:

इंटर्नशिप या रिसर्च प्रोजेक्ट्स के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें.

AI-आधारित परियोजनाओं पर काम करें.

AI में रुचि रखने वाले लोगों के साथ नेटवर्किंग करें और मेंटरशिप प्राप्त करें.

4. करियर विकल्प:

AI वैज्ञानिक, AI इंजीनियर, डेटा वैज्ञानिक, मशीन लर्निंग इंजीनियर, आदि के रूप में काम कर सकते हैं.

विभिन्न उद्योगों में AI-आधारित भूमिकाएँ उपलब्ध हैं, जैसे कि स्वास्थ्य सेवा, वित्त, और विनिर्माण.

5. सैलरी:

AI क्षेत्र में शुरुआती वेतन 50,000 से 60,000 रुपये प्रति माह हो सकता है, मनीकंट्रोल हिंदी के अनुसार।

अनुभव और विशेषज्ञता के साथ, वेतन लाखों में भी हो सकता है.

निष्कर्ष:

AI में करियर बनाने के लिए, आपको तकनीकी कौशल, शिक्षा, और अनुभव का संयोजन करना होगा। AI क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं बहुत अच्छी हैं, और यदि आप इस क्षेत्र में रुचि रखते हैं, तो यह आपके लिए एक रोमांचक और फायदेमंद करियर हो सकता है।

विदेश घूमने के लिए बजट कम है, नो टेंशन! इन देशों में 40 हजार से भी कम में कर सकते हैं फॉरेन ट्रिप प्लान

अगर आप भी भारत से बाहर घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं और चाहते हैं कि यात्रा पूरी तरह से आपके बजट में हों, तो बजट यात्रा आपकी मजेदार छुट्टियों के लिए एक शानदार तरीका है। अगर आप चाहते हैं कि आप बाहर घूम भी आएं और यह आपकी जेब पर भारी भी ना पड़े, तो यहां हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बता रहे हैं, जो आपको बहुत कम लागत में अच्छी सुविधा देंगे और आपकी यात्रा 40 हजार रूपए यानि बहुत सस्ते में पूरी हो जाएगी।

भूटान

भूटान की यात्रा सबसे सस्ती होती है। आप यहां अपने बजट में रहकर नेचर और एडवेंचर का मजा ले सकते हैं। राजसी पहाड़ों, घनी हरी घाटियों के साथ आप भूटान में बहुत सारी आउटडोर एक्टिविटीज को एन्जॉय कर सकते हैं। अगर आप नेचर और एडवेंचर लवर हैं, तो 'लैंड ऑफ द थंडर ड्रेगन' की सैर आपको यकीनन मंत्रमुग्ध कर देगी। लोकल ट्रांसपोर्ट और लंबी पैदल यात्रा का उपयोग करना भूटान की सस्ती यात्रा का आनंद लेने का सबसे अच्छा तरीका है।

राउंड ट्रिप की लागत दिल्ली और मुंबई से - लगभग 16000 रूपए

रहने का खर्च - 500 रूपए से ज्यादा

श्रीलंका

दक्षिण एशिया में मंत्रमुग्ध कर देने वाला एक सुंदर द्वीप देश है श्रीलंका। श्रीलंका सस्ते में यात्रा करने और घूमने में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए अच्छी जगह है। घने जंगलों और प्राचीन नीले समुद्र तटों से घिरा श्रीलंका सपनों की दुनिया से कम नहीं है। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता के अलावा भोजन का स्वाद, ऐतिहासिक खंडहर, प्राचीन मंदिर और एडवेंचर स्पोर्ट्स तक सब कुछ हैं। शॉपिंग करने के लिए श्रीलंका वन स्टॉप डेस्टीनेशन है।

राउंड ट्रिप की लागत - कोच्चि से लगभग 12000 रूपए

रहने का खर्च - 1000 रूपए से ज्यादा

वियतनाम

वियतनाम एक ऐसा डेस्टीनेशन है, जो लक्जरी और बजट यात्रियों दोनों को एंटरटेन करता है। वियतनाम में सुंदर कैफे, फैंसी रेस्टोरेंट्स के अलावा समुद्र तट भी हैं जहां पर्यटक सूर्योदय और सूर्यास्त का आनंद ले सकते हैं। मंदिर, अवशेषों, शिवालयों के साथ यहां घूमने के लिए बहुत अच्छी और सस्ती जगह है। विदेश में अपनी यात्रा की योजना बनाते समय वियतनाम को जोड़ना ना भूलें। यहां पर लोकल ट्रांसपोर्ट सस्ती कीमत पर उपलब्ध हैं।

राउंड ट्रिप की लागत - दिल्ली से 18000 रूपए।

रहने का खर्च - 500 रूपए से ज्यादा

थाईलैंड

कम बजट में यात्रा करनी हो, तो थाइलैंड सबसे अच्छा देश है। यहां की नाइटलाइफ, हलचल भरे बाजार , समुद्री भोजन और डिशेज की वैरायटी आपकी यात्रा को यादगार बना देंगी। यहां पर किराए पर उपलब्ध टू व्हीलर आपकी यात्रा को सरल और सुगम बनाते हैं। किफायती दाम के कारण ही भारतीय इस इंटनेशनल डेस्टीनेशन की तरफ आकर्षक हो रहे हैं।

राउंड ट्रिप की लागत - दिल्ली से 17000 रूपए।

रहने का खर्च - 500 रूपए से ज्यादा

ओमान

ओमान को पर्शियन गल्फ का गहना कहा जाता है। ओमान सूर्य, समुद्र तटों, वन्यजीव और इतिहास में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए बेस्ट टूरिस्ट डेस्टीनेशन है। इस खूबसूरत देश की यात्रा करने का बड़ा कारण इसकी राजधानी मस्कट है। यहां आप अरब संस्कृति के साथ सुमद्र तट पर लहरों का आनंद ले

पश्चिम बंगाल के कुछ ऐसे पर्यटन स्थल, जो करते आए हैं शुरू से लेकर अब तक पर्यटकों को आकर्षित

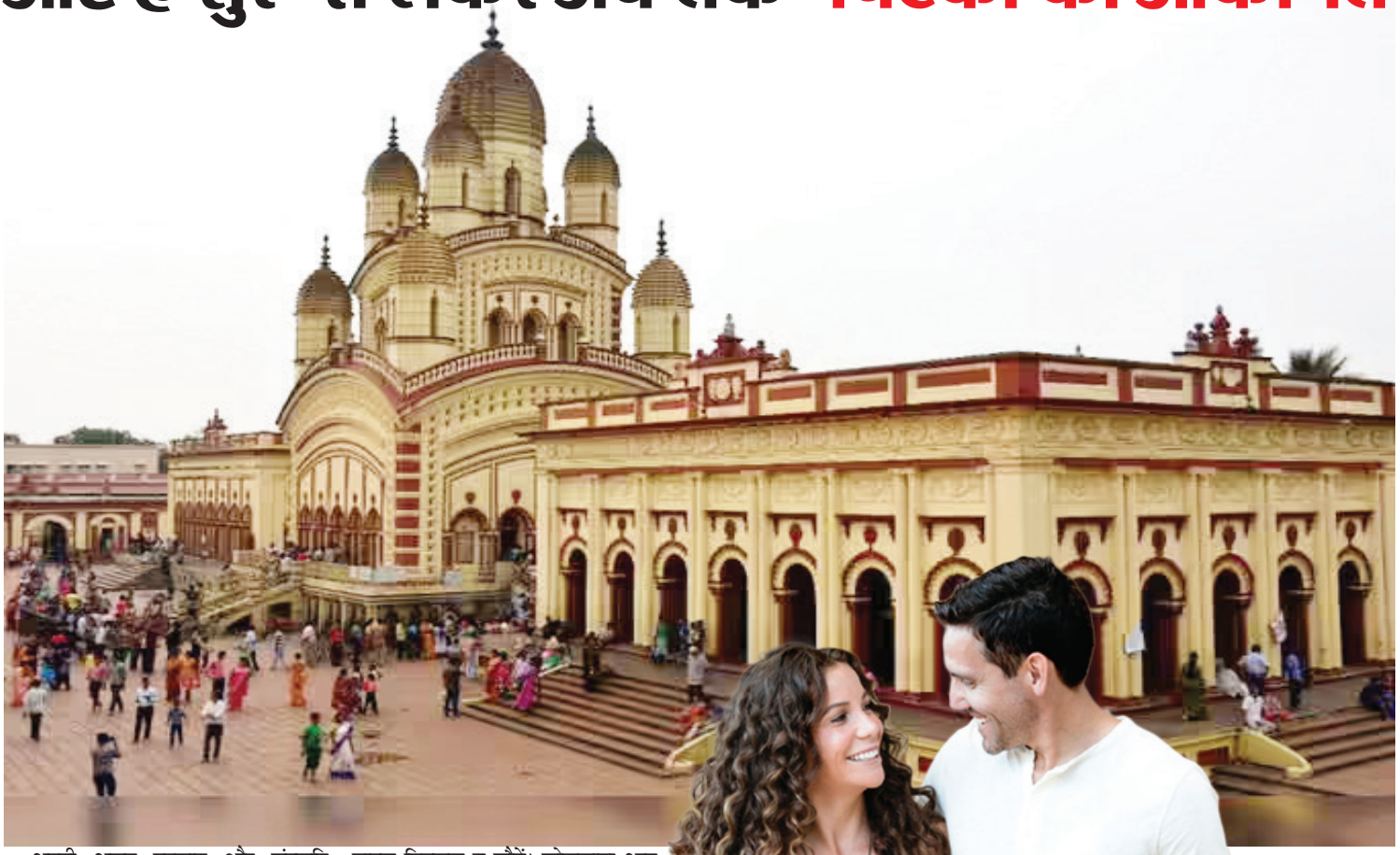

अपनी अलग पहचान और संस्कृति के लिए भारत के साहित्य को बताने वाला पश्चिम बंगाल बेहद ही खूसबूरत राज्य है। पश्चिम बंगाल में घूमने का प्लान बनाने वाले यात्रियों के लिए आज हमने कुछ ऐसे खूबसूरत स्थलों के बारे में जानकारी दी है, जिन्हें आपको जरूर एक्स्प्लोर करना चाहिए।

भारत के पूर्वी क्षेत्र में मौजूद जंगल और कई बीचों से सजा पश्चिम बंगाल, उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में बंगाल की खाड़ी तक बसा हुआ है। पश्चिम बंगाल अपने साहित्य, कला और संस्कृति के लिए बेहद प्रसिद्ध है। बंगाल की खूबसूरती गांवों, कस्बों से लेकर शहरों तक हर जगह फैली हुई है। वहीं सिलीगुड़ी, सुंदरबन जैसे पर्यटन स्थलों को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ यहां अच्छी खासी देखने को मिलती रहती है। आप भी जानिए पश्चिम बंगाल के उन खूबसूरत पर्यटन स्थलों के बारे में, जिन्हें देखने के लिए पर्यटक एक बार जरूर आते हैं।

पश्चिम बंगाल की राजधानी होने के कारण कोलकाता पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। जो भी व्यक्ति यहां आता है विक्टोरिया मेमोरियल की भव्यता में मानों डूब ही जाता है। शांति के कुछ समय बिताने के लिए आप प्रिंसेप घाट भी जा सकते हैं। कोलकाता में आप दक्षिणेश्वर काली मंदिर में माँ काली के दर्शन कर सकते हैं या मूर्ति बनाने की प्रक्रिया को देखने के लिए कुमारतुली की गलियों (कला गलियों) में जा सकते हैं। साथ ही यहां का मशहूर पीटर कैट का चेलो कबाब बेहद प्रसिद्ध है, इसे खाए बिना कोलकाता से वापस बिल्कुल न लौटें। कोलकाता आप दुर्गा पूजा या क्रिसमस के समय घूम सकते हैं। ये समय सबसे अच्छा समय माना जाता है। पश्चिम बंगाल से कोलकाता की दूरी 70 किमी है।गंगटोक की प्राकृतिक सुंदरता के बीच मौजूद हैं यहां कई खूबसूरत जगह, इन्हें देखने के बाद आप प्लानिंग किए बिना रह महानंदा नदी के तट पर स्थित, सिलीगुड़ी एक छोटा सा हिल स्टेशन है। इस स्थान को 'गेटवे टू नॉर्थ ईस्ट इंडिया' के रूप में भी जाना जाता है। यह शांत शहर चाय, लकड़ी, संगीत के दृश्य, वन्य जीवन और एक मठ (सालुगरा) के लिए प्रसिद्ध है। अगर आप प्रकृति के बीच शांति से बैठना चाहते हैं, तो सिलीगुड़ी आपके लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान, जो टोरसा नदी के तट पर स्थित है, सिलीगुड़ी का एक प्रमुख आकर्षण है। सिलीगुड़ी आने का सबसे अच्छा समय जनवरी से फरवरी के बीच है।

2022 में बंद हुई Harley Davidson Street Bob, अब नए अवतार में भारत में लॉन्च, जानें कीमत

2022 में भारतीय बाजार से पूरी तरह से बाहर होने के बाद हार्ले-डेविडसन ने एक बार फिर वापसी की है. इस बार कंपनी ने अपने लोकप्रिय मॉडल Street Bob को नए अवतार में लॉन्च किया है. पहले इसका प्रोडक्शन बंद कर दिया गया था, लेकिन अब कंपनी ने इसे और ज्यादा दमदार इंजन और फीचर्स के साथ पेश किया है.

कैसा है इंजन और परफॉर्मेंस?

नई 2025 Harley Davidson Street Bob में बड़ा और पावरफुल 117CI (1,923cc) V-ट्विन एयर/ऑयल-कूल्ड इंजन दिया गया है. ये इंजन 5,020rpm पर 91.18bhp की पावर और 2,750rpm पर 156Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है. 293 किलोग्राम (कर्ब वेट) वजन के साथ यह हार्ले की 117CI लाइन-अप की सबसे हल्की मोटरसाइकिल है. सस्पेंशन की बात करें तो इसमें 49mm टेलीस्कोपिक फोर्क्स और प्रीलोड-एडजस्टेबल मोनोशॉक दिया गया है. ब्रेकिंग के लिए दोनों पहियों पर सिंगल डिस्क ब्रेक मौजूद हैं, साथ ही डुअल-चैनल ABS भी दिया गया है.

डिजाइन और नए अपडेट

डिजाइन के मामले में नई Street Bob काफी हद तक पुराने मॉडल जैसी दिखती है, लेकिन इसमें कुछ नए बदलाव किए गए हैं. पुराने ब्लैक्ड-आउट एग्जॉस्ट की जगह अब क्रोम-फिनिश टू-इन-वन लॉन्गटेल एग्जॉस्ट दिया गया है. बाइक में मिनी एप-हैंगर हैंडलबार, बॉब्ड-स्टाइल रियर फेंडर और नया 'स्ट्रेच्ड-डायमंड' ब्लैक-क्रोम मेडलियन लगाया गया है. ये बाइक अब पांच अट्रैक्टिव कलर ऑप्शन्स- Billiard Grey, Vivid Black, Centreline, Iron Horse Metallic और Purple Abyss Denim में उपलब्ध होगी. इसके अलावा, टर्न इंडिकेटर्स को हैंडलबार पर अनोखे तरीके से लगाया गया है, जिससे बाइक का लुक और अलग नजर आता है.

फीचर्स और टेक्नोलॉजी

नई Street Bob सिर्फ स्टाइल और पावर ही नहीं बल्कि एडवांस फीचर्स से भी लैस है. इसमें तीन राइडिंग मोड, ट्रैक्शन कंट्रोल, ड्रैग-टॉर्क स्लिप कंट्रोल और क्रूज कंट्रोल जैसी तकनीक शामिल की गई हैं. इन फीचर्स की मदद से राइडिंग एक्सपीरियंस और भी स्मूद और सुरक्षित हो जाता है.

कीमत और एक्सेसरीज

भारत में नई Harley Davidson Street Bob 2025 की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 18.77 लाख रुपये रखी गई है. इसके साथ कंपनी कई तरह की एक्सेसरीज का विकल्प भी देती है, जिन्हें ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार चुन सकते हैं.

सिंगल चार्ज में 935 KM, स्वीडन की इलेक्ट्रिक SUV ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, फीचर्स जान रह जाएंगे हैरान

इलेक्ट्रिक कारों की दुनिया में रोज नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, लेकिन इस बार मामला बेहद खास है. स्वीडन की इलेक्ट्रिक कार कंपनी Polestar ने अपनी SUV Polestar 3 के दम पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है. यह SUV एक ही बार चार्ज करने पर 935 किलोमीटर चली और इस रिकॉर्ड को Guinness World Records ने भी मान्यता दी है.

रिकॉर्ड कैसे बना?

Polestar 3 को यूके की पब्लिक सड़कों पर टेस्ट किया गया. इस दौरान SUV ने 581.3 मील (लगभग 935 KM) की दूरी तय की. यह आंकड़ा पिछले रिकॉर्ड से काफी ज्यादा है. अगस्त 2024 में Ford Mustang Mach-E ने 569.64 मील का रिकॉर्ड बनाया था, जिसे अब Polestar 3 ने पीछे छोड़ दिया है. इस ड्राइव को पूरा करने में 22 घंटे 57 मिनट लगे और इसे अलग-अलग तरह की सड़कों पर चलाया गया. इसमें सिंगल-लेन रोड, बी-रोड और डबल कैरिजवे शामिल थे, ताकि असली दुनिया की ड्राइविंग कंडीशन को दिखाया जा सके.

Polestar 3 के पावरफुल स्पेसिफिकेशंस

इस रिकॉर्ड के लिए Polestar 3 के लॉन्ग रेंज सिंगल-मोटर वर्जन का इस्तेमाल किया गया. इसमें 107 kWh का बैटरी पैक और 295 bhp पावर वाला मोटर दिया गया है. इसकी WLTP रेंज 438 मील यानी करीब 705 किलोमीटर है. सबसे खास बात यह रही कि WLTP रेंज पूरी करने के बाद भी बैटरी में 20% चार्ज बचा था. यहां तक कि बैटरी पर 0% दिखने के बाद भी यह कार 8 किलोमीटर और चली.

क्यों खास है Polestar 3 का यह कारनामा?

यह SUV सिर्फ लंबी रेंज ही नहीं देती बल्कि अपनी एफिशिएंसी से भी चौंकाती है. 2.4 टन भारी इस SUV ने 5.13 मील प्रति kWh की शानदार एफिशिएंसी दिखाई. Polestar के मैनेजिंग डायरेक्टर मैट गैल्विन ने कहा,"एक बड़ी SUV का इतनी दूरी तय करना यह साबित करता है कि EVs अब सिर्फ सिटी कार नहीं बल्कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए भी भरोसेमंद विकल्प बन चुकी हैं."

बता दें कि हाल ही में General Motors की Chevrolet Silverado EV (2026) ने भी 1,059 मील की दूरी तय कर रिकॉर्ड बनाया था. हालांकि उसे Guinness World Records से मान्यता नहीं मिली. वहीं Polestar 3 का रिकॉर्ड खास है क्योंकि यह प्रोडक्शन इलेक्ट्रिक SUV कैटेगरी में दर्ज हुआ है.

ऑनलाइन फ्रॉड का हो गए हैं शिकार? तो इस पोर्टल पर करें ऑनलाइन शिकायत, पैसा तुरंत मिलेगा वापस

ऑनलाइन फ्रॉड की घटनाएं आम हो गई है। हर दिन कोई न कोई ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हो जाता है। हालांकि बेहद कम लोगों को मालूम होता है कि अगर ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हो जाएं, तो उसकी शिकायत कैसे की जाए? तो बता दें कि ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायत सीधे पुलिस स्टेशन में करनी चाहिए। या फिर इसकी शिकायत नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर की जा सकती है। इसे खासतौर पर साइबर क्राइस के मामलों को रिपोर्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है।

क्या हैं शर्त

अगर आप चाहते हैं कि आपके साथ हुए फ्रॉड पर तत्काल कार्रवाई करके मामले का निपटारा किया जाएं, तो आपको घटना के 24 घंटे के भीतर शिकायत दर्ज करानी चाहिए, जिससे पुलिस तत्काल प्रभाव से कार्रवाई कर सके। ऐसे में हो सकता है आपके साथ हुआ फ्रॉड के पैसे तुरंत मिल जाए।

कैसे ऑनलाइन फ्रॉड की करें शिकायत

सबसे पहले https://cybercrime.gov.in. पोर्टल पर जाएं।

फिर होम पेज पर विजिट करें और शिकायत दर्ज करें।

इसके बाद टर्म एंड कंडीशन पर क्लिक करके नेक्स्ट पेज पर जाएं।

इसके बाद साइबर क्राइम रिपोर्ट बटन पर क्लिक करें।

इसके बाद लॉगिन करके नाम, ईमेल और फोन नंबर दर्ज करें।

इसके बाद रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी दर्ज करें।

फिर सब्मिट बटन पर क्लिक करें। सके बाद आपके साथ जो फ्रॉड हुआ है, उसकी शिकयत दर्ज करें।फिर सब्मिट बटन पर क्लिक करें।इसके बाद एक नया पेज खुलेगा, जहां क्राइम की बाकी डिटेल देनी होगी। फिर सेव और नेक्स्ट बटन पर क्लिक करना होगा।अगले पेज पर संभावित संदिग्ध की जानकारी देकर सब्मिट बटन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद शिकायत रजिस्टर्ड होने का मैसेज आ जाएगा। 'दिल्ली के एक बड़े अस्पताल में काम कर रहे एक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर के पास क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का फोन आया. उन्होंने बातचीत की और उससे अचानक दो लाख रुपये का ट्रांजेक्शन हो गया और लिमिट बढ़ी नहीं. टेंशन में दो दिन गुजर गए, तीसरे दिन इसकी शिकायत पुलिस में दे दी. फिर वे बैंक भी गए. खूब चक्कर काटे, पड़ताल की लेकिन पैसा वापस नहीं मिला''जबकि इन्हीं डॉक्टर के एक नजदीकी के पास एक फोन आया और अकाउंट से 50 हजार रुपये उड़ गए. उन्होंने उसी दिन बैंक और पुलिस में दोनों जगह शिकायत की. कुछ दिनों में उनका पूरा पैसा वापस मिल गया'. अब सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? ऑनलाइन फ्रॉड तो दोनों के साथ हुआ, फिर एक को पूरा पैसा मिल गया, दूसरे को नहीं, ऐसा क्यों? आपके इस सवाल का जवाब आज हम आपको विस्तार से देने जा रहे हैं.

व्हाट्सएप पर पुलिस के नंबर से आएगी कॉल! मिलेगी धमकी-गालियां, डर गए तो हो जाओगे कंगाल..

आजकल जितना ऑनलाइन फ्रॉड बढ़ रहा है, भारतीय रिजर्व बैंक ग्राहकों के पैसे को बचाने के लिए उतने ही कड़े सेफ्टी रूल्स बना रहा है और समय समय पर सर्कुलर जारी करता रहता है. अगर आपके साथ कोई भी फ्रॉड होता है तो आपको पैसा मिल सकता है, लेकिन आपको आरबीआई की इन शर्तों के बारे में जानकारी होना बेहद जरूरी है.

कब मिलता है पैसा वापस?

आरबीआई के अनुसार अगर किसी जानकारी के अभाव में, बैंक की कमी या अन्य किसी तरीके से फ्रॉड हो जाता है, फिर वह चाहे फोन से, नेट बैंकिंग से, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड से या ऑनलाइन पेमेंट गेटवे से होता है, तो शिकायत के बाद पैसा मिल सकता है. इसके अलावा अगर किसी थर्ड पार्टी ब्रीच के चलते, सिस्टम के चलते अकाउंट से पैसा जाता है, जिसमें न बैंक और न ही कस्टमर की गलती होती है, तो भी पैसा वापस मिल जाता है.

लेकिन है ये शर्त..

हालांकि आरबीआई ने अपनी गाइडलाइंस में यह स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर किसी के साथ फ्रॉड होता है तो घटना के 3 दिन के अंदर बैंक को इसकी सूचना लिखित में देनी ही होगी. अगर कस्टमर 4 से 7 दिन के भीतर बैंक को सूचित करता है, तो भी कुछ संभावना रहती है कि पैसा रिफंड हो सके, लेकिन उसके लिए भी लिमिटेशंस हैं. इसके बाद सूचना देने पर बैंक बोर्ड की जो भी नीति होती है, उसके अनुसार ही चीजें होंगी.

क्या कहते हैं एक्सपर्ट कैसे दें सूचना?

हालांकि दिल्ली पुलिस के साइबर एक्सपर्ट किसलय चौधरी कहते हैं कि भले ही आरबीआई की ये गाइडलाइंस हैं लेकिन कई बार बैंक इन्हें मानने में आनाकानी करते हैं और एक तय समय निकल जाने के बाद कस्टमर को उसका पैसा वापस नहीं मिल पाता है.

चौधरी सलाह देते हैं कि ऑनलाइन फ्रॉड के बाद सिर्फ बैंक को सूचित करने से ही काम नहीं चलता है. इसका पूरा प्रोसेस जानना भी जरूरी है.अगर आपको पैसा वापस चाहिए तो आपको ये 3 चीजें करनी चाहिए.

. ऑनलाइन फ्रॉड होने पर, उसी दिन सबसे पहले नजदीकी पुलिस स्टेशन में फ्रॉड की लिखित शिकायत दें. अगर एफआईआर हो जाए तो ठीक, न हो तो शिकायत करके उसकी रिसीविंग ले लें.

. फ्रॉड वाले ही दिन या अगले दिन कोशिश करें कि पुलिस की रिसीविंग को लेकर अपने बैंक में जाएं. वहां फ्रॉड की एप्लिकेशन लिखें और पुलिस की रिसीविंग को जोड़कर जमा कर दें.

कम बजट वाले टॉप 21 हाई डिमांड बिजनेस आइडिया, कई तो जीरो इन्वेस्टमेंट से हो जाएंगे शुरू

कुछ लोगों को कैसा लगता है कि बिजनेस शुरू करने के लिए आपको लाखों-करोड़ों रुपयों की आवश्यकता होती है. आज हम आपको ऐसे बिजनेस आईडियाज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें शुरू करने के लिए आपको बहुत कम बजट की आवश्यकता होगी. देश में आजकल नए-नए स्टार्टअप शुरू हो रहे हैं. भारत में लगभग 1.5 मिलियन रजिस्टर्ड कंपनियां हैं. इसके अलावा 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स हैं. कई लोग बिजनेस तो शुरू करना चाहते हैं, लेकिन वे यह तय नहीं कर पाते हैं कि आखिर उन्हें कौन सा बिजनेस शुरू करना चाहिए ताकि उन्हें अच्छा मुनाफा भी हो सके. कुछ लोगों को कैसा लगता है कि बिजनेस शुरू करने के लिए आपको लाखों-करोड़ों रुपयों की आवश्यकता होती है. आज हम आपको ऐसे बिजनेस आईडियाज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें शुरू करने के लिए आपको बहुत कम बजट की आवश्यकता होगी. इनमें से कई बिजनेस तो ऐसे हैं जिन्हें आप घर बैठे भी शुरू कर सकते हैं और इन बिजनेस के माध्यम से अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं.

1. एफिलिएटिड मार्केटिंग का बिजनेस

यदि आपको एफिलिएटिड मार्केटिंग का नॉलेज है तो इस बिजनेस से अच्छा आपके लिए और कोई बिजनेस नहीं हो सकता है. यह आराम से आप घर बैठ कर सकते हैं. इसमें किसी कंपनी या बिजनेस के प्रोडक्ट का आपको प्रचार करना होता है. जिस पर आपको कमीशन मिलता है. कई लोग एफिलिएटिड मार्केटिंग के जरिए हर महीने लाखों रुपए कमा रहे हैं.

2. ग्राफिक डिजाइनर का काम

इस समय डिजिटल मार्केटिंग बढ़ती जा रही है. जिसके लिए लोगों को ग्राफिक डिजाइनर की भी आवश्यकता पड़ती है. ग्राफिक डिजाइनर का कोर्स बहुत ही सस्ते में और कम समय में किया जा सकता है. इसके बाद आप घर बैठे एक अच्छा बिजनेस शुरू कर सकते हैं. इसमें आपको लोगों के लिए डिज़ाइन तैयार करना ग्राफिक्स तैयार करना वेबसाइट डिजाइन करना आदि काम करने पड़ सकते हैं.

3. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े बिजनेस

यदि आपको तकनीकी ज्ञान है तो आपको आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े बिजनेस शुरू करना चाहिए. इसमें एआई से जुड़ी कोई सर्विस दी जा सकती है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डिमांड अभी बढ़ गई है और आने वाले समय में इसका फ्यूचर बहुत अच्छा है.

4. ई-कॉमर्स बिज़नेस

यदि आप जीरो इन्वेस्टमेंट वाले किसी बिजनेस के तलाश में हैं, जिसे घर बैठे किया जा सकता है तो ई-कॉमर्स बिज़नेस आपके लिए बेस्ट है. ऐसे में आपको ऑनलाइन सेवा देना ऑनलाइन सामान बेचना जैसे काम करने होंगे. भारत में आजकल ई-कॉमर्स बिज़नेस तेजी से बढ़ रहा है. इस बिजनेस के लिए आपके पास हाई स्पीड इंटरनेट और स्मार्टफोन या कंप्यूटर होना चाहिए.

5. शुरू करें ब्लॉगिंग

आप घर बैठे जीरो इन्वेस्टमेंट वाले बिजनेस के लिए ब्लॉगिंग की शुरुआत भी कर सकते हैं. इसमें लिखने के आपको पैसे मिलते हैं. यदि आपको लिखने का शौक है तो यह कमाई का अच्छा जरिया हो सकता है.

इसके अलावा आप चाहे तो व्लॉगिंग की शुरुआत भी कर सकते हैं. सबसे पहले आपको ब्लॉगिंग और व्लॉगिंग में अंतर समझना चाहिए. ब्लागिंग में आपके आर्टिकल्स या जनरल लिखने होते हैं. वही व्लॉगिंग में वीडियो बनाए जाते हैं. आप कहीं घूमने फिरने के या किसी खास विषय की जानकारी के साथ वीडियो बना सकते हैं.

6. यूट्यूब के जरिए कमाई

आजकल युवाओं में यूट्यूब का क्रेज काफी ज्यादा है. भारत के कई युटुयुबर्स हर महीने लाखों-करोड़ों रुपए कमा रहे हैं. आप भी घर बैठे अपने किसी पसंदीदा विषय पर वीडियो बनाकर अच्छी कमाई कर सकते हैं. इसके लिए भी आपको कुछ भी निवेश करने की आवश्यकता नहीं होगी.

7. शुरू करें योगा क्लास

आजकल लोग स्वास्थ्य के प्रति काफी सजग हो गए हैं. ऐसे कई लोग हैं जो जिम या योगा क्लासेस बाहर नहीं जा पाते हैं. इसीलिए आप ऑनलाइन योगा क्लासेस शुरू करके भी अच्छी कमाई कर सकते हैं.

इसके लिए आपको योग का प्रशिक्षण लेना होगा. इसके बाद न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी आप योग ट्रेनिंग दे सकते हैं. यह बिजनेस ऑनलाइन या ऑफलाइन शुरू किया जा सकता है. यदि आप ऑनलाइन इस बिजनेस को शुरू करते हैं तो इसके लिए आपको जीरो इन्वेस्टमेंट की जरूरत होगी.

8. चाइल्ड केयर की शुरुआत

ऐसे कई माता-पिता हैं, जो दोनों नौकरी करते हैं और उनके लिए अपने बच्चों को दिन में संभालना मुश्किल हो जाता है. इसलिए यदि आप घर से ही चाइल्ड केयर की शुरुआत करते हैं तो इससे भी आप अच्छी कमाई कर सकते हैं.

9. ट्रांसलेटर का काम शुरू करें

आप ट्रांसलेटर बनकर भी अच्छी कमाई कर सकते हैं. यह काम ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरीकों से किया जा सकता है. वैसे तो इस काम को ऑनलाइन या ऑफलाइन किया जा सकता है. लेकिन यदि आप पढ़ाने के शौकीन है तो ऑनलाइन ट्यूटर बनकर भी जबरदस्त कमाई कर सकते हैं.

11. इवेंट प्लानर बनकर करें कमाई

इस बिजनेस में भी आपको ज्यादा इन्वेस्टमेंट की जरूरत नहीं होती है बस आपको एक कमरे वाले दफ्तर की आवश्यकता होगी. आप चाहे तो ऑनलाइन भी इसकी शुरुआत कर सकते हैं. इसमें आपको प्रोग्राम अरेंज करने का नॉलेज होना चाहिए. जैसे किसी की शादी सालगिरह छुट्टी या फिर छुट्टियां मनाने के लिए आप इवेंट प्लान कर सकते हैं.

12. गिफ्ट हैंपर के बिजनेस की शुरुआत

इस बिजनेस को आप घर बैठे शुरू कर सकते हैं. इसमें अलग-अलग मौका के अनुसार अलग-अलग गिफ्ट हैंपर बनाकर बेचे जा सकते हैं. आजकल गिफ्ट हम पर बहुत प्रचलन में है. इसलिए यह बिजनेस आपके लिए फायदेमंद हो सकता है. आजकल घर के बने हुए फूड आइटम्स की डिमांड काफी बढ़ती जा रही है. आप केक, बिस्किट या किसी अन्य प्रकार के स्नैक्स को घर पर बनाकर भी बिजनेस कर सकते हैं. यदि आपको किसी विषय का खास ज्ञान है तो आप उसे विषय से संबंधित परामर्श देकर भी कमाई कर सकते हैं.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेकः कोर्स फीस, 2025 में प्रवेश, पाठ्यक्रम, शीर्ष कॉलेज, करियर की संभावनाएं

बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पाठ्यक्रम छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के मूल सिद्धांतों के बारे में सिखाता है ताकि वे प्रोग्रामिंग भाषा के ज्ञान और मशीन लर्निंग तकनीकों की मदद से नए बुद्धिमान सिस्टम और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन विकसित कर सकें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक पाठ्यक्रम में एल्गोरिदम का डिज़ाइन और विश्लेषण, कंप्यूटर सिस्टम आर्किटेक्चर, मशीन लर्निंग का परिचय, डेटा संचार और कंप्यूटर नेटवर्क, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण आदि जैसे विषय शामिल हैं।

बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए बुनियादी पात्रता मानदंड विज्ञान पृष्ठभूमि में भौतिकी , रसायन विज्ञान और गणित विषयों में कम से कम 50 से 60 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा 12 उत्तीर्ण करना है। कुछ कॉलेज कंप्यूटर साइंस को अनिवार्य विषय के रूप में भी पूछ सकते हैं। एआई में बीटेक की प्रवेश प्रक्रिया कक्षा 12 की मेरिट और प्रवेश परीक्षा के अंकों, दोनों पर आधारित होती है।

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक की कुछ प्रमुख प्रवेश परीक्षाएँ जेईई मेन , जेईई एडवांस्ड, टीएनईए काउंसलिंग, एपी ईएएमसीईटी , टीएस ईएएमसीईटी, एमएचटी सीईटी, केसीईटी, कॉमेडके यूजीईटी आदि हैं। भारत में 1,300 से ज़्यादा बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉलेज हैं, जिनमें आईआईटी मद्रास , आईआईटी खड़गपुर, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एनआईटी सुरथकल , एनआईटी राउरकेला, थापर यूनिवर्सिटी और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी शामिल हैं। एआई में बीटेक कोर्स की औसत फीस 8 लाख से 12 लाख के बीच है। मशीन लर्निंग इंजीनियर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट, रोबोटिक्स इंजीनियर आदि भूमिकाओं के साथ, एआई में बीटेक के कई आकर्षक करियर अवसर उपलब्ध हैं। भारत में शीर्ष भर्तीकर्ताओं में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, डेलॉइट, एक्सेंचर, एडोब आदि शामिल हैं। भारत में बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का औसत वेतन लगभग 7 लाख रुपये प्रति वर्ष है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक पाठ्यक्रम विवरणः मुख्य विशेषताएं

एआई का उज्ज्वल भविष्य बीटेक एआई स्नातकों के लिए रोमांचक अवसर प्रदान करता है जो नवीन समाधानों के साथ दुनिया को आकार देने में अपना योगदान दे सकते हैं। इच्छुक छात्र नीचे दी गई तालिका में पाठ्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं:

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक पात्रता मानदंड

बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्रों को विभिन्न कॉलेजों द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंकों की आवश्यकता को पूरा करना सुनिश्चित करना होगा। पात्रता मानदंड कॉलेज दर कॉलेज भिन्न हो सकते हैं, जिसके लिए छात्रों को संस्थानों की आधिकारिक वेबसाइट अवश्य देखनी चाहिए।

छात्र नीचे दिए गए सामान्य बीटेक इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पात्रता मानदंडों को देख सकते हैं:

छात्रों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50 से 60% अंकों के साथ कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी ।

छात्रों ने कक्षा 12 में पीसीएम (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) विषयों का अध्ययन किया होना चाहिए। कुछ संस्थान अनिवार्य विषय के रूप में कंप्यूटर विज्ञान भी मांग सकते हैं। पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी या मेरिट के आधार पर उनका चयन किया जाएगा, जो उनके आवेदन करने वाले कॉलेजों पर निर्भर करेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक प्रवेश प्रक्रिया 2025

बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स में प्रवेश पाने के लिए, छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया में शामिल कुछ महत्वपूर्ण चरणों का पालन करना होगा। प्रवेश की आवश्यकताएँ एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज में भिन्न हो सकती हैं, इसलिए, छात्रों को अपने पसंदीदा कॉलेज की सभी महत्वपूर्ण प्रवेश संबंधी सूचनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

लोकप्रिय भारतीय कॉलेजों में एआई में बीटेक के लिए मूल प्रवेश प्रक्रिया नीचे दी गई है:

योग्यताः भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित विषयों के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण। **आवेदनः** कॉलेज आवेदन पत्र अंतिम तिथि से पहले भरें।

पाम ऑयल योजनाः किसानों को रोपण से लेकर कटाई तक मिलेगी 2 लाख तक की मदद, जानें किस पर कितनी सब्सिडी

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन- पाम ऑयल (NMEO-OP) के तहत केंद्र सरकार देशभर में विशेष रूप से ओडिशा समेत अन्य राज्यों के किसानों को पाम ऑयल की खेती के लिए रोपण, सिंचाई, प्रबंधन, अंतर-फसली खेती, मशीनरी और कटाई तक हर चरण पर वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। यह जानकारी कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने 1 अगस्त को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी। इस योजना का उद्देश्य देश में खाद्य तेलों के आयात पर निर्भरता घटाना और पाम ऑयल उत्पादन को बढ़ावा देना है।

कस्टम हायरिंग सेंटर (CHC)

NMEO-OP योजना के तहत कस्टम हायरिंग सेंटर (CHC) की स्थापना के लिए प्रति इकाई 25 लाख की सहायता दी जाती है, जिसमें उपकरण, प्रशिक्षण और अनुरक्षण शामिल हैं।

मूल्य आश्वासन भी मिलेगा

किसानों को कीमत में उतार-चढ़ाव से बचाने और लाभ सुनिश्चित करने के लिए "व्यवहार्यता अंतर भुगतान" (Viability Gap Payment – VGP) प्रणाली लागू की गई है। यह मूल्य आश्वासन प्रणाली बाजार मूल्य और सरकार द्वारा तय न्यूनतम मूल्य के अंतर को भरने में किसानों की मदद करेगी।

अब तक की प्रगति और भविष्य का लक्ष्य

इस योजना का कार्यान्वयन वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक किया जा रहा है। लक्ष्य है कि भारत में पाम ऑयल उत्पादन को आत्मनिर्भर बनाया जाए और खाद्य तेलों के आयात को कम किया जा सके।

किसानों को राहतः 15 अगस्त तक बढ़ सकती है फसल बीमा की डेडलाइन, कृषि मंत्री शिवराज ने दिए निर्देश

15 अगस्त तक बढ़ सकती है फसल बीमा की डेडलाइन, कृषि मंत्री शिवराज ने दिए निर्देश – बिहार के उप मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों राज्यों के

मंत्रियों ने कृषि और किसानों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की और सुझाव दिए।

पीएम किसान सम्मान निधि कार्यक्रम में अधिकतम भागीदारी की अपील

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसानों के हित में तेजी से काम करें। उन्होंने बिहार और यूपी के मंत्रियों से अनुरोध किया कि वे आगामी 2 अगस्त को होने वाले प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के बड़े कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करें, जिससे किसान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन का लाभ ले सकें।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी वाराणसी (उत्तर प्रदेश) से पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त देशभर के किसानों के खातों में जारी करेंगे। इसी दिन शिवराज सिंह चौहान पटना (बिहार) में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

यूपी मंत्री ने की फसल बीमा योजना की तारीख बढ़ाने की सिफारिश

बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने सुझाव दिया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के पंजीकरण की अंतिम तिथि को 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त किया जाए, ताकि अधिक किसान इसका लाभ ले सकें। शिवराज सिंह चौहान ने इस सुझाव को गंभीरता से लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

किसानों के हित में अन्य सुझाव भी रखे गए

बैठक में मंत्री विजय कुमार सिन्हा और श्री शाही ने किसानों के हित में और भी कई सुझाव दिए। इस पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी सहित कृषि मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

बासमती चावल को जीआई टैग दिलवाने हेतु श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री नरेंद्र सिंह तोमर से की मुलाकात

मध्यप्रदेश के बासमती चावल को जीआई टैग दिलवाने के आग्रह के साथ मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की।

मंत्रियों को सौंपी संभागों की ज़िम्मेदारी

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इन मंत्रियों को विभिन्न संभागों का प्रभार सौंपा है, जिसमें श्री नरोत्तम मिश्रा भोपाल और उज्जैन, श्री तुलसी सिलावट इंदौर और सागर, श्री कमल पटेल जबलपुर और नर्मदा पुरम, श्री गोविंद सिंह राजपूत जबलपुर और ग्वालियर तथा सुश्री मीना सिंह को रीवा और शहडोल की जवाबदारी दी है। श्री तोमर ने कहा कि अपने-अपने अनुभव के आधार पर निश्चित रूप से डिविजनल कमिश्नर, आईजी, एसपी, कलेक्टर, स्वास्थ्य विभाग के साथ स्थानीय स्तर पर ये मंत्रीगण अच्छी तरह से कोआर्डिनेशन करेंगे।श्री तोमर ने उम्मीद जताई कि जनता को कोई परेशानी नहीं आए, इसका वे विशेष ध्यान रखेंगे। जहां-जहां निर्माण कार्य शुरू होंगे और खासकर कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित काम पर फोकस करने से प्रदेश में विकास की रफ्तार नए मंत्रियों के सहयोग से तेजी पकड़ेगी।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट, जानिए आपके क्षेत्र में कैसा रहेगा मौसम

दिल्ली-एनसीआर में पिछले 24 घंटों में हल्की-फुल्की बारिश हुई है, लेकिन कहीं ज़्यादा बारिश नहीं हुई. बारिश भले ही कम रही हो, लेकिन बादल छाए रहे और मौसम में उमस की तीव्रता बनी रही. मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त में बारिश का मुख्य कारण मानसून ट्रफ बनता है. वर्तमान में यह ट्रफ दिल्ली से दूर, दक्षिण की ओर है. फिर भी, आने वाले दिनों में यह धीरे-धीरे उत्तर की ओर खिसक सकता है जिससे दिल्ली-एनसीआर में बारिश का स्तर बढ़ सकता है. प्राइवेट मौसम एजेंसी स्काइमेट वेदर के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 22 से 26 अगस्त 2025 के बीच रुक-रुक कर मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है. विशेष रूप से 23, 24 और 25 अगस्त को बारिश अधिक तीव्र रहने की आशंका है - और रविवार, 24 अगस्त को सबसे ज़्यादा बारिश की सम्भावना जताई गई है. इतना ही नहीं, एजेंसी ने बताया है कि अगस्त में अब तक दिल्ली में बारिश की मात्रा 259.7 मिमी हो चुकी है, जो कि सामान्य 226.8 मिमी से काफी अधिक है. आने वाले दिनों की बारिश के साथ यह आंकड़ा 300 मिमी के करीब पहुंच सकता है,

रूस की निगेटिव लिस्ट में भारत की 70 जड़ी-बूटियां व मसाले

भारतीय हर्बल खेती के प्रमुख प्रतिनिधि एवं राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सदस्य डॉ. राजाराम त्रिपाठी का मॉस्को में प्रतिष्ठित "Meet & Greet" कार्यक्रम में जोरदार स्वागत किया गया. डॉ. त्रिपाठी के रूस आगमन पर उनके स्वागत के लिए विशेष रूप से आयोजित यह आयोजन संयुक्त रूप से 'इंडियन बिज़नेस एलायंस' (IBA), भारतीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र 'SITA' तथा 'कृषि जागरण' समूह द्वारा किया गया.कार्यक्रम में रूस के विभिन्न औद्योगिक, व्यापारिक और कृषि क्षेत्रों के सफल उद्यमी, डॉक्टर, किसान एवं विशेषज्ञ उपस्थित थे, जिन्होंने भारत के औषधीय पौधों, मसालों और सुपरफूड्स जैसे उत्पादों की रूसी बाजार में व्यापक मांग पर जोर दिया.

"आपके द्वारा बताए गए यह प्रतिबंध केवल व्यापारिक नुकसान नहीं, बल्कि दोनों देशों के औषधीय और स्वास्थ्य सहयोग में भी बड़ी बाधा है. मैं इसे भारत सरकार के समक्ष उच्च प्राथमिकता से उठाऊंगा और वैज्ञानिक डेटा तथा शोध के माध्यम से इसे दूर करने का हर संभव प्रयास करूंगा. इससे न केवल भारतीय किसानों को लाभ होगा बल्कि रूस के नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार आएगा."

डॉ. त्रिपाठी ने यह भी बताया कि वे जल्द ही रूस पुनः आने की योजना बना रहे हैं, जहां वे किसानों के बीच जाकर परंपरागत एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के आदान-प्रदान का आयोजन करेंगे ताकि दोनों देशों के किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिले.

कार्यक्रम के सफल आयोजन में 'इंटरनेशनल बिज़नेस एलायंस' के अध्यक्ष सैमी मनोज कोटवानी तथा 'कृषि जागरण' के संस्थापक एम.सी डोमिनिक की भूमिका महत्वपूर्ण रही है.रूस में भारतीय हर्बल एवं अरोमैटिक उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए, और अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ के संदर्भ में, रूस को वैकल्पिक निर्यात बाजार के रूप में देखा जा रहा है. इस संदर्भ में भारत-रूस के व्यापार और सांस्कृतिक सहयोग को अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता पर सभी उपस्थित लोगों ने जोर दिया.

प्रमुख तथ्यः-

रूस की निगेटिव लिस्ट में शामिल हैं लगभग 70 भारतीय औषधीय जड़ी-बूटियां, जिनमें अत्यंत महत्वपूर्ण अश्वगंधा भी है. इस प्रतिबंध का कारण रूस में भारत की औषधीय जड़ी-बूटियों के वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी बताई गई है. डॉ. त्रिपाठी भारत सरकार के समक्ष इसे उच्च प्राथमिकता से उठाकरवैज्ञानिक साक्ष्यों के माध्यम से प्रतिबंध हटाने के लिए प्रयासरत.रूस में भारतीय मसालों, सुपरफूड्स, मिलेट्स एवं एरोमैटिक उत्पादों की प्रबल मांग. अमेरिका की 25% टैरिफ की पृष्ठभूमि में रूस को भारत के लिएएक महत्वपूर्ण वैकल्पिक निर्यात बाजार के रूप में माना जा रहा है.डॉ. त्रिपाठी शीघ्र ही रूस आकर भारतीय एवं रूसी किसानों के बीचपारंपरिक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के आदान-प्रदान की पहल करेंगे.

आईबीए अध्यक्ष मनोज कोटवानी ने कार्यक्रम समापन पर कहा कि, यह कार्यक्रम कृषि, स्वास्थ्य और व्यापार के क्षेत्रों में भारत-रूस के सहयोग को नए आयामों पर ले जाने का अवसर है. डॉ. त्रिपाठी का यह मिशन न केवल भारतीय हर्बल उत्पादकों को सशक्त बनाएगा, बल्कि दोनों देशों के बीच आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनोज कोटवानी, लेरिसा मात्रसोवा, डॉ राकेश श्रीवास्तव, डॉ राजीव वर्मा, डॉ बेन्नी मैथ्यू, डॉ अतुल चक्रपाणि, एंडी कोटवानी, शुभम, रोहित, रोनी सहित बड़ी संख्या में भारतीय तथा रुसी उद्यमियों की भागीदारी रही.

मॉस्को में आयोजित यह "Meet & Greet" भारतीय हर्बल उद्योग की वैश्विक उपस्थिति मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

सॉफ्टवेयर इंजीनियर से सफल गौपालक बने असीम रावत, सालाना टर्नओवर पहुंचा 10 करोड़ रुपये से अधिक!

अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़कर एक नया और अनजाना रास्ता चुनना बहुत साहस का काम होता है. उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के असीम रावत ने ऐसा ही साहसिक निर्णय लिया और देसी गायों की डेयरी पर केंद्रित एक व्यवसाय खड़ा कर दिखाया. 14 वर्षों तक आईटी सेक्टर में काम करने के बाद उन्होंने एक सफल सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी को अलविदा कहा और पूरी तरह से देसी गायों पर आधारित डेयरी फार्मिंग (Desi Cow Dairy Farming) में जुट गए. आज उनकी संस्था Hetha Organics न केवल देश की जानी-मानी ब्रांड बन चुकी है, बल्कि इसका वार्षिक टर्नओवर 10 करोड़ रुपये से अधिक है. 1100 से ज्यादा गौवंश, 130 से ज्यादा उत्पाद, 5 फार्म लोकेशन और 110 से अधिक कर्मचारियों के साथ Hetha Organics एक स्वदेशी नवाचार की जीवंत मिसाल बन चुकी है. ऐसे में आइए डेयरी किसान असीम रावत की सफलता की कहानी के बारे में विस्तार से जानते हैं- एक टीवी कार्यक्रम ने बदल दी दिशा उनकी सोच में सबसे बड़ा बदलाव तब आया, जब उन्होंने एक टीवी डिबेट में देसी गायों को लेकर बहस देखी. एक पक्ष का कहना था कि देसी गायें डेयरी फार्मिंग के लिए उपयुक्त नहीं हैं, क्योंकि वे कम दूध देती हैं. उनके अनुसार, डेयरियां सिर्फ भैंसों या विदेशी नस्ल की गायों से ही सफलतापूर्वक चलाई जा सकती हैं. वहीं, दूसरा पक्ष उनके धार्मिक, सांस्कृतिक और औषधीय गुणों पर जोर दे रहा था. यह बात असीम को बहुत गंभीर लगी, क्योंकि बचपन से ही वे यह पढ़ते और सुनते आए थे कि गाय में लक्ष्मी का वास होता है और वह हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है. लेकिन उस कार्यक्रम में सामने आई बातें इस धारणा से बिलकुल अलग थीं.

तभी उन्होंने सोचा, "अब यह केवल सोचने की नहीं, बल्कि करके दिखाने की बात है." उन्होंने यह सिद्ध करने का निश्चय किया कि देसी गायों से भी एक लाभकारी और सफल डेयरी व्यवसाय (Dairy Business) चलाया जा सकता है.

परिवार की आशंका और शुरुआती संदेह

जब असीम रावत ने अपने माता-पिता से अपनी योजना साझा की कि वे देसी गाय पालन (Desi Cow Dairy Farming) करना चाहते हैं, तो उन्हें बहुत चिंता हुई. एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर, जिसने दुनियाभर में काम किया हो,

बदला जाएगा मुंबई इंडियंस की टीम का नाम, 700 करोड़ की डील के बाद लिया गया फैसला? रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

मुंबई इंडियंस फ्रैंचाइजी विदेशों में भी खूब सारा पैसा इन्वेस्ट कर रही है. कुछ सप्ताह पहले ही MI फ्रैंचाइजी ने द हंड्रेड लीग की ओवल इन्विंसिबल्स टीम में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है. अब एक मीडिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ओवल इन्विंसिबल्स को 'MI London' नाम से जाना जाएगा. यह नया नाम अगले सीजन से लागू होगा. बता दें कि ओवल इन्विंसिबल्स ऐसी छठी टीम बनी थी, जिसका मालिकाना हक मुंबई इंडियंस के पास है.द टेलीग्राफ के मुताबिक द हंड्रेड सीजन 2026 से पहले ओवल इन्विंसिबल्स का नाम बदल कर 'MI London' कर दिया जाएगा. 2025 सीजन शुरू होने से पहले द हंड्रेड टीमों की कम से कम 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए बोली लगनी शुरू हुई थी. इनमें से MI फ्रैंचाइजी ने ओवल इन्विंसिबल्स टीम के लिए बोली लगाई थी, जिसकी वैल्युएशन 123 मिलियन पाउंड्स बताई गई थी. चूंकि मुंबई इंडियंस ने 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है, जिसके लिए उसे करीब 60 मिलियन पाउंड्स से ज्यादा रकम चुकानी होगी. जो भारतीय मुद्रा में करीब 700 करोड़ रुपये से ज्यादा होगी.

ओवल इन्विंसिबल्स की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी अब मुंबई इंडियंस के पास है, बाकी 51 प्रतिशत का मालिक अब भी सरे काउंटी क्लब है. द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक सरे चाहता था कि ओवल इन्विंसिबल्स को उसी का नाम मिले, इसके बावजूद अगले सीजन से टीम का नाम MI लंदन कर दिया जाएगा.

मुंबई इंडियंस की कुल 6 टीम

मुंबई इंडियंस फ्रैंचाइजी की अब दुनियाभर में कुल 6 टीम हो गई हैं. BCCI द्वारा संचालित इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) और वीमेंस प्रीमियर लीग (WPL) में मुंबई इंडियंस टीम खेलती हैं. अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (MLC) में MI न्यू यॉर्क का मालिकाना हक मुंबई इंडियंस के पास है. इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की SA20 में MI केपटाउन, इंटरनेशनल लीग टी20 (ILT20) में MI एमिरेट्स और इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में ओवल इन्विंसिबल्स, इन सभी की मालिक

अब कभी नहीं होगा भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच? क्या कहती है भारत सरकार की नई नीति

एशिया कप 2025 से पहले भारत सरकार की नई नीति सामने आई है. इसके बाद क्या कभी क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान का मैच नहीं हो पाएगा? भारत और पाकिस्तान के बीच 13 सालों से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है. उसके बाद एशिया कप, वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी समेत अन्य मल्टी-नेशन टूर्नामेंट्स में भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने आती रही हैं. इन दिनों एशिया कप में भारत-पाक मैच (Asia Cup India vs Pakistan) मैच चर्चा में रहा है. इसी बीच भारत सरकार नई नीति लेकर आई है, जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच कभी कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जाएगी.

क्या कहती है भारत सरकार की नई नीति?

भारत सरकार ने नई नीति लागू की है, जो कहती है कि, "भारत या फिर पाकिस्तान, कहीं भी द्विपक्षीय स्पोर्ट्स इवेंट खेला जाता है, तो भारतीय खिलाड़ी/टीमें पाकिस्तान में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेंगी. हम पाकिस्तानी खिलाड़ी/टीमों को भारत आने की अनुमति भी नहीं देंगे. जहां तक अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय खेल आयोजनों की बात है, हम अंतर्राष्ट्रीय खेल संस्थाओं के नियमों और अपने खिलाड़ियों के हितों का ध्यान रखेंगे."

कभी नहीं होगा भारत-पाकिस्तान मैच?

भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीमों के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2012 में खेली गई थी. वहीं 2008 एशिया कप के बाद टीम इंडिया कभी पाकिस्तान की धरती पर क्रिकेट मैच नहीं खेली है. भारत सरकार की नई नीति से साफ हो जाता है कि फिलहाल भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी खेल में कोई द्विपक्षीय सीरीज संभव नहीं है.

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर कैसा होना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के प्राचीन सिद्धांतों को समझने से आपको एक संतुलित और सुकूनभरा घर बनाने में मदद मिलेगी। भारतीय परंपरा में जड़ें जमाए, वास्तु शास्त्र के अनुसार घर ऐसी गाइडलाइन्स प्रदान करता है जो सकारात्मकता, स्वास्थ्य और समृद्धि को बढ़ावा देते हैं। घर का वास्तु शास्त्र समझकर, आप एक ऐसा स्थान बना सकते हैं जो संतुलन और शांति का प्रतीक हो, चाहे वह नया घर हो या मौजूदा। यहां बताया गया है कि आपके घर के प्रत्येक हिस्से में ये सिद्धांत कैसे झलक सकते हैं।

वास्तु क्यों महत्वपूर्ण है?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर केवल वास्तुकला के बारे में नहीं है; यह ऊर्जा प्रवाह का विज्ञान है। इसका उद्देश्य आपके रहने के वातावरण को प्रकृति के पांच तत्वों – पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश – के साथ संतुलित करना है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार मकान बनाने का नक्शा चाहिए, तो इन सिद्धांतों का पालन करके आपका घर एक सुखद स्थान बन सकता है जो कल्याण, सफलता और खुशी को प्रोत्साहित करता है। इन गाइडलाइन्स को नज़रअंदाज़ करने से मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, एक समग्र जीवनशैली के लिए वास्तु का ध्यान रखना आवश्यक है।

घर के मुख्य दरवाजे की आदर्श दिशा

आपके घर का मुख्य दरवाजा ऊर्जा प्रवाह का प्रवेश द्वार है और पूरे घर का वातावरण तय करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का नक्शा बनाते समय मुख्य दरवाजे के लिए सबसे शुभ दिशाएं पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व मानी जाती हैं। इसके अतिरिक्त, दरवाजा अच्छी तरह से रोशनी वाला, अव्यवस्था-रहित और सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत करने वाला होना चाहिए। दरवाजे के पास कूड़ेदान, टूटी हुई चीजें या अवरोध रखने से बचें, क्योंकि ये समृद्धि को रोक सकते हैं। एक व्यवस्थित मुख्य दरवाजा समृद्धि को आमंत्रित करता है और नकारात्मक प्रभावों से बचाव करता है।

वास्तु के अनुसार लिविंग रूम

लिविंग रूम घर का सामाजिक केंद्र है और इसमें गर्मजोशी और आतिथ्य की भावना होनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, लिविंग रूम के लिए उत्तर या पूर्व दिशा सबसे उपयुक्त है। फर्नीचर और सजावट इस तरह से रखें कि सहजता से बातचीत और आवागमन हो सके। भारी फर्नीचर को दक्षिण-पश्चिम में और हल्के फर्नीचर को उत्तर या पूर्व में रखें। हल्के नीले, बेज या पेस्टल जैसे शांत रंगों का उपयोग करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा बढ़ सके। यह सुनिश्चित करेगा कि यह स्थान खुला, स्वागत योग्य और शांतिपूर्ण महसूस हो।

वास्तु के अनुसार बेडरूम

बेडरूम आपका व्यक्तिगत स्थान है और इसे शांति और आराम सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। मुख्य बेडरूम के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा सबसे उपयुक्त है, क्योंकि यह स्थिरता और सामंजस्य को बढ़ावा देता है। बिस्तर का सिरहाना दक्षिण या पूर्व दिशा में होना चाहिए और इसे एक ठोस दीवार से टिकाकर रखा जाना चाहिए। बिस्तर के सामने आईना रखने से बचें, क्योंकि इससे नींद में खलल पड़ सकता है। बिस्तर के नीचे इलेक्ट्रॉनिक्स और अव्यवस्था भी ऊर्जा प्रवाह को बाधित कर सकती है, इसलिए इन्हें न्यूनतम रखें।

बेडरूम में शांत रंगों जैसे पेस्टल, क्रीम या मिट्टी के रंगों का चयन करें। सजावट में पौधे, पानी के फव्वारे, या नुकीली चीजें न रखें, क्योंकि ये शांति भंग कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार घर का नक्शा ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया बेडरूम रिश्तों, स्वास्थ्य और मानसिक शांति को बढ़ावा दे सकता है।

वास्तु के अनुसार रसोई

रसोई घर में अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करती है, इसलिए इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना सबसे अच्छा है। खाना बनाते समय चूल्हे का मुंह पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए ताकि सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो।

रसोई को सीढ़ी के नीचे या बाथरूम के पास न बनाएं, क्योंकि यह घर के स्वास्थ्य और सद्भाव को बाधित कर सकता है।

वास्तु टिप्स प्रत्येक कमरे के लिए

वास्तु घर डिजाइन के अनुसार, घर के प्रत्येक कमरे का एक विशिष्ट उद्देश्य होता है और इसे ध्यानपूर्वक डिज़ाइन करने की आवश्यकता होती है। Study room को स्पष्टता और ध्यान के लिए उत्तर-पूर्व में रखें, जबकि पूजा कक्ष को आध्यात्मिक विकास के लिए पूर्व दिशा में रखें। बाथरूम उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पूर्व में होने चाहिए ताकि नकारात्मक ऊर्जा दूर हो सके। कमरों की सही व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि आपके घर का हर कोना सकारात्मकता और कार्यक्षमता के साथ गूंजे, जिससे शरीर, मन और आत्मा को पोषण मिले।

घर के लिए सही रंगों का चयन

रंग आपके घर की ऊर्जा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वास्तु हल्के रंगों जैसे सफेद, क्रीम और पेस्टल टोन की सिफारिश करता है ताकि एक शांत वातावरण बनाया जा सके। गहरे रंगों का अधिक उपयोग करने से बचें, क्योंकि यह ऊर्जा को भारी बना सकते हैं। सही रंग विकल्प मूड को प्रोत्साहित कर सकते हैं और ऊर्जा के कंपन को संतुलित कर सकते हैं।

निष्कर्ष

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का नक्शा बनाना एक सामंजस्य और समृद्धि का स्थान तैयार करता है। इन सिद्धांतों के साथ अपने घर को संतुलित करके, आप बेहतर रिश्तों, स्वास्थ्य और समृद्धि को अपना सकते हैं।

वास्तु-अनुकूल घर बनाने की शुरुआत एक मजबूत नींव से होती है, और जे.के. सीमेंट आपकी निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यहां है।भारत के अग्रणी मजबूत सीमेंट निर्माताओं में से एक, जे.के. सीमेंट उच्च गुणवत्ता वाले ग्रे सीमेंट समाधान प्रदान करता है।

किस दिशा में मुख वाला घर सबसे भाग्यशाली माना जाता है?

पूर्व मुख वाले घर सबसे भाग्यशाली माने जाते हैं, क्योंकि यह अधिकतम सूर्य प्रकाश प्राप्त करते हैं, जो सकारात्मकता और विकास का प्रतीक है। उत्तर मुख वाले घर भी शुभ माने जाते हैं, जो धन और समृद्धि लाते हैं।

पूरे शरीर के लिए घर पर ही किए जाने वाले व्यायाम

घर पर अपने लिविंग रूम में व्यायाम करना कभी-कभी जिम जाने का एक बुरा विकल्प माना जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि आप घर पर भी उतना ही अच्छा व्यायाम कर सकते हैं। 1 इसके अलावा, ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से आप जिम जाने की बजाय घर पर ही व्यायाम करना पसंद कर सकते हैं: हो सकता है कि आप व्यायाम के लिए अपेक्षाकृत नए हों और जिम की ऊर्जा थोड़ी ज़्यादा आक्रामक लगे। या हो सकता है कि आपने अपने साथी वीकेंड वॉरियर्स को अपने जिम उपकरणों को पोंछते हुए न देखा हो, इसलिए आपको सफ़ाई की चिंता हो रही हो।

घर पर रहने की आपकी वजह चाहे जो भी हो, हमने कुछ ऐसे व्यायाम बताए हैं जिनसे आप घर पर ही पूरे शरीर की कसरत कर सकते हैं - बिना किसी उपकरण की ज़रूरत के। आखिरकार, जिम हर किसी के लिए नहीं हो सकता, लेकिन व्यायाम हर किसी के लिए है। 2कोई भी नया व्यायाम कार्यक्रम शुरू करने से पहले हमेशा अपने चिकित्सक से परामर्श करें।

घर पर व्यायाम करने के लाभ

घर पर कसरत कैसे करें?

सफल घरेलू कसरत के लिए शीर्ष सुझाव

घर पर व्यायाम करने के लाभ

इन दिनों, हम में से कई लोग बैठे-बैठे ही अपना ज़्यादा से ज़्यादा समय बिता रहे हैं, जिसका असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। 3 निष्क्रियता को ब्रिटेन के स्वास्थ्य विभाग ने एक "खामोश हत्यारा" बताया है, 4 और अध्ययनों में इसे मोटापे, टाइप 2 मधुमेह, कुछ कैंसर और यहाँ तक कि समय से पहले मृत्यु से भी जोड़ा गया है। 5 सौभाग्य से, हम नियमित व्यायाम से निष्क्रियता के कारण होने वाले खराब स्वास्थ्य के जोखिम को कम कर सकते हैं 6 - और यहीं पर यह घरेलू कसरत काम आ सकती है।

वज़न प्रबंधन के दर्द निवारक लाभों के बारे में और जानें । स्वस्थ वज़न सुनिश्चित करने के लिए गतिविधि बेहद ज़रूरी है। मोटापे और दर्द के बीच गहरा संबंध है,7और ये अतिरिक्त वज़न हमारे शरीर पर अतिरिक्त भार डालकर तनाव डाल सकते हैं, साथ ही हमारी मुद्रा भी खराब कर सकते हैं।8हर दिन सक्रिय रहना और 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे तेज़ चलना, साइकिल चलाना, या एक्वा एरोबिक्स) या 75 मिनट ज़ोरदार व्यायाम करने का साप्ताहिक लक्ष्य रखने की सलाह दी जाती है।इससर्किट ट्रेनिंग में शामिल गतिविधियाँ ज़ोरदार हैं, इसलिए आप देख सकते हैं कि इसे हफ़्ते में दो बार करने से आप कितनी जल्दी उस लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं!

घर पर कसरत कैसे करें?

इस घर पर किए जाने वाले वर्कआउट में बॉडीवेट व्यायाम आपकी पीठ, छाती, पैर, पेट और बाहों को लक्षित करते हैं, जिससे शरीर की संपूर्ण शक्ति का निर्माण होता है। 9 इसमें हृदय स्वास्थ्य का समर्थन करने और स्वस्थ वजन बनाए रखने में आपकी मदद करने के लिए कार्डियो घटक भी है। 10 कार्डियो व्यायाम करना घर पर वजन कम करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है, अगर वसा जलाना या वजन कम करना आपका लक्ष्य है तो यह एक बेहतरीन वर्कआउट है।

आप इस वर्कआउट को अपने घर में कहीं भी कर सकते हैं, जहाँ थोड़ी जगह हो, और आपको स्टॉपवॉच के अलावा किसी और उपकरण की ज़रूरत नहीं है (आप एक भौतिक स्टॉपवॉच या स्टॉपवॉच फ़ंक्शन वाली कोई भी चीज़, जैसे स्मार्टवॉच या अपना फ़ोन इस्तेमाल कर सकते हैं)। पूरे वर्कआउट को पूरा होने में लगभग 30 मिनट लगने चाहिए।

यह वर्कआउट पाँच अलग-अलग व्यायामों से बना है। प्रत्येक व्यायाम को 30 सेकंड तक करें और फिर अगले व्यायाम पर जाएँ। इस दौरान जितना हो सके उतने दोहराव पूरे करने पर ध्यान केंद्रित करें और अच्छी मुद्रा बनाए रखें। प्रत्येक व्यायाम के बीच 20 सेकंड का आराम ज़रूर ल ें। जब आप सभी पाँचों व्यायाम कर लें, तो एक मिनट का पूरा आराम करें। यह एक राउंड है। पूरे शरीर, संयुक्त शक्ति और कार्डियो वर्कआउट के लिए चार और राउंड पूरे करें – और वह भी अपने घर बैठे आराम से।

व्यवहार में, यह कसरत कुछ इस प्रकार दिखती है:

व्यायाम #1 को 30 सेकंड तक करें।
20 सेकंड तक आराम करें।
व्यायाम संख्या 2 को 30 सेकंड तक करें।
20 सेकंड तक आराम करें।
व्यायाम संख्या 3 को 30 सेकंड तक करें।
20 सेकंड तक आराम करें।
व्यायाम संख्या 4 को 30 सेकंड तक करें।
20 सेकंड तक आराम करें।
व्यायाम संख्या 5 को 30 सेकंड तक करें।
1 मिनट आराम करें.
चरण 1 से 10 तक को चार बार और दोहराएं।

बिना किसी देरी के, आइए मुख्य कार्यक्रम की ओर बढ़ते हैं: अभ्यास। व्यायाम लक्ष्य: लगभग पूरा शरीर, लेकिन विशेष रूप से बाहें, छाती, पीठ और कोर (पेट की मांसपेशियों सहित)।

इसे कैसे करें: अपने हाथों को कंधों के ठीक नीचे रखते हुए, उंगलियाँ फैलाकर, अपने पैरों के बल नीचे आ जाएँ। अपने पैरों को इस तरह फैलाएँ कि आप अपने हाथों और पैरों पर संतुलन बनाए रखें, और आपका शरीर एक सीधी रेखा में हो। अपनी कोहनियों को मोड़ें और अपनी छाती को ज़मीन की ओर झुकाएँ, अपने कोर को सक्रिय रखें। धीरे-धीरे आगे बढ़ें, नियंत्रण बनाए रखें, और सुनिश्चित करें कि आपकी कोहनियाँ बगल की ओर न फैली हुई हों, बल्कि पीछे की ओर हों। खुद को ऊपर की ओर धकेलें, लेकिन ध्यान रखें कि गति के शीर्ष पर आपकी कोहनियाँ लॉक न हों।

लक्ष्य: संपूर्ण शरीर, लेकिन विशेषकर कोर, कंधे और भुजाएं।

इसे कैसे करें: पुश-अप की स्थिति में आएँ (वह स्थिति जिसमें आप अपनी छाती को ज़मीन की ओर नीचे करने से पहले होते हैं)। अपने कोर को सक्रिय रखने पर ध्यान केंद्रित करें, अपने श्रोणि को अपने नीचे दबाए रखें और अपनी आंतरिक जांघों को आपस में इस तरह चिपकाएँ जैसे आप उनके बीच एक कागज़ का टुकड़ा रखने की कोशिश कर रहे हों। पूरे 30 सेकंड तक रुकें, या जब तक आपको अपनी मुद्रा तोड़ने के लिए मजबूर न होना पड़े।

सफल घरेलू कसरत के लिए शीर्ष सुझाव

वर्कआउट से पहले हमेशा वार्म-अप करें और बाद में कूल-डाउन करें। इससे चोट लगने से बचाव होगा और आपका वर्कआउट ज़्यादा प्रभावी भी होगा - चाहे घर पर हो या जिम में। कुछ मिनटों तक तेज़ी से एक ही जगह पर मार्च करने की कोशिश करें, उसके बाद घुटनों को ऊपर उठाएँ। प्रत्येक घुटने को विपरीत कोहनी तक उठाएँ और बारी-बारी से घुटनों का इस्तेमाल करते हुए इस क्रिया को 30 सेकंड में 30 बार दोहराने का लक्ष्य रखें।

किसी भी नए व्यायाम कार्यक्रम को शुरू करने से पहले, इसमें यह भी शामिल है, हमेशा अपने डॉक्टर से परामर्श लें। खुद को चुनौती देते हुए और अपनी फिटनेस के स्तर को बेहतर बनाते हुए थोड़ी-बहुत बेचैनी महसूस होना बिल्कुल सामान्य है,

बच्चों की डाइट में भूलकर भी शामिल न करें ये 5 चीजें, इम्यूनिटी पर पड़ता है असर

5 से 17 साल की उम्र के बच्चों को रोजाना 60 मिनट यानी एक घंटे एक्सरसाइज करनी चाहिए। बच्चों को ज्यादातर एरोबिक, शारीरिक गतिविधियां जैसे खेल-कूद, स्विमिंग, दौड़ाना चाहिए। इसमें जोरदार-तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधियों के साथ-साथ मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत करने वाली एक्सरसाइज को भी हफ्ते में कम से कम 3 दिन शामिल करनी चाहिए। अगर आपका बच्चा बहुत ज्यादा फिट है और उसकी शारीरिक शक्ति भी अधिक है, तो वह 1 घंटे से ज्यादा एक्सरसाइज कर सकता है।

बच्चों की डाइट में भूलकर भी शामिल न करें ये 5 चीजें, इम्यूनिटी पर पड़ता है असर

बच्चों की डाइट में पोषण एड करना किसी बड़े टास्क से कम नहीं है। छोटे बच्चों के खाने को लेकर बहुत नखरे होते हैं। बच्चे हेल्दी चीजों की जगह अनहेल्दी चीजों का सेवन ज्यादा करते हैं। ऐसे में उनकी डाइट में पोषक तत्व वाली चीजें एड करना काफी मुश्किल होता है। अब जंक या तले-भूनी चीजों की आदत को बच्चों को छुड़वाई जा सकती है। लेकिन कई बार हम अनहेल्दी चीजों को हेल्दी समझकर बच्चों की डाइट में दे रहे होते हैं। ऐसे में फर्क समझना मुश्किल हो जाता है कि इनमें से कौन सी चीजें बच्चों को देनी चाहिए। तो आइए आज इसी विषय पर बात करते हुए जानें ऐसी ही कुछ चीजें, जो बच्चों की डाइट से अवॉइड करनी चाहिए।

पैकेज्ड जूस-

अक्सर हम अपने बच्चों को पैकेज्ड जूस पीने के लिए दे देते हैं। जबकि यह बच्चों को फायदे की जगह नुकसान करता है। पैकेज्ड जूस और सोडा में केवल चीनी इस्तेमाल की जाती है। इन्हें फ्रेश रखने के प्रिजर्वेटिव्स इस्तेमाल होते हैं, जो बच्चे की सेहत को नुकसान करते हैं। इन चीजों के सेवन से बच्चों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है, साथ ही इनसे बच्चों के दांत भी खराब हो सकते हैं।

प्रोसेस्ड और फ्राइड फूड-

मार्केट के पैकेज्ड फूड जैसे कि चिप्स, बिस्किट खाना भी बच्चों को नुकसान कर सकता है। इसके साथ ही ज्यादा तला-भूनी खाना भी बच्चे की सेहत को नुकसान करता है। इन चीजों के सेवन से बच्चों का वजन भी बढ़ सकता है।

ज्यादा मीठा खाना-

कैंडी और मिठाई जैसी चीजें बच्चों की डाइट में कम मात्रा में एड करें। क्योंकि इन चीजों में केवल ज्यादा चीनी इस्तेमाल की जाती है। इन चीजों के सेवन से बच्चों को छोटी उम्र में ही कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अगर बच्चों को मीठा खाना पसंद है, तो उन्हें गुड़ या छुआरे से बनी चीजें खाने के लिए दें।

ज्यादा कैफीन लेना

अगर आप भी बच्चों को कभी-कभी चाय या कॉफी दे देते हैं, तो यह भी बच्चे की सेहत को नुकसान कर देता है। चाय-कॉफी में कैफीन अधिक मात्रा में होता है, इनके सेवन से बच्चों के नर्वस सिस्टम पर असर पड़ सकता है।

ट्रांस फैट्स वाली चीजें-

ट्रांस फैट्स वाले खाद्य पदार्थ बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर कर सकते हैं। इनमें बाहर का जंक फूड और मैदा से बनी चीजों को शामिल किया गया है। इन चीजों के सेवन से बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप बच्चों को इनमें से कोई भी चीज देते हैं, तो उन्हें धीरे-धीरे आदत छुड़वाएं। इनकी जगह आप हेल्दी स्नैक्स ऑप्शन्स बच्चों के लिए चुनें।

सुबह उठते ही एड़ी में होता है दर्द, तो हो सकता है Plantar Fasciitis; डॉक्टर ने बताया कैसे पाएं राहत

रोजमर्रा की जिंदगी में अक्सर कई ऐसी समस्याएं होती हैं, जिन्हें हम आम मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। एड़ी का दर्द इन्हीं समस्याओं में से एक है, जिसकी वजह से अक्सर कई तरह की परेशानी होती है। खासकर सुबह सोकर उठने के बाद कई लोगों को एड़ी में दर्द की समस्या होती है। हालांकि, आम दर्द नहीं है और इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए। ऐसे में एड़ी के इस दर्द के बारे में विस्तार से जानने के लिए हमने मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स गुरुग्राम ऑर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट के डायरेक्टर डॉ. हेमंत शर्मा से बातचीत की। साथ ही हमने यह जानने की भी कोशिश की कि आखिर सुबह उठते ही एड़ी में दर्द क्यों होता है और इसके क्या कारण है। इसके अलावा हमने यह भी जाना कि इससे राहत पाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

क्यों होता है एड़ी में दर्द?

डॉक्टर ने बताया कि अगर आपको सुबह उठते ही एड़ी में दर्द होता है, जो यह आम नहीं है। इसके पीछे प्लांटर फेशिआइटिस हो सकता है। यह ऐसी कंडीशन है, जिसमें पैर के तलवे के नीचे की मांसपेशियां टाइट हो जाती हैं।

इसके कुछ और लक्षण निम्न हैं-

एड़ी में दर्द पैर के आर्च में दर्द,अकड़न,एड़ी के आसपास सूजन, अकिलीज टेंडन में कसाव,

क्यों होता है प्लांटर फेशिआइटिस?

प्लांटर फेशिआइटिस के कई कारण हो सकते हैं। इसके प्रमुख कारणों में ओवर वेट होना, बहुत ज्यादा खड़े रहने वाला काम करना, अगर आप पुरुष है, तो यूरिक एसिड का बढ़ना इसकी वजह हो सकता है। इसके अलावा महिलाओं में हाई हील्स पहनने की वजह से भी यह समस्या हो सकती है। साथ ही सबसे जरूरी काफ मसल का टाइट होना यानी पिंडली की मसल का टाइट होना भी इस समस्या की वजह हो सकता है।

कैसे पाएं इससे राहत?

प्लांटर फेशिआइटिस से राहत पाने के लिए एक्सरसाइज सबसे बढ़िया तरीका है। आप इसके लिए काफ मसल स्ट्रेचिंग कर सकते हैं। हालांकि, कुछ लोग इसके लिए इंजेक्शन लगाने की भी सलाह देते हैं, लेकिन यह इंजेक्शन ज्यादातर स्टेरॉयड होते हैं, जिन्हें लगाने से बचना चाहिए।

साथ ही अगर आपका वेट ज्यादा है, तो वेट को कम करने की कोशिश करें। साथ ही अपने फुटवियर ऐसे पहनें, जिनके अंदर का सोल सॉफ्ट हो।

भारत पर हाई टैरिफ समझ से परे पुतिन से मिले भारतीय विदेशमंत्री

जयशंकर ने भारत की जरूरतों के आधार पर रूस तेल की खरीद को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद भारत और रूस का रिश्ता दुनिया के सबसे स्थिर रिश्तों में से एक रहा है। दोनों देशों ने व्यापार संतुलित करने के लिए भारत से रूस को कृषि, मेडिसन और कपड़े का इंपोर्ट बढ़ाने पर सहमति जताई। जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस व्यापार में नॉन-टैरिफ दिक्कतों को हटाने और रेगुलेशन समस्याओं को जल्द सुलझाने के लिए काम करेंगे। इससे भारत का इंपोर्ट बढ़ेगा और ट्रेड डेफिसिट (व्यापार असंतुलन) कम होगा।

रूसी डिप्लोमेट रोमन बाबुश्किन ने एक दिन पहले यानी बुधवार को कहा था कि रूस के कच्चे तेल का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि ये बहुत सस्ता है। उन्होंने कहा था- रूसी कच्चे तेल पर भारत को करीब 5% की छूट मिल रही है। भारत इस बात को समझता है कि तेल आपूर्ति को बदलने का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि इससे उसे बहुत ज्यादा मुनाफा हो रहा है। भारत पर अमेरिकी दबाव को भी रूस ने गलत बताया है। भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2% (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45% (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है। बाबुश्किन ने कहा- भारत के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है, लेकिन हमें भारत के साथ अपने रिश्तों पर भरोसा है। हमें विश्वास है कि बाहरी दबाव के बावजूद भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने ने ये भी कहा कि अगर भारतीय सामान अमेरिकी बाजार में नहीं जा सकते, तो वे रूस की तरफ जा सकते हैं। जयशंकर ने सर्गेई लावरोव के साथ बैठक में रूसी सेना में काम कर रहे भारतीयों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कई भारतीयों को रिहा किया जा चुका है, लेकिन ऐसे कुछ मामले अभी भी बने हुए हैं। जयशंकर ने यूक्रेन, पश्चिम एशिया और अफगानिस्तान जैसे मुद्दों पर बातचीत की। भारत ने शांति के लिए बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया। रूस का कहना है कि उसके कच्चे तेल का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि ये बहुत सस्ता है। आज यानी, 20 अगस्त को सीनियर रूसी डिप्लोमेट रोमन बाबुश्किन ने ये बात कही। उन्होंने कहा- रूसी कच्चे तेल पर भारत को करीब 5% की छूट मिल रही है। भारत इस बात को समझता है कि तेल आपूर्ति को बदलने का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि इससे उसे बहुत ज्यादा मुनाफा हो रहा है। भारत पर अमेरिकी दबाव को भी रूस ने गलत बताया है। ये बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के रिश्ते बिगड़ रहे हैं। अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल खरीदने के चलते 50% टैरिफ लगाया है।

रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा भारत

बाबुश्किन ने कहा- भारत के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है, लेकिन हमें भारत के साथ अपने रिश्तों पर भरोसा है। हमें विश्वास है कि बाहरी दबाव के बावजूद भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने ने ये भी कहा कि अगर भारतीय सामान अमेरिकी बाजार में नहीं जा सकते, तो वे रूस की तरफ जा सकते हैं।

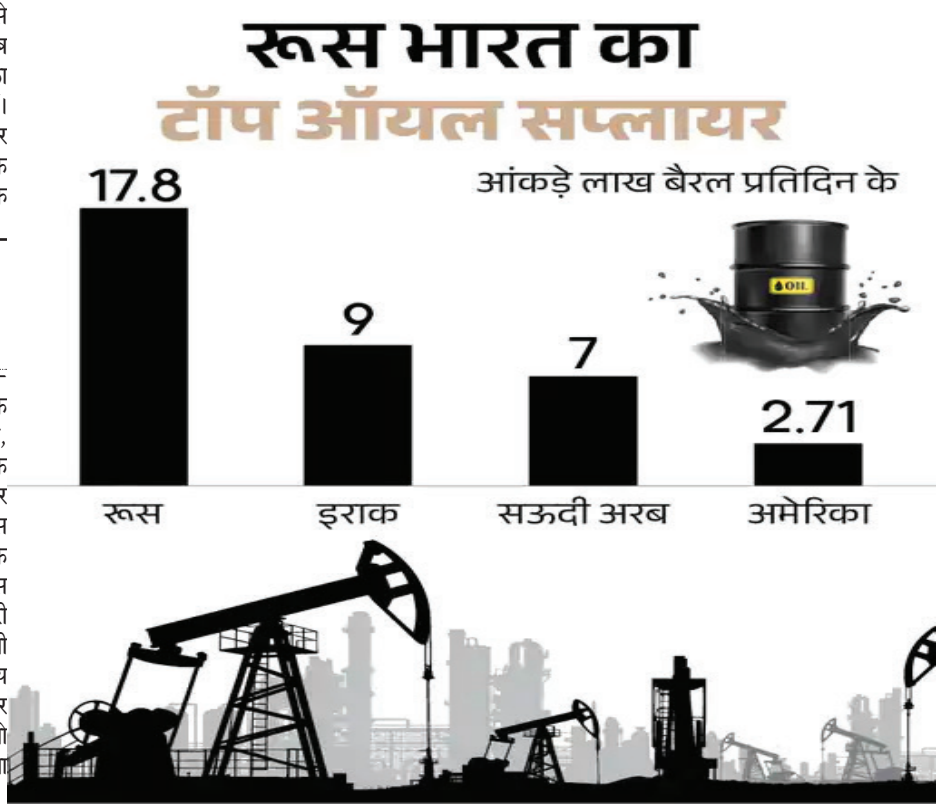

वेल्थ मैनेजमेंट कैसे काम करता है?

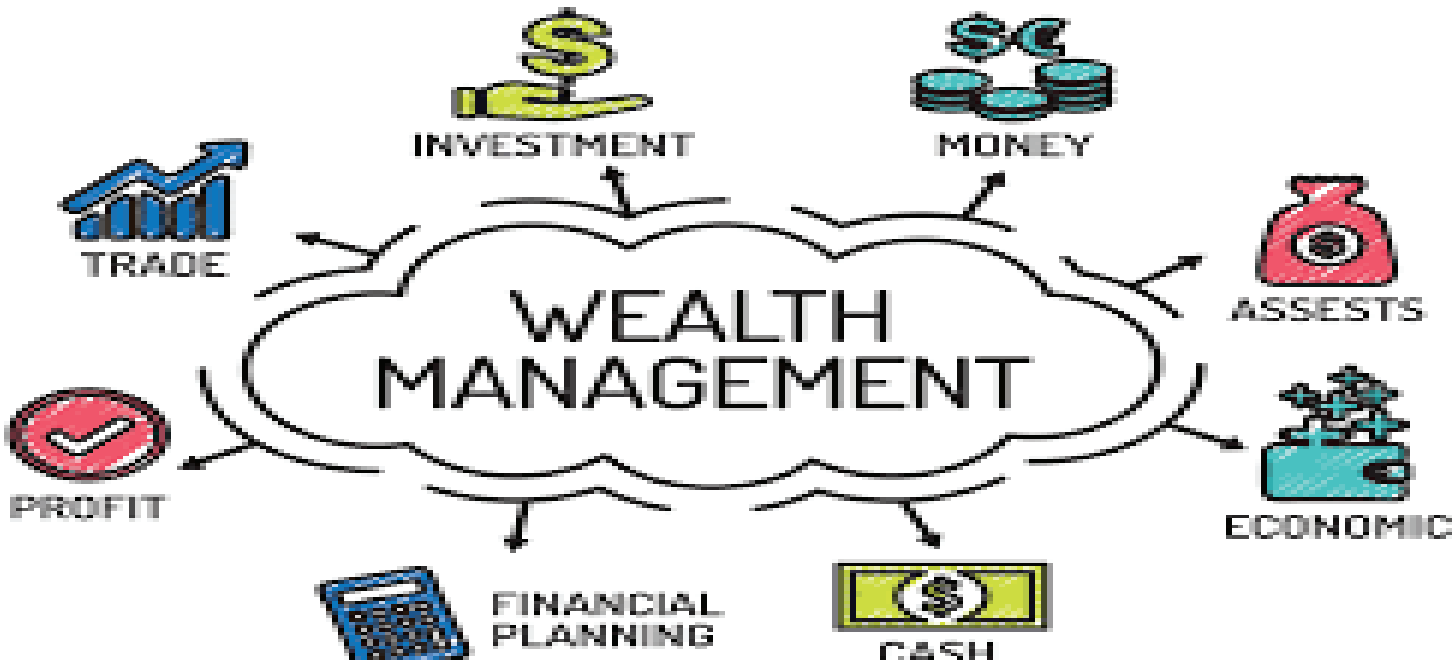

धन प्रबंधन में प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्ट वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निर्मित एक समग्र दृष्टिकोण है, सभी भारतीय वित्तीय परिदृश्य के समृद्ध टेपेस्ट्री के भीतर. आइए इस जटिल प्रक्रिया के बारे में एक व्यापक ब्रेकडाउन की जानकारी दें.

1. वित्तीय मूल्यांकन

डीप डाइवः वेल्थ मैनेजर परिवार की जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक वैल्यू जैसे एसेट, देयताओं, आय, खर्च और भारतीय-विशिष्ट कारकों सहित क्लाइंट की फाइनेंशियल स्थिति का आकलन करते हैं.

लक्ष्य सेटिंगः क्लाइंट के साथ, स्पष्ट फाइनेंशियल लक्ष्य स्थापित किए जाते हैं, अक्सर रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा और भविष्य की पीढ़ियों के लिए संपत्ति को सुरक्षित रखने जैसे माइलस्टोन शामिल होते हैं.

2. पर्सनलाइज्ड फाइनेंशियल प्लान

रणनीतिक ब्लूप्रिंटः क्लाइंट के विशिष्ट लक्ष्यों और जोखिम सहिष्णुता के आधार पर, पर्सनलाइज्ड फाइनेंशियल प्लान तैयार किया जाता है, जिसमें भारतीय मूल्यों और आकांक्षाओं को शामिल किया जाता है.

कस्टम स्ट्रेटेजीः यह प्लान फाइनेंशियल उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारतीय फाइनेंशियल लैंडस्केप की जटिलताओं को नेविगेट करने के लिए अनुकूलित स्ट्रेटेजी की रूपरेखा बताता है.

3. निवेश प्रबंधन

विविध पोर्टफोलियोः भारतीय बाजार की विशिष्ट गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए एक सुसंतुलित निवेश पोर्टफोलियो डिजाइन किया गया है. यह स्टॉक, बॉन्ड, रियल एस्टेट आदि सहित विभिन्न एसेट का लाभ उठाता है, जो विविधता पर ध्यान केंद्रित करता है.

4. टैक्स ऑप्टिमाइज़ेशन

टैक्स लायबिलिटी को कम करनाः वेल्थ मैनेजर अपने टैक्स भार को कम करने में मदद करने के लिए टैक्स-कुशल स्ट्रेटेजी का उपयोग करते हैं, ताकि वे इन्वेस्टमेंट और खर्च के लिए अपनी संपत्ति को अधिक रख सकें.

5. जोखिम प्रबंधन

सुरक्षात्मक उपायः भारतीय बाजार की अस्थिरता और अप्रत्याशित घटनाओं से ग्राहक की संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए कार्यनीतियां लागू की जाती हैं. इसमें अक्सर इंश्योरेंस, आकस्मिकता प्लान और अन्य सुरक्षात्मक उपाय शामिल हैं.

6. चल रहे निगरानी और समायोजन

गतिशील दृष्टिकोणः वित्तीय दुनिया लगातार बदलती रहती है. वेल्थ मैनेजर पोर्टफोलियो के प्रदर्शन की निरंतर निगरानी करते हैं और क्लाइंट को अपने फाइनेंशियल लक्ष्यों की ओर नजर रखने के लिए समायोजित करते हैं.

वेल्थ मैनेजमेंट के लाभ

आइए वेल्थ मैनेजमेंट को स्वीकार करने के कई लाभ देखें:

1. समग्र वित्तीय मार्गदर्शन

वेल्थ मैनेजर आपके फाइनेंशियल जीवन का 360-डिग्री दृश्य लेते हैं. वे आपकी वर्तमान स्थिति, भविष्य के लक्ष्यों और व्यक्तिगत मूल्यों पर विचार करते हैं. यह समग्र दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि आपका फाइनेंशियल प्लान आपके जीवन दृष्टिकोण के साथ संरेखित हो.

2. विशेषज्ञता और अनुभव

धन प्रबंधक अत्यधिक प्रशिक्षित पेशेवर होते हैं जिनका वर्षों का अनुभव होता है. उनकी विशेषज्ञता आपको सूचित फाइनेंशियल निर्णय लेने और जटिल फाइनेंशियल मार्केट को नेविगेट करने में मदद करती है.

3. पर्सनलाइज्ड इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी

आपका पोर्टफोलियो आपके विशिष्ट लक्ष्यों और जोखिम सहिष्णुता के लिए तैयार किया गया है. यह पर्सनलाइजेशन आपको जोखिम को प्रभावी रूप से मैनेज करते समय रिटर्न को अधिकतम करने की अनुमति देता है.

4. कर दक्षता

वेल्थ मैनेजर आपके टैक्स भार को कम करने के लिए टैक्स-कुशल रणनीतियों का उपयोग करते हैं, जो अधिक इन्वेस्टमेंट और खर्च के अवसरों की अनुमति देते हैं.

5. मन की शांति

यह जानकर कि आपका फाइनेंशियल भविष्य सक्षम हाथों में है और यह मन की शानदार सुरक्षा और शांति प्रदान कर सकता है.

6. समय बचत

विशेषज्ञों को फाइनेंशियल मैनेजमेंट की जटिलताओं को प्रतिनिधित्व करके, आप अपने लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण चीजों के लिए समय मुक्त करते हैं.

7. लिगेसी और एस्टेट प्लानिंग

वेल्थ मैनेजर भविष्य की पीढ़ियों के लिए आपकी संपत्ति को सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं, जिससे आपकी विरासत यह सुनिश्चित हो सकती है.

8. जोखिम कम करना

एक अच्छी तरह से संरचित वेल्थ मैनेजमेंट प्लान में फाइनेंशियल जोखिमों को कम करने की रणनीतियां शामिल हैं, जो आपको अप्रत्याशित अवरोधों से बचाती हैं.

वेल्थ मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी

धन प्रबंधन में इस्तेमाल की जाने वाली रणनीतियां वैसे ही विविध हैं जैसे ग्राहक वे सेवा करते हैं. यहां कुछ सामान्य दृष्टिकोण दिए गए हैं:

विविधताः विभिन्न एसेट क्लास में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाकर जोखिम कम हो जाता है. एसेट एलोकेशनः अनुकूल रिटर्न के लिए आपके पोर्टफोलियो में स्टॉक, बॉन्ड और एसेट को संतुलित करने की कला.

टैक्स-कुशल इन्वेस्टमेंटः

टैक्स देयता को कम करने के लिए टैक्स-संबद्ध अकाउंट और स्ट्रेटेजी का उपयोग करना.

रिटायरमेंट प्लानिंग

सुनिश्चित करना कि आपके पास आरामदायक रिटायरमेंट के लिए फाइनेंशियल संसाधन हैं.

एस्टेट प्लानिंगः

विरासत को अधिकतम करने और टैक्स को कम करने के लिए अपनी संपदा का निर्माण करें.

इंश्योरेंस मैनेजमेंटः

अपनी इंश्योरेंस आवश्यकताओं का आकलन करना और यह सुनिश्चित करना कि आपको पर्याप्त रूप से कवर किया जाता है.

चैरिटेबल गाइविंगः परोपकारी प्रयासों के लिए रणनीतियों को कार्यान्वित करना जो आपके मूल्यों के अनुरूप हो.

डेट मैनेजमेंटः

ब्याज भुगतान को कम करने के लिए अपने क़र्ज़ की स्थिति का मूल्यांकन और अनुकूलन करना.

एसआईपी (SIP) निवेश क्या है यह कैसे काम करता है?

सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान (SIP) एक वित्तीय योजना है जो निवेशकों को सावधानीपूर्ण और सूचित तरीके से निवेश करने का एक मौका प्रदान करती है। आप इसमे एक छोटी रकम को नियमित अंतराल के लिए निवेश कर सकते हैं, जिससे आपको आपके वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिल सकती हैं। SIP के माध्यम से निवेश करने से आपको बाज़ार की अस्थिरता या उतार-चढ़ाव से बचने का मौका मिलता है, क्योंकि वह नियमित निवेश में बदलते बाज़ार की स्थिति से निरंतर बदलती रहती है। इससे आपकी वित्तीय स्थिति में स्थिरता बनी रहती है और संवेदनशीलता की दिशा में मदद मिलती है।

म्यूचुअल फंड में एसआईपी क्या है ?

SIP म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक प्रकार है जिसमें व्यक्ति एक निश्चित फंड योजना का चयन करता है और समय-समय पर छोटी राशि में निवेश करता है। इस प्रणाली की विशेषता यहाँ पर है कि यह वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए नियमित रूप से निवेश करने की स्वीकृति देती है, जिससे उच्च रिटर्न की संभावना बनी रहती है। म्यूचुअल फंड निवेश का एक बेहद सरल तरीका है। आप इसमे नियमित अंतराल पर निवेश करके अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं ।

एसआईपी कैसे काम करता है ?

SIP एक तरीका है जिससे आप म्युचूअल फंड में नियमित रूप से कम धन राशि के साथ भी निवेश कर सकते हैं। इसका मतलब होता है सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। यह उन निवेशकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जिनकी आय कम हो या जो नियमित रूप से निवेश करना चाहते हैं। इस प्रक्रिया में, पहले आप अपने पसंदीदा म्यूचुअल फंड का चयन करते हैं। फिर आप अपने निवेश के लिए निवेश करने की राशि और निवेश के अंतराल का चयन करते हैं। आपके द्वारा चुने गए समय पर आपके द्वारा तय की गई राशि आपके खाते से काट ली जाएगी और स्वचालित रूप से फंड में निवेश कर दी जाएगी।

इसकी मदद से आप मात्र 500 रुपए से भी म्युचूअल फंड में निवेश कर सकते हैं, इसीलिए पिछले कुछ समय से इसकी लोकप्रियता बढ़ने लगी है और बहुत लोग इसे करने लगे हैं।

एसआईपी के फायदे

वैसे तो एसआईपी में निवेश करके आप अपने लिए बचत और ग्रोथ दोनों ही करते हैं परंतु इसके अलावा भी एसआईपी करना बहुत फ़ायदेमंद होता है। इसके लाभ नीचे दिए गए हैं:SIP में निवेश करके आप कम्पाउन्डिंग का लाभ उठा सकते हैं। जितने ज़्यादा समय तक आप निवेश करते हैं, उतना ही आपको रिटर्न भी मिलता है। यह आपको निवेश में फ़्लेक्सिबिलिटी प्रदान करता है। अगर आप एसआईपी करते हैं और आपकी चलती एसआईपी के दौरान बाज़ार में कोई गिरावट आए तो आप तुरंत इसको रोक सकते हैं या बंद कर सकते हैं।एसआईपी करके आप आयकर पर छूट प्राप्त कर सकते हैं।

इसमें आप निवेश का अंतराल अपनी सहूलियत के अनुसार चुन सकते हैं जैसे आप सालाना निवेश करना चाहते हैं या हर महीने।आप एसआईपी करने के लिए अपने पेमेंट्स को ऑटोमेट भी कर सकते हैं जिससे पैसे हर महीने अपने आप आपके बैंक से निवेश हो जाते हैं। इससे आपका समय भी बचत है।

SIP के माध्यम से निवेश करके आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं।

SIP वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक योग्य और सबसे सुविधाजनक तरीका है।

सिस्टमेटिक निवेश के द्वारा, आप अपने बजट के अनुसार निवेश कर सकते हैं और अपनी वित्तीय स्थिति को सुधार सकते हैं। एसआईपी (Systematic Investment Plan) शुरू करते समय, आपके पास निम्नलिखित महत्वपूर्ण दस्तावेज़ होने चाहिए:

पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता डिटेल्स, फ़ॉर्म 16 या सैलरी स्लिप, फ़ॉर्म 26AS,बैंक डिटेल्स

फ़ॉर्म 80C/80D की प्रमाणित प्रतियाँ

एसआईपी (SIP) में निवेश क्यों करना चाहिए ??

आपको एसआईपी में निवेश अवश्य करना चाहिए क्यूंकि इसकी मदद से आप को बचत और नियमित निवेश की आदत पढ़ जाती है और आपको वित्तीय तौर पर सुरक्षा मिलती है। जब आप हर महीने थोड़े थोड़े करके निवेश करते हैं तो कम्पाउन्डिंग के कारण आप एक अच्छी राशि जमा कर लेते हैं जिससे आप अपने किसी वित्तीय लक्ष्य जैसे घर खरीदना, आसानी से पूरा कर सकते हैं। साथ में आप रिटायरमेंट के बाद के लिए भी पैसे जोड़ पाते हैं।

एसआईपी में क्योंकि आप एक साथ ज़्यादा पैसे न डालकर छोटी छोटी किश्तों में निवेश कर पाते हैं तो इससे आपकी जेब पर बोझ नहीं पड़ता, इन सब कारणों कि वजह से आपको एसआईपी में ज़रूर निवेश करना चाहिए।

क्या SIP निवेश का सबसे अच्छा तरीका है? शायद इसे निवेश का सबसे अच्छा तरीका कहना तो उचित नहीं होगा लेकिन यह नियमित आय वाले लोगों के लिए निवेश का अच्छा तरीका जरूर हो सकता है जैसे वेतनभोगी और कारोबारी जिनकी हर महीने एक निश्चित आय तय है। SIP से निवेश जेब पर भारी नहीं पड़ता और छोटी- छोटी राशि लगातार निवेश करने से लम्बे समय में एक अच्छी खासी रकम जुटाई जा सकती है।ISIP में फंड का चयन कितना महत्वपूर्ण है? SIP के लिए सही फंड का चुनाव बहुत जरूरी है। सभी फंड एक जैसे नहीं होते। एक म्यूचुअल फंड किस तरह की प्रतिभूतियों या एसेट में निवेश करता है उस आधार पर उसमें जोखिम और रिटर्न देने की क्षमता कम या ज्यादा हो सकती है। साथ ही आपको कितनी राशि की SIP करनी है यह आपको अपने वित्तीय लक्ष्य के आधार पर तय करना चाहिए।

हालांकि कई म्यूचुअल फंड में कम से कम सौ रुपए महीना की भी SIP की जा सकती है लेकिन इससे शायद आपको अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद ना मिले। इसलिए अपनी क्षमता के अनुसार जितना अधिक हो सके निवेश करें और समय के साथ SIP की राशि को बढ़ाते भी रहें।

SIP के जरिए इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए? इक्विटी फंड यानी ऐसे फंड जो निवेशकों के पैसों को शेयर बाजार में निवेश करते हैं। हालांकि इक्विटी म्यूचुअल फंड में जोखिम भी ज्यादा होता है लेकिन ऐतिहासिक तौर पर देखा गया है कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश लम्बे वक्त में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखता है।

SIP में पैसा कब लगाना चाहिए? SIP नियमित रूप से निवेश का एक तरीका है। बाजार का स्तर कुछ भी हो आप इसको जारी रख सकते हैं। अगर मंदी का दौर है तो आपको उन्हीं पैसों में अधिक यूनिट मिल जाएंगी और यदि बाजार में तेजी है तो कुछ कम यूनिट मिलेंगी और लम्बे समय में आपकी यूनिट की कीमत औसत हो जाएगी।

डेली SIP में पैसा लगाना सही है या मंथली? SIP में जरिए म्यूचुअल फंड्स में डेली, मंथली, क्वाटर्ली निवेश करने का विकल्प है। पिछले कुछ सालों में रिसर्च में जो फैक्ट्स सामने आए हैं उससे पता चलता है कि लम्बी अवधि में इस बात से कोई विशेष फर्क नहीं पड़ता कि आप एक महीने में कितनी बार SIP कर रहें हैं यदि पूरे महीने की गई SIP का योग समान है।

SIP में किस समय पैसा लगाएं कि ज्यादा फायदा मिले? किस तारीख में SIP करनी हैं इससे भी लम्बे समय में आपके रिटर्न पर कोई खास फर्क नहीं पड़ता। आप अपनी वेतन तिथि के करीब या जिन दिनों में आपके बैंक खाते में पैसे रहने की सम्भावना सबसे अधिक होती है आप उस दिन निवेश कर सकते हैं।

क्या SIP को बीच में छोड़ सकते हैं, किसी महीने जमा नहीं किया तो क्या होगा? यदि किन्हीं कारणों से आप तय अवधि से पहले अपनी SIP बंद करना चाहते हैं तो यह सम्भव है। आप आमतौर पर निवेश के पैसों को निकाल भी सकते हैं और चाहें तो निवेश की गई रकम को बढ़त के लिए छोड़ दें और सिर्फ आगे की SIP रोक दें।

पहले से चल रहे SIP में एकमुश्त राशि निवेश कर सकता हूं क्या ? बिल्कुल ऐसा किया जा सकता है। जब भी आपके पास थोड़े अधिक पैसे बच जाएं आप उन्हें उसी फोलियो में निवेश कर सकते हैं। शेयर बाजार में गिरावट के दौरान चालू SIP में अतिरिक्त एक मुश्त निवेश और भी अधिक फायदेमंद हो सकता है।

3 साल की कोशिशें नाकाम, अक्षय कुमार की इस फिल्म पर लगा ताला, मेकर्स ने चली नई चाल!

अक्षय कुमार हर साल 4-5 फिल्में रिलीज करने के लिए जाने जाते हैं. इस वक्त एक्टर अपनी पुरानी हिट फिल्मों के सीक्वल और दूसरे पार्ट्स पर काम कर रहे हैं. इसी बीच अक्षय के फैन्स के लिए एक बुरी खबर सामने आई है. सुपरस्टार की एक पुरानी हिट फिल्म के सीक्वल पर ताला लग गया है.

अक्षय कुमार पिछले लंबे समय से अपनी पुरानी हिट फिल्मों के सीक्वल और दूसरे पार्ट्स पर काम कर रहे हैं. उनकी 'राउडी राठौर 2' भी लंबे समय से सुर्खियां बटोर रही थी. फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि इस पर काम चल रहा है. लेकिन अब लगता है कि 'राउडी राठौर 2' नहीं बनेगी. ये फिल्म बनने से पहले ही ठंडे बस्त में चली गई है. माना जा रहा है कि 3 साल बाद अब इस फिल्म को बनाने का फैसला बदल दिया गया है. वहीं फिल्म की स्क्रीप्ट को लेकर अब एक नई फिल्म बनाई जाएगी.रॉनी स्क्रूवाला की यूटीवी मोशन पिक्चर्स के बाद, संजय लीला भंसाली के साथ डिज्नी इंडिया के पास ऑर्जिनल राउडी राठौर के सीक्वल के ऑफिशियल राइट्स हैं. लेकिन दोनों फिल्म के सीक्वल को हरी झंडी नहीं दे पा रहे हैं. फिल्म के सीक्वल को लेकर मेकर्स पूरी तरह से सोच में डूबे हुए है. ऐसे में पता चला है कि अब राउडी राठौर 2 बनाने का आइडिया ड्रॉप कर दिया गया है.

'राउडी राठौर 2' पर लगा ताला

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार डिज्नी के प्रतिबद्ध न होने के कारण, शबीना खान और संजय लीला भंसाली ने राउडी राठौर 2 के विचार को पूरी तरह से त्याग दिया है और स्क्रिप्ट को राउडी राठौर के टैग से हटाकर एक अलग एंटरटेनिंग फिल्म बनाने का फैसला किया है. दिग्गज स्क्रीनप्ले राइटर वी. विजयेंद्र प्रसाद द्वारा लिखे गए इस स्क्रीनप्ले में अब जरूरी बदलाव किए जा रहे हैं, ताकि इसे एक फ्रेश, हाई-ऑक्टेन पुलिस ड्रामा बनाया जा सके.

कहानी होगी वही, फिल्म होगी नई

साथ ही 2012 की एक्शन ब्लॉकबस्टर की मनोरंजन अपील को बरकरार रखा जा सके, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कई फ्लॉप फिल्मों के बाद अक्षय कुमार को फिर से बॉलीवुड चार्ट में टॉप पर पहुंचा दिया था. रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि मशहूर तमिल फिल्म निर्माता पी.एस. मिथ्रन को इस फिल्म के डायरेक्शन के लिए चुना गया है और अगले साल की शुरुआत में इसका निर्माण शुरू करने की प्लानिंग की जा रही है. डायरेक्टर मिथ्रन को विशाल और सामंथा रुथ प्रभु की टेक्नो-थ्रिलर 'इरुम्बु थिराई' (2018), शिवकार्तिकेयन की 2019 की सुपरहीरो फिल्म 'हीरो' और कार्थी की जासूसी एक्शन थ्रिलर 'सरदार' (2022) जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है.

400 करोड़ी 'वॉर 2' डूबी! उधर जूनियर NTR ने कर ली बड़ी तैयारी, इस काम में फूंके 15 करोड़

साउथ का बड़ा नाम जूनियर NTR, जिनका हिंदी डेब्यू बुरी तरह से फेल साबित हुआ है. 400 करोड़ी 'वॉर 2' के लिए मेकर्स ने उन पर बड़ा दांव खेला और सबकुछ फ्लॉप. यहां फिल्म का 7 दिनों में ही पूरी तरह से दम निकल गया है, तो वहीं दूसरी ओर बड़ी जीत की तैयारी हो रही है. आखिर कहां 15 करोड़ रुपये खर्च हुए है, जो अगली जंग में उन्हें जीत दिला सकते हैं.

YRF वालों ने जूनियर एनटीआर पर बहुत बड़ा दांव खेला. साउथ में अपनी पकड़ बनाने के लिए बड़ा पैंतरा अपनाया और उनकी विलेन बनाकर 'वॉर 2' में एंट्री करवाई गई. पर हुआ क्या? यह हुआ कि अच्छी कहानी बनाने से चूक गए. जहां एक ओर तेलुगु फैन्स का कहना है कि उन्हें ठीक तरह से पेश नहीं किया गया. तो कुछ जगह उनकी एक्टिंग पर बड़े सवाल उठाए गए हैं. पर जो भी कुछ हो 7 दिनों में ऋतिक रोशन की फिल्म का बंटाधार हो गया है. अबतक भारत से 200 करोड़ भी पार नहीं कर पाई है. और बजट है 400 करोड़. पर फ्लॉप के बीच जूनियर एनटीआर की बड़ी प्लानिंग शुरू हो चुकी है.

'वॉर 2' अब बजट निकालने से बहुत दूर है. पर जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म पर अपडेट आ गया है. प्रशांत नील के साथ मिलकर वो उसपर काम कर रहे हैं. जिसका नाम 'ड्रैगन' बताया गया है. वहीं, जूनियर एनटीआर की अगली बड़ी तैयारी से पहले आखिर कहां 15 करोड़ फूंक दिए गए? अब पिक्चर को लेकर बहुत बड़ी जानकारी सामने आ गई है.

स्टाइलिश लुक के लिए इन बातों का रखें ध्यान, ट्राई करें ये कलर कॉम्बिनेशन

गुड लुकिंग दिखने के लिए कपड़ों का रंग और उनका सही कॉम्बिनेशन बहुत मायने रखता है। सही रंग न केवल आपके व्यक्तित्व को उभारते हैं, बल्कि आपकी आत्म-विश्वास को भी बढ़ाते हैं। रंगों का प्रभाव मानसिकता पर भी होता है और उनका सही चयन आपकी स्थिति और प्रभाव को मजबूत बना सकता है। आइए, हम कुछ ऐसे ही बेहतरीन कलर कॉम्बिनेशन पर विस्तार से चर्चा करते हैं जो पुरुषों के लुक को आकर्षक और स्टाइलिश बना सकते हैं।

ब्लैक और व्हाइट

ब्लैक और व्हाइट का कॉम्बिनेशन क्लासिक और टाइमलेस है। यह बहुत ही सिंपल और सॉलिड लुक देता है। ब्लैक शर्ट के साथ व्हाइट पैंट या व्हाइट शर्ट के साथ ब्लैक जींस एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह संयोजन आपकी त्वचा के रंग को उभारने में मदद करता है और एक सशक्त, प्रोफेशनल और एलिगेंट लुक देता है। ब्लैक जाकेट के साथ व्हाइट टी-शर्ट या व्हाइट पैंट्स के साथ ब्लैक शर्ट पहनकर एक स्मार्ट लुक मिल सकता है।

नेवी ब्लू और ग्रे

नेवी ब्लू और ग्रे का संयोजन एक सॉफ्ट और सूक्ष्म तरीके से आकर्षण उत्पन्न करता है। यह संयोजन ऑफिस, पार्टी और कैजुअल दोनों ही अवसरों पर फिट बैठता है। नेवी ब्लू टॉप और ग्रे पैंट्स एक शांत और शार्प लुक देने का काम करते हैं। इसके अलावा यह संयोजन किसी भी त्वचा के रंग पर अच्छा लगता है। नेवी ब्लू ब्लेज़र के साथ ग्रे स्लैक पैंट्स या ग्रे शर्ट के साथ नेवी ब्लू जींस पहन सकते हैं।

ऑलिव ग्रीन और बेज

ऑलिव ग्रीन और बेज का संयोजन एक नेचुरल और आरामदायक लुक देता है। यह विशेष रूप से आउटडोर या कैजुअल लुक के लिए अच्छा है। ऑलिव ग्रीन जैकेट या शर्ट बेज पैंट्स के साथ पहना जा सकता है। यह लुक हल्का और शांतिपूर्ण होता है, और ग्रीष्मकालीन आउटफिट के लिए परफेक्ट है। ऑलिव ग्रीन शर्ट के साथ बेज चोकर पैंट्स या बेज जैकेट के साथ ऑलिव ग्रीन पैंट्स पहन सकते हैं।

बर्गंडी और ब्लैक

बर्गंडी और ब्लैक का संयोजन एक गहरे और आकर्षक लुक को दिखाता है। यह रंग संयोजन विशेष रूप से सर्दियों में बहुत अच्छा दिखता है। बर्गंडी का गहरा रंग ब्लैक के साथ शानदार तरीके से मेल खाता है, और यह आकर्षक लेकिन गंभीर लुक देने का काम करता है। बर्गंडी स्वेटर के साथ ब्लैक जींस या बर्गंडी जैकेट के साथ ब्लैक पैंट्स पहन सकते हैं।

लाइट ब्लू और व्हाइट

लाइट ब्लू और व्हाइट का संयोजन एक ताजगी से भरा और फ्रेश लुक देता है। यह रंग संयोजन गर्मियों में खासतौर पर अच्छे लगते हैं। लाइट ब्लू शर्ट और व्हाइट पैंट्स एक क्लीन और सॉफ्ट लुक प्रदान करते हैं। यह लुक आरामदायक और आकर्षक होता है। लाइट ब्लू शर्ट के साथ व्हाइट chinos या लाइट ब्लू टी-शर्ट के साथ व्हाइट पैंट्स पहन सकते हैं।

स्मोक्ड ग्रे और ब्लैक

स्मोक्ड ग्रे और ब्लैक का संयोजन एक सुपर-स्टाइलिश और कंटेम्परेरी लुक देता है। यह संयोजन अर्बन लुक को बढ़ाता है और एक गहरी, पेशेवर शैली प्रदान करता है। स्मोक्ड ग्रे जैकेट या स्वेटर ब्लैक जींस के साथ अच्छे से मेल खाते हैं। स्मोक्ड ग्रे टॉप के साथ ब्लैक पैंट्स या स्मोक्ड ग्रे स्वेटर के साथ ब्लैक जॉगर पैंट्स पहन सकते हैं।

टैन और व्हाइट

टैन और व्हाइट का संयोजन सॉफ्ट और गर्म प्रभाव पैदा करता है। यह कॉम्बिनेशन दिन के समय या हल्के गर्मी में आदर्श है। टैन शर्ट या पैंट्स के साथ व्हाइट टॉप या जैकेट अच्छा लगता है। यह लुक हल्का, आरामदायक और स्मार्ट होता है।

कूल ग्रीन और व्हाइट

कूल ग्रीन और व्हाइट का संयोजन एक ताजगी से भरा लुक प्रदान करता है। यह संयोजन शांतिपूर्ण और हल्का लगता है। कूल ग्रीन टी-शर्ट या शर्ट व्हाइट पैंट्स के साथ एक बेहतरीन कैजुअल लुक देती है।

ग्रे और ब्लैक

ग्रे और ब्लैक का संयोजन एक प्रोफेशनल और शार्प लुक देता है। यह रंग संयोजन वर्क-फ्रेंडली है और एक बहुत ही स्मार्ट लुक प्रदर्शित करता है। ग्रे शर्ट या स्वेटर ब्लैक पैंट्स के साथ पहना जा सकता है। यह संयोजन गंभीर और सुसंगत दिखता है। ग्रे शर्ट के साथ ब्लैक जींस या ग्रे स्वेटर के साथ ब्लैक पैंट्स पहन सकते हैं।

पीच और बेज

पीच और बेज का संयोजन एक हल्का और गर्म लुक देता है। यह रंग संयोजन विशेष रूप से गर्मियों में अच्छा दिखता है। पीच शर्ट के साथ बेज पैंट्स या बेज जाकेट के साथ पीच टी-शर्ट पहन सकते हैं।

फैशन डिजाइनिंग कोर्स करने के बाद कहां मिलती है नौकरी

फैशन की इस दुनिया में अब हर दिन ट्रेंड बदल रहा है. इस बदलते ट्रेंड के अनुसार हर कोई अच्छा दिखना चाहता है. ऐसे में बड़े-बड़े सेलिब्रिटी से आम लोग जो भी कपड़े खरीदते हैं वह ट्रेंड फैशन को ध्यान में रखकर खरीदते हैं. ऐसे में जैसे-जैसे फैशन इंडस्ट्री डेवलप हो रही है वैसे-वैसे मार्केट में फैशन डिजाइनर के मांग भी बढ़ रही है. वहीं फैशन डिजाइनिंग ने एकेडमिक क्षेत्र में भी जगह बना ली है.

आज यूजी और पीजी लेवल पर कई फैशन डिजाइन कोर्स हैं. ये कोर्स स्टूडेंट्स को फैशन की दुनिया के हिसाब से ग्रूम करते हैं. छात्रों को फैशन डिजाइनिंग, टेक्सटाइल इंडस्ट्री, फैशन मैनेजमेंट और ऐसी ही अन्य चीजों के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिलता है. अगर आप भी फैशन डिजाइनिंग में अपना करियर बनना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है आइए जानते हैं कि फैशन डिजाइनर बनने के लिए क्या योग्यता होनी चाहिए और उनका काम क्या होता इसके साथ ही उनकी सैलरी क्या होती है , ऐसे ही ढेर सारे सवाल का जवाब आपको यहां मिलेगा.

जानें आयु सीमा

फैशन डिजानइर का कोर्स करने वाले अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु सीमा 19 वर्ष होनी चाहिए और अधिकतम आयु 40 वर्ष होनी चाहिए.

जानें शैक्षणिक योग्यता

यूजी लेवल पर फैशन डिजाइनिंग कोर्सेज में एडमिशन पाने के लिए युवाओं को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं कक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंको के साथ पास करनी चाहिए.फैशन डिजाइनिंग कोर्स में एडमिशन के लिए छात्रों को NID, DAT, UCEED और NIFT जैसी एंट्रेंस एग्जामिनेशन को भी क्वालीफाई करना पड़ता है.

फैशन डिजाइनिंग में कोर्स

फैशन डिजाइनिंग में बैचलर ऑफ फैशन डिजाइनिंग, बीएससी इन फैशन डिजाइनिंग, बैचलर ऑफ फैशन कम्युनिकेशन, डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग जैसे कोर्स किए जा सकते है. अलग-अलग इंस्टीट्यूट्स में अलग-अलग कोर्स कराए जाते हैं जिनकी ड्यूरेशन भी अलग-अलग होती है. ये कोर्स 1 से 4 साल की अवधि के हो सकते हैं.

जानें कहा से कर सकते हैं यह कोर्स

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, दिल्ली

एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नॉएडा

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, मुंबई

सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन , पुणे

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी , बेंगलुरु

पर्ल अकादमी , दिल्ली

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी , चेन्नई

पर्ल अकादमी , जयपुर

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी,पटना

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी , हैदराबाद

निफ्ट -टिया कॉलेज ऑफ निटवियर फैशन , दिल्ली

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (NID)

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT)

पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन (PAF)

सिम्बोयसिस सेंटर ऑफ डिजाइन (SID)

नॉर्दन इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIIFT)

जानें कहां मिलती है नौकरी

बुटीक, डिपार्टमेंटल स्टोर या लाइफस्टाइल, जारा, एम्पोरियो अरमानी आदि जैसे बड़े ब्रांडों में नौकरी पाना बढ़िया ऑप्शन हो सकता है. इसके साथ ही अरविंद मिल्स भारती वेलमार्ट, केरियन, डिजाइन एन डेकोर, फैबिंदिया, कार्ले इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, विशाल मेगा आदि कंपनियों में जॉब्स कर सकते हैं.

भारतीय व्यंजन विभिन्न संस्कृतियों के सम्मिश्रण के सालों पुराने इतिहास को दर्शाते हैं

भारतीय व्यंजन विभिन्न संस्कृतियों के सम्मिश्रण के 5000 साल पुराने इतिहास को दर्शाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप विविध स्वाद और क्षेत्रीय व्यंजन सामने आए हैं। मुगलों, अंग्रेजों और पुर्तगालियों के आगमन ने इस मिश्रण और विविधता को और बढ़ाया। हालाँकि, क्षेत्र और राज्य के अनुसार व्यंजन अलग-अलग होते हैं, फिर भी अधिकांश व्यंजन एक ही स्वाद की नींव पर बने होते हैं और मसालों और स्वादों के मामले में, भौगोलिक क्षेत्र की परवाह किए बिना, कई समानताएँ होती हैं।

मुख्य अंतर दक्षिण भारतीय और उत्तर भारतीय व्यंजनों में विभाजित हैं। भारत के अधिकांश उत्तरी क्षेत्र शाकाहारी हैं, और इसलिए कई सबसे प्रभावशाली सब्ज़ी व्यंजन उत्तरी राज्यों से आते हैं। भारतीय व्यंजनों में मुख्य सामग्री में चावल, टमाटर, आलू, दाल, छोले, प्याज और दही शामिल हैं, और प्रामाणिक भारतीय भोजन में स्वाद के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे आम मसालों में हल्दी, जीरा, धनिया, सरसों, इलायची, मिर्च, लहसुन, लौंग, केसर, सौंफ, जायफल, चक्र फूल और मेथी शामिल हैं।

जिस तरह से खाने का प्रभाव भारत तक पहुँचा, उसी तरह भारतीय व्यंजन भी विदेशों तक पहुँच चुके हैं। कुछ खास व्यंजनों ने दुनिया भर के व्यंजनों में अपनी जगह बनाई है और सम्मान हासिल किया है, लेकिन सबसे प्रामाणिक स्वाद और खाने के अनुभव के लिए, इन व्यंजनों को उनके मूल स्थान पर ही चखना चाहिए।

वड़ा पाव

वड़ा पाव मुंबई का एक पसंदीदा सैंडविच-स्टाइल स्नैक है , जिसका नाम इसके अवयवों के नाम पर रखा गया है: वड़ा, यानी मसालेदार मसले हुए आलू, जिन्हें छोले के घोल में तला जाता है; और पाव, यानी सफेद ब्रेड रोल। कहा जाता है कि इस प्रतिष्ठित स्ट्रीट फ़ूड की शुरुआत अशोक वैद्य नाम के एक स्ट्रीट वेंडर से हुई थी, जो साठ और सत्तर के दशक में दादर रेलवे स्टेशन के पास काम करते थे और भूखे मजदूरों को तृप्त करने का एक तरीका लेकर आए थे।

इडली

इडली एक पारंपरिक, स्वादिष्ट भारतीय केक है जो कई दक्षिण भारतीय घरों में नाश्ते का एक लोकप्रिय व्यंजन है, हालाँकि यह पूरे देश में पाया जाता है। इसे खमीरी दाल और चावल के घोल से बनाया जाता है, जिसे बाद में भाप में पकाया जाता है। ये स्वादिष्ट केक आमतौर पर गरमागरम परोसे जाते हैं और अकेले ही खाए जाते हैं, सांभर या चटनी में डुबोकर या कई तरह के मसालों के साथ परोसे जाते हैं।

पराठा

पराठा एक परतदार, सुनहरे भूरे रंग की भारतीय रोटी है, जिसे आमतौर पर नाश्ते में खाया जाता है। यह साबुत गेहूँ के आटे से बना होता है जिसे घी में पकाया जाता है और यह गोल, त्रिकोणीय, चौकोर या षट्कोणीय आकार में आता है। अक्सर, पराठों में उबले हुए आलू, फूलगोभी, लहसुन, अदरक, मिर्च, पनीर या मूली जैसी सामग्री भरी जाती है। कभी-कभी इन्हें अचार, दही, घर की बनी चटनी के साथ परोसा जाता है, और कभी-कभी मांस और सब्ज़ियों की करी के साथ परोसा जाता है। पंजाब में, पराठे को लस्सी के साथ खाया जाता है, जो एक लोकप्रिय दही-आधारित पेय है।

नान

नान एक बेहद पसंद की जाने वाली चपटी रोटी है जिसका स्वाद बहुत ही मुलायम होता है। यह मैदा, खमीर, अंडे, दूध, नमक और चीनी से बनी होती है और तंदूरी तंदूर में पकाई जाती है। इसका विशिष्ट आंसू-बूंद जैसा आकार इस वजह से होता है कि तंदूरी की दीवारों पर पकते समय आटा लटक जाता है।

आलू गोभी

आलू गोभी एक शाकाहारी सूखी करी है जिसमें आलू (आलू), फूलगोभी (गोभी) और भारतीय मसाले होते हैं। हल्दी होने के कारण इसका रंग हल्का पीला-नारंगी होता है। अन्य आम सामग्रियों में कलौंजी, करी पत्ता, लहसुन, अदरक, प्याज, हरा धनिया, टमाटर, मटर और जीरा शामिल हैं।

दाल तड़का

दाल से बना यह पारंपरिक व्यंजन भारत के उत्तरी भागों से आया है। हालाँकि इसके कई रूप हैं, लेकिन इसे आमतौर पर तुअर दाल (पीली मटर), लहसुन, अदरक, प्याज, टमाटर, गरम मसाला, लाल मिर्च, घी, जीरा, धनिया, हल्दी और मेथी के पत्तों से बनाया जाता है। तैयार होने के बाद, दाल तड़के को धनिया पत्ती से सजाया जाता है और जीरा राइस और रोटी के साथ गरमागरम परोसा जाता है।

मसाला डोसा

मसाला डोसा के नाम से जाना जाने वाला पारंपरिक दक्षिण भारतीय व्यंजन पूरे देश में लोकप्रिय है। यह भीगे हुए चावल और काली दाल के घोल से बनाया जाता है। इन दोनों को पीसकर गाढ़ा घोल बनाया जाता है और आमतौर पर रात भर खमीर उठने के लिए छोड़ दिया जाता है। इस मिश्रण में मुट्ठी भर मेथी के दाने भी मिलाए जाते हैं, जो डोसे को उसका विशिष्ट सुनहरा-भूरा रंग और स्वादिष्ट, कुरकुरा बनावट देते हैं। फिर इसे गरम तेल लगे तवे पर एक पतले पैनकेक के आकार में सेंका जाता है

रानी लक्ष्मीबाई

चन्द्रशेखर आज़ाद

वीर सुरेन्द्र साए

भीमा नायक

शंकर शाह

रघुनाथ शाह

बरकतउल्ला भोपाली

रानी अवंतीबाई

टंट्या भील

तात्या टोपे

राणा बख्तावर सिंह

सीताराम कँवर

रघुनाथ सिंह मण्डलोई

स्वाधीनता के अमर बलिदानियों को कोटि-कोटि नमन

स्वदेशी की शक्ति से आत्मनिर्भरता को गति देता मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्वतंत्रता दिवस

की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

स्वदेशी अभियान के साथ औद्योगिक विकास

उद्योगों को बढ़ावा देने के प्रयासों से ₹32 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 23 लाख से अधिक रोज़गार होंगे सृजित

कमज़ोर वर्ग का उत्थान

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों को मिल रही सहायता

युवाओं का सर्वांगीण विकास

शिक्षा, कौशल निर्माण के साथ युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन प्रारंभ, कौशल विकास और रोज़गार के अवसरों से जोड़ने के लिए मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान और आगामी 5 वर्षों में 2.5 लाख नौकरियां देने जैसे प्रयासों से युवा हो रहे सशक्त

आत्मनिर्भर होती महिलाएं

महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में प्रतिमाह ₹1250, एमएसएमई में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन, लखपति दीदी योजना और शासकीय सेवाओं में 35% तक महिला आरक्षण

खुशहाल और समृद्ध अन्नदाता

किसानों की आय में वृद्धि, जलवायु-अनुकूल खेती तथा फसल का उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन, कृषि संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कृषि उद्योग समागम का आयोजन, पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना से आ रही है खुशहाली

प्रातः 9:00 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लाइव जुड़ें

"स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। यह अवसर हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और योगदान को स्मरण करने तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-18041/25

हमारा देश हमारा अभिमान

॥ हर हर महादेव ॥

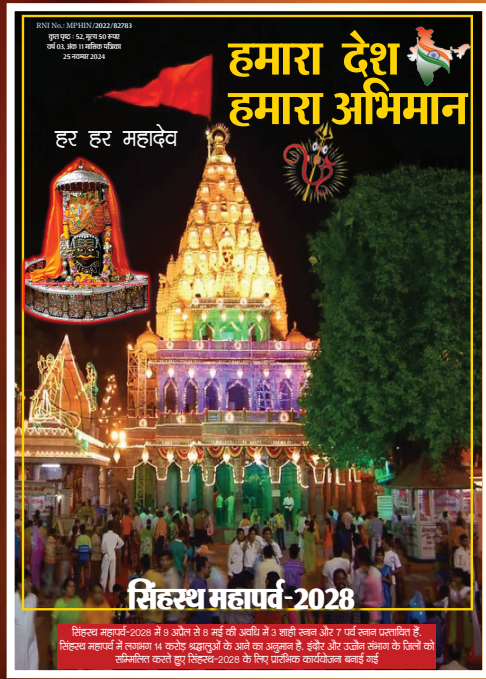

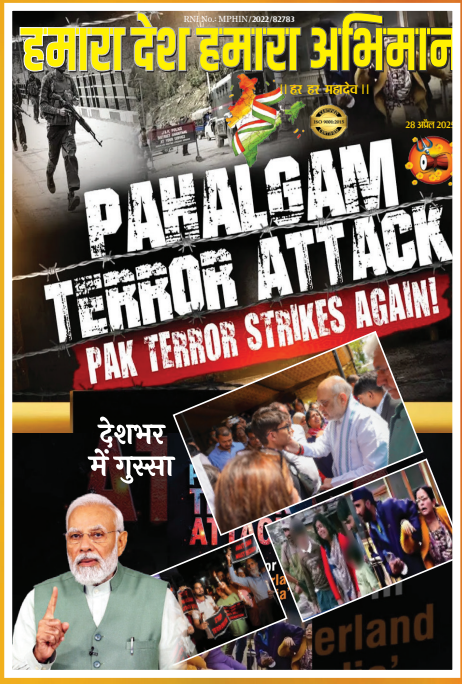

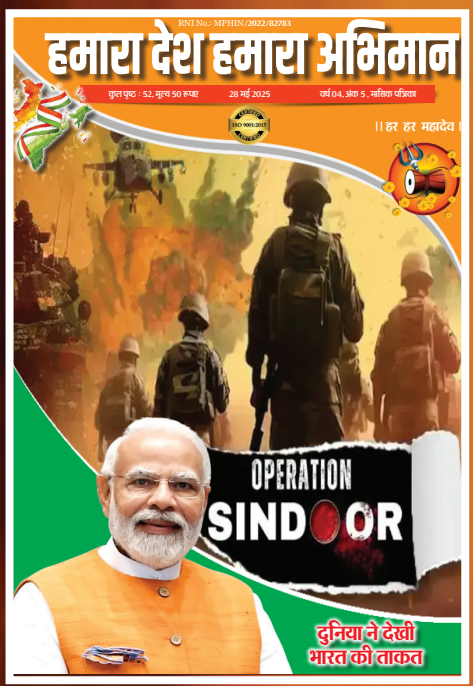

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें.....

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136